RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 29
नई दिल्ली, रविवार, 1 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रतिकारी विध्वंसक जेंडर नियम
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

अघाड़ी राज को मिला बहुमत का साथ

भाजपा के वॉकआउट के बीच उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार ने किया विश्वास मत हासिल

● कुल 169 विधायकों ने पक्ष में किया वोट, पूरी प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हुआ पालन

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में शनिवार को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार के पक्ष में कुल 169 विधायकों ने वोट किया। 288 सदस्यों वाले सदन में विधायकों की गिनती शुरू होने से पहले ही भाजपा अपने 105 सदस्यों के साथ सदन से वॉकआउट कर गई।

प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के पालन के बारे में प्रोटेम स्पीकर दिलीप वल्से पाटिल ने सदन को सूचित करते हुए ध्वनिमत के बाद विधायकों की गिनती कराई। भाजपा विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जिस अवैध तरीके से मंत्रियों ने शपथ ली और सदन का सत्र बुलाया गया, उसके खिलाफ बहिर्गमन किया गया। उन्हें इस कदम पर सत्तारूढ़ दलों के नेताओं की ओर से आलोचना का सामना करना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने फडणवीस को दुखी पराजित व्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा, फडणवीस रणभूमि से दुखी पराजित व्यक्ति की तरह भाग गए और देश ने टेलीविजन पर इसका सीधा प्रसारण देखा। कुल 169 विधायकों ने विश्वासमत के पक्ष में मतदान किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने विश्वासमत प्रस्ताव पेश किया जिसका एनसीपी और शिवसेना के वरिष्ठ सदस्यों ने समर्थन किया। विधानसभा के अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) दिलीप वल्से पाटिल ने सदन को सूचित किया कि मतदान के दौरान चार विधायक अनुपस्थित रहे। इन विधायकों में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआइएम) से दो विधायक, माकपा के एक विधायक और उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे नीत महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का एक विधायक शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार फ्लोर टेस्ट के दौरान वोट करने/अनुपस्थित रहने वाले प्रत्यके विधायकों (शेष पेज 7)

महाराष्ट्र विस में शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन के विश्वास मत हासिल करने के बाद विधायकों के साथ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

स्पीकर पद के लिए कांग्रेस-भाजपा ने उतारे प्रत्याशी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस विधायक नाना पटोले पार्टी के उम्मीदवार होंगे जबकि भाजपा ने किशन कथोरे को अपना प्रत्याशी बनाया है। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव रविवार को होगा। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने से कहा, विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नाना पटोले हमारे उम्मीदवार होंगे। पटोले विदर्भ में साकोली विधानसभा सीट से विधायक हैं। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुरबाड से पार्टी के विधायक कथोरे इस पद के लिए भाजपा के उम्मीदवार होंगे।

नक्सल प्रभावित इलाकों में जमकर हुई वोटिंग

झारखंड विस चुनाव

● हिंसा की मामूली घटनाएं, पहले चरण में 13 सीटों के लिए 64.72 फीसदी मतदान

● डाल्टनगंज में भाजपा समर्थकों से झड़प के बाद कांग्रेस प्रत्याशी ने खुले आम लहराई पिस्तौल

पायनियर समाचार सेवा। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में शनिवार को 13 सीटों पर अपराह्न तीन बजे मतदान खत्म होने तक कुल 64.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों पर हिंसा की मामूली वारदात देखने को मिलीं हालांकि कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा। प्रदेश की 81 विधानसभा सीटों के लिए पांच चरणों में मतदान होना है।

अधिकारियों ने बताया कि नक्सल प्रभावित इलाकों में सर्वाधिक मतदान की खबर है, दूसरी ओर डाल्टनगंज में कांग्रेस प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी और भाजपा समर्थकों में झड़प की घटना हुई है जिसकी जांच के आदेश दिए गए हैं।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मतदान का समय दोपहर बाद तीन बजे समाप्त होने तक कुल 64.72 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक चतरा में 56.59 प्रतिशत, गुमला में 67.30 प्रतिशत, बिशुनपुर में 67.04, लोहरदगा में 64.16, मनिका में 57.61, लातेहार में 61.26, पांकी में 64.10, डाल्टनगंज में 63.90, बिश्रामपुर में 61.60 प्रतिशत, छतरपुर में 62.30, हुसैनाबाद में 60.90, गढ़वा में 66.04 और भवनाथपुर में 65.52 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। मतदान के दौरान मतदाताओं को भयभीत करने के लिए आज सुबह लगभग साढ़े आठ बजे नक्सलियों ने बिशुनपुर के घाघरा गांव के जंगल में एक पुलिया के निकट विस्फोट किया लेकिन इससे किसी नुकसान की खबर नहीं है। मामले की जांच की जा रही है।

अपर पुलिस महानिदेशक एवं झारखंड चुनावों में सुरक्षा व्यवस्था के नोडल अधिकारी मुरारीलाल मीणा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हताश नक्सलियों ने मतदाताओं में भय पैदा करने के लिए बिशुनपुर के बानालाट और वीरानपुर के बीच जंगल में एक पुलिया के निकट यह विस्फोट किया (शेष पेज 7)

झारखंड के लातेहार में मतदान के लिए कतार में खड़े वोटर

मौसम

अधिकतम 27.7°C (+1)
न्यूनतम 14.7°C (+3)

बाजार

सेंसेक्स	40,793	
निफ्टी	12,056	
सोना	38,695	/10g
चांदी	45,375	/kg

क्विक न्यूज

आईएस मॉड्यूल मामले में तमिलनाडु में छापेमारी

चेन्नई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियो ने आईएस मॉड्यूल मामले मे अपनी जांच के संबंध मे तंजावुर और तिरुचिरापल्ली मे शनिवार को छापे मारे और दो संदिग्धो के ठिकानो से लैपटॉप, मोबाइल फोन तथा एक कुल्हाड़ी समेत अन्य सामान बरामद किया। एनआईए ने कहा कि मामले मे अपनी जांच को आगे बढ़ाते हुए उसने तंजावुर में अलावुदीन तथा तिरुचिरापल्ली के एस. सरफुद्दीन के आवास पर छापे मारे। मामले मे जून मे कोयंबटूर मे छापो के बाद मोहम्मद अजरुद्दीन तथा शेख हिदायतुल्ला को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति मे कहा कि ऐसा संदेह है कि दोनो शख्स जून मे गिरफ्तार किए गए लोगो के साथी है और जांच अभियान मे दो लैपटॉप, छह मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, एक पेन ड्राइव, पांच सीडी, डीवीडी, एक कुल्हाड़ी के अलावा 17 दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

वाहन के नदी में गिरने से आठ लोगों की मौत

धुले। उत्तरी महाराष्ट्र के धुले जिले मे शनिवार को मध्य प्रदेश से मजदूरो को लेकर जा रही एक पिकअप वैन के पुल से गिर जाने के कारण इसमे सवार पांच बच्चो समेत आठ लोगो की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना विघुर गांव के पास चालीसगांव-धुले राजमार्ग पर रात करीब साढ़े बारह बजे हुई। घटना के वक्त वाहन चालक बोरी नदी पर बने पुल को पार करते समय एक गड्ढे से बचने के प्रयास मे वाहन से नियंत्रण खो बैठा। उन्होने बताया कि वाहन पुल की दीवार को तोड़ते हुए करीब 40 से 50 फुट नीचे नदी मे जा गिरा। वाहन नदी के पथरीले तल से टकराया जिससे घटनास्थल पर ही सात यात्रियो की मौत हो गई जबकि एक महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालो मे दो महिलाओ और एक पुरुष समेत तीन मजदूर शामिल है। वाहन मे 31 यात्री थे। इनमे से 23 घायल हुए है। घायलो को धुले के हिरे मेडिकल कॉलेज मे भर्ती कराया गया है।

हैदराबाद में सड़कों पर दिखा आक्रोश

महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के विरोध में हैदराबाद में प्रदर्शन करते लोग

● महिला डॉक्टर से रेप, हत्या मामले में चारों आरोपी 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

हैदराबाद के बाहरी इलाके में एक पशु चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या को लेकर गुस्साई भीड़ ने शनिवार को यहां थाने का घेराव किया। इसी शादनगर पुलिस थाने में आरोपियों को रखा गया था। भीड़ के उग्र रूप को देखते हुए थाने में ही कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने आदेश जारी कर चारों आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

वहीं, एक स्थानीय बार एसोसिएशन ने इस मामले के आरोपियों को कोई कानूनी सहायता नहीं देने का संकल्प लिया है। थाने के घेराव के दौरान भीड़ ने प्रदर्शन करते हुए दोषियों के खिलाफ नारेबाजी की। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने आरोपियों को उन्हें सौंपने की मांग की। यही नहीं जब आरोपियों को हैदराबाद स्थित एक जेल ले जाया जा रहा था तभी एक पुलिस वाहन पर पथराव किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस को भीड़ को काबू करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन सुबह में शुरू हुआ और शाम तक चला। कुछ प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की। विभिन्न छात्र समूहों ने भी प्रदर्शन किए। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी और कई अन्य नेताओं ने मृतका के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। दोनों ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार शीघ्र जांच और त्वरित मुकदमे के जरिए दोषियों को कठोर सजा दिलाएगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्याममला कुंदर घटना की जांच के लिए यहां आई हैं। उन्होंने जांच के बाद उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्वाई की सिफारिश की, जो मृतका के परिवार की शिकायत पर समय पर कथित तौर पर हरकत में नहीं आए थे। उन्होंने उस पुलिसकर्मी की गलती पाई, जिसने मृतका की बहन से कहा था कि मामला उनके अधिकारक्षेत्र में नहीं आता है। मृतका की बहन ने शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया था। आयोग से मृतका के परिवार के सदस्यों ने कहा कि हैदराबाद पुलिस ने बेशकीमती वक्त (शेष पेज 7)

युवती की शिकायत का महिंद्रा ने लिया संज्ञान, कहा-होगी कार्रवाई

● लड़की ने उद्योगपति से शोरूम कर्मियों पर घूरने का लगाया था आरोप, बाद में ट्वीट किया डिलीट

रिंकू यादव। नोएडा

उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अच्छे और सकारात्मक संदेश वाले ट्वीट के लिए जाने जाते हैं। साथ ही वे बेहद संवेदनशील भी हैं। हैदराबाद में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में उन्होंने रोष जताते हुए एक ट्वीट किया। नोएडा में काम करने वाली एक युवती ने इस ट्वीट का जवाब देते हुए उनकी सराहना की और साथ ही यहां स्थित उनकी कंपनी के शोरूम में काम करने वाले कर्मचारियों की शिकायत भी की। ट्वीट को देखने के बाद शिकायत करने वाली युवती को आनंद महिंद्रा ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि बाद में युवती ने ट्वीट डिलीट कर दिया।

दरअसल हैदराबाद में महिला पशु चिकित्सक के साथ हुई दरिंदगी के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए आनंद महिंद्रा ने ट्वीट किया कि इस हादसे से मुझे लगे सदमे को मेरे दुख और गुस्से के रूप में लिया जाए। मैं यह समझना चाहता हूं कि हम पूरे देश में, यौन उत्पीड़न और हिंसा की इस महामारी को कैसे रोक सकते हैं। हममें से हर कोई महिलाओं और बच्चों को शिकारियों से सुरक्षित कैसे महसूस करा सकता है। मुझे ऐसे विचार चाहिए, जो हम सभी को अधिक जवाबदेह बनाने में मदद करें।

उनके इस ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए नोएडा की एक यूजर ने शिकायत की कि नोएडा मेट्रो स्टेशन सेक्टर-15 के करीब उसका ऑफिस है और उसके ऑफिस की बिल्डिंग के पास ही महिंद्रा कंपनी का सर्विस सेंटर व शोरूम है। यूजर का आरोप है कि ऑफिस जाते समय सुबह बाहर खड़े मेकैनिक व कर्मचारी उसे घूरते, मुस्कुराते और आपस में खुसर-पुसर करते है। इससे वह (शेष पेज 7)

anand mahindra
Take my shock, sadness & anger as a given. I want to understand how we can, throughout this country, prevent this epidemic of sexual depravity & violence. How can each one of us make women & children feel safe from predators? I want ideas which help us all be more accountable...

हिमस्खलन की चपेट में आने से दो सैनिक शहीद

● बचाव दल ने अन्य को सुरक्षित बाहर निकाला

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दक्षिणी सियाचिन ग्लेशियर में लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर गश्त कर रहा सेना का एक दल शनिवार को हिमस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे दो जवानों की मौत हो गई। यहां रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने एक बयान में बताया कि सेना का गश्ती दल दक्षिणी सियाचिन ग्लेशियर में लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर गश्त कर रहा था।

शनिवार तड़के यह हिमस्खलन की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि हिमस्खलन बचाव दल (एआरटी) तुरंत वहां पहुंचा और टीम के सभी सदस्यों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने में कामयाब रहा। इसके साथ ही जवानों को बचाने के लिए सेना के हेलीकॉप्टरों की भी सेवा ली गई। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, चिकित्सा टीमों के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के बावजूद, सेना के दो कर्मियों की जान चली गई। पिछले दो सप्ताह में सियाचिन में हिमस्खलन की यह दूसरी घटना है।

इससे पहले 18 नवंबर को सियाचिन ग्लेशियर के उत्तरी हिस्से में हुए हिमस्खलन में भारतीय सेना के चार जवान और दो कुलियों की जान चली गई थी। कारकोरम रेंज में लगभग 20 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर को दुनिया में सर्वाधिक ऊंचाई वाला सैन्ईकृत क्षेत्र माना जाता है, जहां सैनिकों को शीतदंश और बेहद तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। यहां प्राय: हिमस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। सर्दियों के दौरान ग्लेशियर का तापमान प्राय: शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है।

3डी कैमरों व नए कानून से बदला गाड़ी चलाने का नजरिया

● सीट बेल्ट बांधकर तय स्पीड में चलने को शान समझने लगे हैं लोग : प्रसाद

● सड़कों पर आसानी से पकड़े जाते हैं नियमों का उल्लंघन करने वाले चालक

शेखर सिंह/गायत्री मणि। नई दिल्ली

नया मोटर व्हीकल एक्ट लागू होने के बाद यातायात नियमों के उल्लंघन के बड़े मामले कम हो गए हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि सरकारों ने नियम तोड़ने वालों पर कड़ी नजर रखने के लिए सड़कों के आधारभूत ढांचे में खासा सुधार किया है। राजधानी की विभिन्न सड़कों पर जगह-जगह 100 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। स्पीड लिमिट से ज्यादा गाड़ी दौड़ाने वाले और रेड लाइट जंप करने वाले आसानी से इनकी पकड़ में आ जाते हैं।

हुंदई इंडिया के सहयोग से ''बेहतर आदमी बनो'' अभियान जिसमें वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और बेहतर इंसान बनने की अपील की जाती है, के तहत पायनियर टीम पश्चिमी दिल्ली के पटेल नगर सर्किल के ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर डॉ. राजेंद्र प्रसाद से मिली और यातायात संबंधी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने यातायात नियमों के उल्लंघन के घटते मामलों का श्रेय ट्रैफिक पुलिस और आधुनिक तकनीक दोनों को ही संयुक्त रूप से दिया।

राजधानी की सड़कों पर रेड लाइट जंप करने और ओवरस्पीड में गाड़ी चलाने वालों को पकड़ने के लिए 3डी कैमरे लगाए गए हैं। इनकी नजर से नियम तोड़ने वाला बच नहीं सकता। इसलिए लोगों के रवैये और सोच में भी काफी बदलाव आया है।

प्रसाद कहते हैं कि कुछ लोग पकड़ने जाने के भय से तो अधिकांश लोग नियमों को तरजीह देते हुए अब सीट बेल्ट बांधकर तय स्पीड में गाड़ी चलाते दिखते हैं। दूसरा कारण संशोधित मोटर व्हीकल एक्ट है जिसमें मोटे जुर्माने का प्रावधान किया गया है। तकनीक, कानून और लोगों के बदले नजरिए से न केवल यातायात संचालन में सुधार हुआ है, बल्कि सड़क हादसों में भी खासी कमी आई है।

पटेल नगर सर्किल के ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर प्रसाद ने बताया कि नई व्यवस्था में पुलिस का काम भी आसान हुआ है और अब उनके इलाके में पुलिस का ज्यादा ध्यान गलत तरीके या अवैध पार्किंग में खड़ी गाड़ियों, गलत मोडिफिकेशन और प्रदूषण सर्टिफिकेट पर रहता है। वह बताते हैं कि अब अधिकांश लोग गाड़ी के पूरे कागज लेकर चल रहे हैं। पहले प्रति माह लगभग 15,000 चालान होते थे (शेष पेज 7)

गढ़चिरौली में हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए

पायनियर समाचार सेवा। गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने नक्सलियों के एक प्रशिक्षण शिविर पर हमला कर दो नक्सलियों को मार गिराया। अधिकारियों ने कहा कि मुठभेड़ भामरागढ़ क्षेत्र में तड़के हुई जब नक्सली दो से आठ दिसंबर तक चलने वाले पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) सप्ताह मनाने की तैयारी कर रहे थे। अधिकारी ने कहा कि मारे गए नक्सलियों की पहचान होना बाकी है। मुठभेड़ तब हुई जब गढ़चिरौली पुलिस के सी-60 कमांडो का दल अबूझमाड़ के जंगल में भामरागढ़ की ओर गश्त लगा रहा था। अधिकारी के अनुसार कमांडो नक्सली शिविर पर पहुंचे जहाँ पीएलजीए सप्ताह की तैयारी चल रही थी। नक्सलियों ने कमांडो पर गोलियों की बौछार कर दी जिसके बाद एक घंटे तक गोलीबारी होती रही। घटनास्थल से नक्सलियों के भागने के बाद सी-60 दल ने तलाशी अभियान चलाया जिसमें दो नक्सलियों के शव मिले।

ग्रेनो में बसाए जाएंगे 4 नए औद्योगिक सेक्टर

शहर के रखरखाव पर खर्च होंगे 345 करोड़, गांवों के लिए 102 करोड़ का बजट तय

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में शहर में चार नए औद्योगिक सेक्टर बनाने और उद्योगों के लिए 1500 एकड़ जमीन खरीदने पर सहमति बन गई। शहर में नागरिक सुविधाएं दुरुस्त करने के लिए नया विभाग बनाया जाएगा।

उक्त बैठक प्राधिकरण सभागार में चेयरमैन आलोक टंडन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में फैसला हुआ कि उद्योगों की स्थापना के लिए किसानों की सहमति से 1500 एकड़ भूमि खरीदी जाएगी। साथ ही, यहां चार नए औद्योगिक सेक्टर विकसित किए जायेंगे। इससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों को जमीन आवंटन किया जा सकेगा। प्राधिकरण की आवासीय भूखंडों कॉमरेटिव सोसायटी एवं ग्रुप हाउसिंग योजना के अन्तर्गत एकल सदस्यों को आवंटित भूखंड पर विलंब से कार्यपूर्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए लगाए गए विलंब शुल्क को एक मुश्त समाधान योजना शुरू हो गई है। 30 जून तक आवेदन करने वाले को विलंब शुल्क में 50 प्रतिशत, 10 जुलाई तक 40 प्रतिशत और 31 अक्टूबर तक आवेदन करने वाले को विलंब शुल्क में 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

पेट्रोल पंप की आएगी योजना

प्राधिकरण अब पेट्रोल पंप की योजना लाएगा, इसके लिए बोर्ड ने सहमति दे दी है। यह योजना वाणिज्यिक योजना के तहत आएगी। प्राधिकरण की फ्री-होल्ड सम्पत्तियों के लिये नामान्तरण प्रक्रिया संबंधी नीति का अनुमोदन बोर्ड ने कर दिया। फ्री-होल्ड के आवंटी निर्धारित प्रक्रिया के उपरान्त प्राधिकरण से नामान्तरण करा सकेंगे। प्राधिकरण विभिन्न परिसम्पत्तियों के भू-आवंटन दरों के निर्धारण विषयक प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसमें जनसंख्या घनत्व के आधार शहर को चार वर्गों में बांटा जाना था। इसी आधार पर जमीन की दरें तय करनी थीं लेकिन इसे अब अगली बैठक में रखा जाएगा।

प्राधिकरण गांवों के विकास पर इस वर्ष 102 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है वहीं शहर के रखरखाव पर 345 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्राधिकरण ने इस साल 400 करोड़ का कर्ज उतारा है। प्राधिकरण द्वारा अपने दैनिक कार्यों एवं कार्यप्रणाली में और अधिक कार्य कुशलता एवं दक्षता लाये जाने के लिए एनआईसी से जीआईएस सर्वे कराएगा। इसके लिए एनआईसी को काम दिए जाने का अनुमोदन कर दिया गया।

बिल्डर्स एवं वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए रि-शिड्यूलमेन्ट पॉलिसी की अवधि 31 मार्च तक बढ़ा दी गई है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अधिसूचित क्षेत्र वृहद है। समय के साथ-साथ प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र बढ़ता जा रहा है। मास्टर प्लान के अनुसार ग्रेटर नोएडा में वर्तमान में लगभग 100 सेक्टर विकसित किये जा चुके हैं।

दो बेटियों की निर्मम हत्या करने वाला दरिंदा पिता गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

कस्बा सूरजपुर में अपनी दो बच्चियों की निर्मम हत्या करने वाले दरिंदे को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के कस्बा सूरजपुर में रहने वाले हरीश सोलंकी ने शुक्रवार सुबह अपनी पांच वर्षीय बेटी राधिका और तीन वर्षीय बेटी पूजा की सिर पर भारी वस्तु मार हत्या कर दी थी।

एसपी ने बताया कि हत्या करने के बाद सोलंकी फरार हो गया था। वहीं पुलिस ने दोनों बच्चियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। उन्होंने बताया कि सोलंकी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान हरीश सोलंकी ने पुलिस को बताया है कि वह जाति से ठाकुर है। उसकी पत्नी सूरजपुर स्थित उसकी मकान मालकिन के शरीर की मालिश करने जाती थी। कई बार मना करने के बावजूद वह नहीं मानी। इस बात से वह काफी गुस्से में था। उसने अपनी पत्नी से कहा कि मैं अपनी दोनों बेटियों की हत्या करके, घर से चला जाता हूं, तुम अपनी मनमर्जी चलाओ। उसने अपनी झूठी शान के लिए दोनों बेटियों की हत्या कर दी और खुद घर छोड़कर चला गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार हत्यारोपी को यहां अदालत में पेश किया, जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञापन देने जातीं महिला प्रशिक्षण संस्थान की महिलाएं।

पशु चिकित्सक की हत्या पर जताया रोष

गाजियाबाद। महिला प्रशिक्षण संस्थान ने हैदराबाद में डॉ.प्रियंका रेड्डी की बलात्कार के बाद हत्या करने पर कड़ा रोष जताया। महिलाओं ने अपना आक्रोष जाहिर करते हुए कहा कि रोज महिलाओं पर जुर्म बढ़ते जा रहे हैं। संस्थान की अध्यक्ष शैली सेठी ने बताया कि यह एक जघन्य हत्याकांड है। मदद के बहाने प्रियंका रेड्डी की हत्या कर दी गई। ऐसे में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। ज्ञापन के माध्यम से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। ज्ञापन देने वालों में वंदना चौधरी, तरुणिमा श्रीवास्तव, ज्योति शर्मा, पूनम नागर, निशा तोमर आदि मौजूद रही।

लाइन खींचने के दौरान खंभा टूटा, घायल

हापुड़/धौलाना। एक पखवाड़ा पूर्व कस्बा धौलाना में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते हुई अस्थाई कर्मी की मौत को अभी विभाग भूला भी नहीं था कि गांव लालपुर-सौलाना में बिजली का खंभा टूटकर गिरने से लाईन मैन गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक मेरठ निवासी अब्दुल समद ठेकेदार सुन्दर सिंह के पास लाइनमैन का काम करता है। शनिवार को लालपुर गांव में विद्युतीकरण का कार्य चल रहा था। इस दौरान नई लाइन खींचने के लिए काम में लगा अब्दुल समद खंभे पर चढ़ा तभी खंभा टूटकर नीचे गिर गया जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ के लिए रेफर किया गया है। वहीं विद्युत विभाग के एसडीओ अश्वनी बेदी से जब घटना के संबंध में फोन किया तो उनका मोबाइल स्विच बंद था।

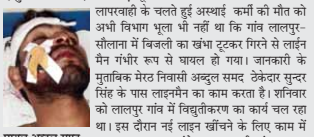

घायल अब्दुल समद

डीडीपीएस में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता रंग दे इंडिया-2019 के विजेता।

पोस्टर मेकिंग में दिए राष्ट्रहित के संदेश

गाजियाबाद। पांचवीं कक्षा तक के सी से ज्यादा बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा को ड्राइंग शीट पर इतनी खूबसूरती से उकेरा कि आयोजक भी हैरान रह गए। मौका था डीडीपीएस संजय नगर द्वारा आयोजित वार्षिक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता 'रंग दे इंडिया-2019' का। इस प्रतियोगिता में डीडीपीएस संजय नगर के अलावा गुरुकुल व शिलर स्कूल के छात्रों ने भी हिस्सा लिया था। मनीष वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों में किया गया था। जिसमें पर्यावरण, सेव वाटर समेत कई राष्ट्रहित और जनहित के विषय छात्रों को दिए गए थे। छात्रों ने ऑन द स्पॉट बेहद ही खूबसूरत पेंटिंग्स बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

केवाईसी के सहारे बैंकों से रुपया निकालने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- मामले में एक युवक को पुलिस ने दबोचा

गौतमबुद्धनगर जिले में केवाईसी दस्तावेज हासिल कर उनके आधार पर फर्जी क्रेडिट कार्ड व एटीएम बनवाने और बैंक से लाखों रुपए निकालने वाले गिरोह के एक बदमाश को पुलिस ने शनिवार को दबोच लिया।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक की कार्ड बनाने वाली कंपनी ने इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात लोगों ने 16 लोगों के केवाईसी फॉर्म हासिल कर उसके आधार पर फर्जी तरीके से बैंक का क्रेडिट कार्ड बनवा लिया और फिर बैंक से 52 लाख रुपए निकाल लिए।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने शनिवार को इस मामले में हिमांशु कुमार नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उसके पास से विभिन्न लोगों के केवाईसी फार्म, फर्जी तरीके से बनाए गए क्रेडिट व एटीएम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद हुआ है।

पूछताछ के दौरान उसने गिरोह के कुछ अन्य लोगों के नाम बताए हैं। संबंधित बैंक ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने केवाईसी दस्तावेज न दें।

तेंदुआ दिखने पर लोगों में हड़कंप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गौड़ सिटी के सामने शनिवार सुबह तेंदुआ दिखने के कारण लोगों में खौफ है।

मिली जानकारी के अनुसार तेंदुआ गौड़ सिटी के पास शनि मंदिर के निकट देखा गया है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम तेंदुआ ढूंढने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान लोग उत्सुकतावश अपनी सोसाइटी की बालकनी और खिड़की से वन विभाग टीम की कार्रवाई को देख रहे थे। बता दें कि गुरुग्राम के मानेसर में धानावास पातली गांव में कुछ दिनों पहले तेंदुए की खबर से विभाग ने सर्च ऑपरेशन चलाया था मगर पता चला कि वह लकड़बग्घे के पैरों के निशान हैं।

इंदिरापुरम में फैली हरित पट्टी को लीज पर देगा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- जीडीए की बढ़ेगी आय, टेंडर जारी

शहर की हरित पट्टी को विकसित करने, उनके रखरखाव व संचालन के लिए जीडीए निजी सेक्टर को लीज पर देगा। इससे जीडीए की ना केवल आय बढ़ेगी बल्कि हरित पट्टी पर होने वाला खर्च भी शून्य हो जायेगा। इसकी शुरुआत इंदिरापुरम योजना में स्थित नीति खंड प्रथम की हरित पट्टी से होने जा रही है।

इस हरित पट्टी में 2733 फलदार वृक्ष लगे हुए हैं इनके रखरखाव और उपज की पांच वर्ष अवधि तय की गई है। इसके लिए जीडीए ने बकायदा टेंडर भी आमंत्रित किए हैं। यह पहला मौका है जब फलदार वृक्षों के रखरखाव व उपज के लिए प्राधिकरण ने आमंत्रित किया है । इसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि शहर में बड़े पैमाने पर जंगली जानवर और बंदर मौजूद हैं जो वृक्षों और फूलों को नुकसान पहुंचाते हैं।

जीडीए के अधिशासी अभियंता अरविंद चौधरी ने बताया कि यदि यह योजना इंदिरापुरम में सफल हो गई तो शहर के अन्य इलाकों में भी इस तरह की योजना लागू की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इंदिरापुरम योजना की हरित पट्टी दो एकड़ में फैली है।

जिम संचालक और भाई की गोली मारकर हत्या

नोएडा। रबूपरा क्षेत्र में कुछ लोगों ने रंजिश के चलते जिम संचालक और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबूपरा निवासी गिरिराज सिंह का 30 वर्षीय पुत्र राजेन्द्र ठाकुर जिम चलाता था। शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह जिम बंद करने के बाद अपने भाई आकाश ठाकुर के साथ घर जा रहा था।

गौर सिटी के पास भारतपाल के पुत्र धर्मेंद्र व किरनपाल ने साथियों के साथ दोनों भाईयों को घेर लिया और उनपर ताबडतोड़ फ़ायरिंग कर दी। इस घटना में गोली लगने से राजेन्द्र और उसे भाई आकाश की मृत्यु हो गई जबकि जितेन्द्र नामक एक युवक गंभीर रुप से जख्मी हो गया।

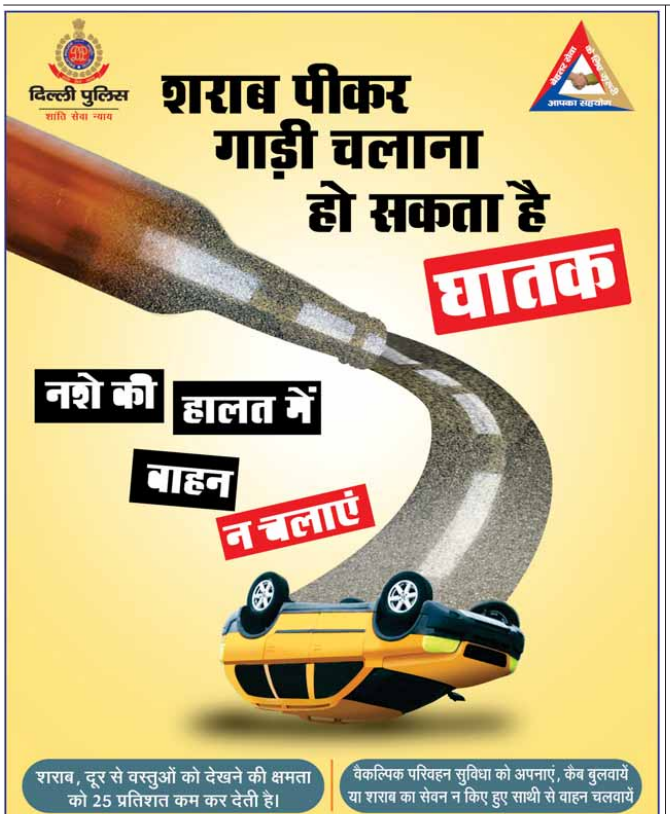

मुठभेड़ में बिल्लू दुजाना गैंग का शार्प शूटर घायल

नोएडा। बिसरख पुलिस और बदमाशों के बीच दिनदहाड़े हुई मुठभेड़ में बिल्लू दुजाना गैंग का शार्प शूटर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। इसका एक साथी मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश के कब्जे से एक मोटर साइकिल, तमंचा व कारतूस बरामद किए गए हैं।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि शनिवार अपराह्न करीब सवा तीन बजे रोजा जलालपुर गौर संस मिक्सर प्लांट के सामने थाना बिसरख पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया और एक बदमाश मौके से फरार हो गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा, 3 जिंदा व 1 खोखा कारतूस बरामद किया गया है। घायल बदमाश को उपचार हेतु अस्पलात भेजा गया है। बताया गया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी पर थाना बिसरख से 25000 रुपये का पुरस्कार घोषित था। अभियुक्त बिल्लू दुजाना गैंग का शार्प शूटर एवं थाना फेज 3 का हिस्ट्रीशीटर है। अभियुक्त द्वारा बीते माह 3 अक्टूबर को गौर सिटी सोसाइटी में अनिल चौहान पर फायरिंग की घटना की गई थी।

आठ दिसंबर को फारेस्ट एडवेंचर रन का आयोजन

गाजियाबाद। जीडीए द्वारा विकसित सिटी फारेस्ट में आठ दिसंबर को फारेस्ट एडवेंचर रन का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षक वर्ल्ड फाउंडेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि फिट इंडिया अभियान से प्रेरित प्रतियोगिता में 14 से 60 वर्ष की आयु तक के व्यक्ति भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को दर्जनभर बाधाओं को पार करते हुए तीन किलोमीटर दौड़ना होगा।

रक्षक वर्ल्ड फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष संजय वोहरा ने बताया कि इस कार्यक्रम के जरिए यह संदेश देने की कोशिश होगी कि प्रकृति के करीब रहकर और खेल से जुड़े रहकर स्वस्थ्य रहा जा सकता है।

टिक टॉक पर वीडियो बनाने से रोका तो छोड़ा घर

सर्विलांस की मदद से सहेली के घर से बरामद हुई किशोरी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आजकल टिक-टॉक का नशा युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। युवा इस कदर टिक-टॉक वीडियो बनाने के आदि हो चुके हैं कि वह परिजनों की भी सुनने को तैयार नहीं हैं। ताजा मामला मोदीनगर थाना क्षेत्र के निवाड़ी का है जहां एक किशोरी का टिक-टॉक वीडियो बनाने को लेकर परिजनों से ही विवाद हो गया। इसके बाद अचानक किशोरी घर से गायब हो गई। परिजनों के काफी प्रयास के बाद भी जब वह नहीं मिली तो उन्होंने अपहरण का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी।

किशोरी के अपहरण की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत एक्शन में आई। इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस की मदद से युवती को उसकी सहेली के घर से बरामद किया। निवाड़ी थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया की निवाड़ी क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार ने 28 नवंबर को किशोरी के अपहरण की सूचना दी थी। इसके बाद तत्काल प्रभाव से मामला दर्ज करते हुए किशोरी की तलाश की गई और सर्विलांस के माध्यम से लड़की को 29 नवंबर को सुशांत सिटी में रहने वाली उसकी सहेली के घर से सकुशल बरामद कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान लड़की ने बताया कि उसका किसी ने अपहरण नहीं किया था, बल्कि उसका अपने परिजनों से टिक-टॉक वीडियो बनाने को लेकर झगड़ा हुआ था। किशोरी ने बताया कि परिजन उसके टिक-टॉक वीडियो बनाने पर आपत्ति करते हैं। इसलिए वह खुद ही घर छोड़कर आई थी। बहरहाल पुलिस ने लड़की को समझा-बुझाकर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

स्वच्छता की अलख जगाने को शहर में निकाली रैली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

स्वच्छ भारत मिशन की कामयाबी के लिए शनिवार को हजारों स्कूली बच्चों ने स्वच्छता रैली निकालकर स्वच्छता के प्रति अलख जगाई । इस अवसर पर नगर निगम द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के संसदीय कार्य व जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना मुख्य अतिथि थे। खन्ना ने स्वच्छता में शहर को पहले नंबर पर लाने की शपथ भी दिलाई।

हिंडनपार के राजेंद्र नगर स्थित खेतान पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जहां स्कूली छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित अतिथियों को भी खड़े होने के लिए विवश कर दिया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता के द्वारा भी बच्चों ने स्वच्छता का संदेश दिया। कैबनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश में स्वच्छता को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को लेकर देश में जो अलख जगाई है वह काबिले तारीफ है। जिसका असर अब समाज में दिख रहा है और लोग सफाई के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में गाजियाबाद नगर निगम प्रदेश में पहले और देश में 13वें नंबर पर आया था। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में निगम को देश में प्रथम आने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा स्वच्छता हर व्यक्ति के जीवन में बेहद जरूरी है और स्वच्छ वातावरण में ही अच्छे विचार आते हैं। प्रदेश के राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने शहर की जनता का स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

साहिबाबाद के विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि पॉलीथिन बैन करने के लिए नागरिकों का सहयोग भी बेहद जरूरी है। मेयर आशा शर्मा ने कहा कि गाजियाबाद में सामुदायिक शौचालय और साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, वह समय-समय पर इसकी मॉनिटरिंग भी करती रहती हैं। इसके लिए उन्होंने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को बधाई भी दी। नगरायुक्त दिनेश चंद ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी, मोदीनगर की विधायक मंजू शिवाच, जिलाधिकारी समेत कई गणमान्य उपस्थित थे ।

स्वच्छता को लेकर गाजियाबाद में निकाली गई शंखनाद रैली में उपस्थित प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मेयर आशा शर्मा व अन्य।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मिश्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इम्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मिश्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

महिला सुरक्षा पर संसद के पास युवती का धरना, हंगामा

प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन के दौरान पुलिस जबरन उठा ले गई थाने, दिल्ली महिला आयोग ने भेजा नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हैदराबाद में डॉक्टर और झारखंड में युवती से गैंगरेप हत्या समेत महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों से नाराज एक युवती ने शनिवार सुबह संसद के बाहर फुटपाथ पर धरना दिया। इससे वहां कुछ समय के लिए भारी हंगामा हो गया। पुलिस ने पहले युवती को वहां से उठने के लिए कहा। बाद में जिद पर अड़ी युवती को पुलिस संसद मार्ग थाने ले गई और कई घंटे तक वहीं बैठाए रखा। युवती ने पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप भी लगाया है। पीड़िता ने इस संबंध में संसद मार्ग थाने में एक शिकायत भी दर्ज कराई है। इस पर माहिला आयोग ने पुलिस को नोटिस जारी किया है।

युवती की पहचान अनु दुबे के तौर पर हुई है, जो संसद के प्रवेश द्वार 2-3 के समीप फुटपाथ पर हाथ में एक तख्ती लिए बैठी थी, जिस पर

संसद भवन के पास फुटपाथ प्रदर्शन करने वाली युवती से बात करतीं स्वाती मालीवाल।

लिखा था मैं अपने भारत में सुरक्षित क्यों नहीं महसूस करती। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसे जंतर मंतर जाकर प्रदर्शन करने को कहा लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद उसे पुलिस अपनी गाड़ी में संसद मार्ग स्थित थाने ले गई। इस दौरान युवती की आंखें नम थीं।

उन्होंने बताया कि कुछ अधिकारियों ने युवती की बात सुनी और उसके बाद उसे छोड़ दिया गया। मीडिया से बातचीत में दुबे ने कहा कि वह सरकार के अधिकारियों से मिलना चाहती है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने महिला की पिटाई की। मालीवाल ने ट्वीट किया कि हैदराबाद में बलात्कार की भयावह

दुर्व्यवहार के आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

घटना से परेशान जब एक छात्रा अपनी आवाज उठाना चाहती थी तो दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पिटाई की। मैंने पुलिस थाने में लड़कों से मुलाकात की, वह डरी हुई है। यह दिखाता है कि उन लोगों का ऐसा ही हश्र होगा जो आवाज उठाते हैं?

उन्होंने कहा कि डीसीडब्ल्यूडी इस शर्मनाक घटना को लेकर एक नोटिस जारी करेगी। बाद में उन्होंने पुलिस को नोटिस जारी भी किया। हालांकि, पुलिस ने आरोपों से इनकार किया है। दुबे के प्रदर्शन से एक दिन पहले हैदराबाद के पास एक पुलिया के नीचे से 27 वर्षीय महिला डॉक्टर का झुलसा हुआ शव मिला था। उसे जलाने से पहले उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। इससे पहले रांची में 25 वर्षीय एक महिला के साथ हथियारों से लैस कुछ पुरुषों के समूह के सामूहिक बलात्कार करने की घटना सामने आई थी। मामले में सभी 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रदर्शनकारी युवती के साथ कथित बदसुलूकी पर दिल्ली महिला आयोग ने नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त को नोटिस जारी कर चार दिसंबर तक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने नोटिस में यह पूछा है कि लड़की को पीटने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है या नहीं। अगर दर्ज हो चुका है तो आयोग को उसकी कापी उपलब्ध कराई जाए।

आयोग ने यह भी पूछा है कि लड़की जब अकेले और चुपचाप वहां विरोध कर रही थी तो उसे वहां से हटाने का क्या कारण था। इसके अलावा आयोग ने उन कर्मियों के बारे में विस्तार से जानकारी मांगी है जो दुर्व्यवहार के आरोपी हैं।

चाय बेचने वाली महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग इलाके में चाय की दुकान चलाने वाली 55 वर्षीय महिला की गला घोंट कर हत्या कर दी ई। हत्यारे ने मार डालने से पहले महिला के साथ बलात्कार भी किया। पुलिस ने इस सिलसिले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता अपनी छोटी सी चाय की दुकान में अकेली रहती थी। शनिवार की सुबह एक ग्राहक जब चाय की दुकान पर आया तब उसने महिला को फर्श पर पड़ा देखा। उसने फौरन शोर मचाया। महिला को अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की और इसके आधार पर संदिग्ध को पास के इलाके से पकड़ लिया। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने महिला की गला घोंटकर हत्या करने से पहले उससे जोर जबरदस्ती की। पुलिस ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मयूर विहार स्थित गौशाला में गाय को चारा खिलाते मनोज तिवारी।

मयूर विहार में तिवारी ने की गौसेवा

नई दिल्ली। मनोज तिवारी ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर तीन वर्ष पूरा करने पर दिल्लीभर के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। मनोज तिवारी, पूर्व सांसद और भाजपा नेता लाल बिहारी तिवारी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे और उन्हें बधाई दी। इसके बाद मयूर विहार में गौशाला में जाकर गौ पूजा और गौ सेवा कर एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और अपने दायित्व प्राप्ति के लक्ष्य को दोहराया। इस अवसर पर मीडिया विभाग के प्रदेश सह प्रभारी नीलकांत बख्शी, जिला अध्यक्ष अजय महावर, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष सिंह, शिक्षा समिति के चेयरमैन राजकुमार बल्लन, निगम पार्षद दुर्गेश तिवारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

हर साल तय तारीख पर हो एम्स का दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के छात्रों, रेजिडेंट डाक्टरों तथा पीएचडी स्कॉलरों ने प्रशासन से दीक्षांत समारोह के लिए एक निश्चित तारीख तय करने तथा हर साल इसी तारीख पर इसका आयोजन करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि उनमें से ज्यादातर लोग देश के दूरस्थ हिस्सों से तथा दूसरे देशों से यहां आते हैं, ऐसे में उन्हें दीक्षांत समारोह के लिए अवकाश लेने तथा यात्रा टिकट की अग्रिम बुकिंग कराने में सुविधा होगी। निदेशक को लिखे पत्र में उनका यह भी कहना है कि दीक्षांत समारोह की तारीख अनश्चित होने के कारण उन्हें जो शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इससे उन्हें निजात मिलेगी।

संस्कृत के कारण पूरे विश्व में भारत का गौरव

नई दिल्ली। संस्कृत साहित्य का महत्व इसके श्लोकों के कारण ही है। इसी वजह से यह भाषा कर्णप्रिय है और लोगों पर अलग प्रभाव छोड़ती है। भारतीय संस्कृति आज भी पूरे विश्व में अपने गौरव और महत्व के साथ विराजमान है, क्योंकि इसके मूल में संस्कृत है। यह कहना है विधानसभा सदस्य सुखवीर सिह दलाल का। दलाल दिल्ली संस्कृत अकादमी की ओर से आयोजित संस्कृत विद्यालयों के मध्यमा स्तरीय एवं स्नातक स्तरीय श्लोक अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता समारोह में मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत जन-जन के सस्कारों की भाषा है। शिक्षा को रोजगार से पहले संस्कारों से जोड़ना आवश्यक है। मानव-सभ्यता के आचार-विचार, रहन-सहन, धर्म-कर्म आदि के रहस्यों को भली भांति जानने के लिए संस्कृत का ज्ञान परमावश्यक है। यह कार्यक्रम श्रीराम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला दिल्ली के सौजन्य से हुआ। इस अवसर पर डॉ. भास्करानंद पाण्डेय, डॉ. सुमन कुमार झा, डॉ. पातीराम शर्मा, यतींद्र कुमार शर्मा, डॉ. शकर दत्त शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

नगर कीर्तन जुलूस आज बदले गए कई रास्ते

नई दिल्ली। राजधानी में गुरु तेगबहादुर साहिब के शहीदी गुरुपर्व के मौके पर रविवार को जगह-जगह नगर कीर्तन निकाले जाएंगे। इससे लगने वाले जाम को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने कई मार्गों पर यातायात परिवर्तन किया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की ओर से विशाल जुलूस भाई मातीदास चौक से शुरू होगा और यह गुरुद्वारा शीशगंज साहिब, चांदनी चौक से होते हुए गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब पहुंचेगा।

डीएसजीपीसी के मुताबिक इस जुलूस में कई बैंड, घुड़सवार निहंग, स्कूली बच्चों समेत हजारों लोग शामिल होंगे। जुलूस के साथ कई गतका अखाड़ा अपना प्रदर्शन करते चलेंगे। संयुक्त आयुक्त (यातायात) ने बताया कि नगर कीर्तन के भव्य जुलूस के मद्देनजर कई मार्गों पर यातायात प्रभावित होगा। इसलिए कई सड़कों को सुबह के समय कुछ घंटों के लिए बंद किया जाएगा।

प्याज, पानी और कॉलोनियों के मुद्दे पर विरोधियों पर वार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वे विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी पर निशाना साध रहे हैं। शनिवार को जहां भाजपा युवा मोर्चा ने दूषित पानी आपूर्ति के मुद्दे पर केजरीवाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया वहीं, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्याज की जमाखोरी पर केंद्र में सत्तासीन पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। तीसरी प्रमुख कांग्रेस ने अनुधिकृत कॉलोनियों को लेकर आप व भाजपा दोनों पर निशाना साधा।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार व दिल्ली की केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि अनधिकृत कालोनियों के नियमन संबधी 19 नवंबर को जारी अधिसूचना की धारा

दूषित पेयजल आपूर्ति पर भाजयुमो का प्रदर्शन

साफ और सबको पानी आपूर्ति का दावा कर रही आम आदमी पार्टी पर भाजपा युवा मोर्चा ने जमकर निशाना साधा और मोर्चा ने कथित रूप से दूषित पानी आपूर्ति के मुद्दे पर पालिका बाजार, कनॉट प्लेस, खान मार्केट और साउथ एक्सटेंशन-पार्ट 2 में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने किया। हाथों में प्लैकार्ड लिये युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से इस्तीफे की मांग की। अलग-अलग जगह हुए इन प्रदर्शनों में प्रदेश मीडिया प्रमुख अशोक गोयल देवराहा, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष राम यादव, अनमोल राणा, कार्यालय मंत्री अजय खत्रा, युवा मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य राहुल चौधरी एवं गगन बब्बर आदि मौजूद थे।

ए को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए। पार्टी कार्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान चोपड़ा के साथ अरविंदर सिंह लवली, मुख्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा भी मौजूद थे। इन नेताओं ने दोनों सरकारों पर अनधिकृत कॉलोनियों के मुद्दे पर 40 लाख लोगों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनो दलों ने षड्यंत्र के तहत जानबूझकर कांग्रेस द्वारा जारी अधिसूचना को निरस्त कर दिया और नई अधिसूचना इसलिए जारी की है ताकि इन कालोनियों के नियमन के मुद्दे को उलझा कर रखा जा सके। इस मौके पर मुकेश शर्मा ने घोषणा की कि कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली की अनाधिकृत कालोनियों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र की भाजपा सरकार व केजरीवाल सरकार के खिलाफ आंदोलन के पहले चरण में केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी के निर्माण भवन स्थित कार्यालय का घेराव करेंगे।

प्याज को लेकर संजय सिंह ने भाजपा पर लगाए आरोप

आप भी अपने विरोधियों को घेरने का कोई मौका नहीं चूक रही है। कई दिन से प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर बवाल मचा है। सस्ती प्याज मुहैया कराने के लिए दिल्ली सरकार ने केंद्र को पत्र भी लिखा है।

शनिवार को आप सांसद संजय सिंह ने केंद्र में सत्तासीन भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा और जमाखोरों ने मिलकर दिल्ली की जनता को महंगाई के आंसू रुला रखे हैं। दोनों के बीच गहरा रिश्ता है।

छह लाख से अधिक पंजीकरण के साथ हरियाणा देश में प्रथम

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पेंशन सप्ताह का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रम विभाग की ओर से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएमएसवाईएम) एवं राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत पेंशन सप्ताह का आयोजन शनिवार को गुरुग्राम के स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद् हॉल में किया गया। जिसका शुभारंभ हरियाणा श्रम आयुक्त नितिन यादव ने किया।

इस मौके पर नितिन यादव ने कहा कि हरियाणा में लगभग 75 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र कार्यरत है, जोकि श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति का भविष्य के लिए पहले कोई भी आय का साधन नहीं होता था, लेकिन फरवरी-2019 में प्रधानमंत्री द्वारा श्रमिकों के लिए पीएमएसवाईएम योजना शुरू की गई। इस योजना के अंतर्गत अब तक हरियाणा प्रदेश में छह लाख से अधिक पंजीकरण किये जा चुके हैं, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। पीएमएसवाईएम योजना के बारे में बताते हुए श्री यादव ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 18 वर्ष से 40 वर्ष की आयु के श्रमिक अपना पंजीकरण करा सकते हैं, जिनकी मासिक आय 15000 रुपये से कम है। साथ ही असंगठित क्षेत्र जैसे निर्माण कार्य में लगे श्रमिक, मोची, रेड़ी वाले या छोटे दुकानदार आदि स्कीम का लाभ उठा सकते हैं, जिनकी मासिक आय में ईएसआईसी वह ईपीएफ शामिल ना हो।

गुरुग्राम के स्वतंत्रता सेनानी हॉल में राष्ट्रीय पेंशन सप्ताह कार्यक्रम में बोलते हरियाणा के श्रम आयुक्त नितिन यादव।

उन्होंने बताया कि पीएमएसवाईएम योजना के पंजीकरण के लिए श्रमिक अपने नजदीकी अटल सेवा केंद्र पर जा सकते हैं और बड़े ही आसान तरीके से सिर्फ दो दस्तावेजों के साथ अपना पंजीकरण करवा सकते हैं, जिनमें आधार कार्ड की कॉपी तथा बैंक बचत खाता की पासबुक की कॉपी शामिल है। कैसिल चेक लेकर भी वह अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। यह राष्ट्रीय पेंशन योजना सप्ताह 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगा। पेंशन सप्ताह कार्यक्रम में जिला से लगभग 100 से अधिक श्रमिकों ने भाग लिया।

योजना के आखिरी दो दिन में 66 किसानों ने लाभ लिया

सोहना। बिजली निगम की कृषि नलकूप व्याज माफी योजना के आखिरी दो दिन में मात्र 66 किसानों ने लाभ उठाया। 66 किसानों बिजली निगम को करीब दो लाख का असल बिल जमा करते हुए तीन लाख 96 हजार रुपये का व्याज माफ कराया है। अब तक योजना का करीब 1100 किसानों ने लाभ लिया है।

बिजली निगम के कृषि नलकूप व्याज माफी योजना के आखिरी दो दिन में सबडिविजन से जुड़े 66 किसानों ने असल बिल का भुगतान करने के 3 लाख 96 हजार रुपये का व्याज माफका लाभ लिया है। अभी भी योजना का लाभ न उठाने वाले किसानों की संख्या 422 है। जो किसान इस योजना का लाभ नहीं ले सके है। योजना 20 दिन तक चली योजना में करीब 1100 किसानों ने 27 लाख के करीब निगम को उसका असल बिल जमा कराते हुए 32 लाख 96 हजार रुपये का व्याज माफ कराया है।

बिजली निगम के स्थानीय एसडीओ रविन्द्र बैनवाल ने बताया कि उन्होने योजना को जागरूक करने के लिए ग्राम पंचायतों मुनादी तक करावाई थी। ताकि किसान इस योजना का लाभ उठाएं। एसडीओ ने बताया कि जो किसान योजना का लाभ नहीं उठा सके है। उनसे बकाया बिल की असल और ब्याज राशि को जल्द से जल्द भरवाने की कोशिश कराई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बिजली निगम ने बेहतर सप्लाई के लिए लाइनों की मरम्मत शुरू की

सोहना। बिजली निगम ने सर्दी के मौसम में धुंध व कोहरे से प्रकोप से होने वाली पावॅर कट को रोकने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। निगम के कर्मचारियों ने बिजली के खराब उपकरण व लाइनों पर आ रही पेड़ों की शाखाओं को काटने का अभियान शुरू कर दिया है। अभियान 15 दिसम्बर तक चलेगा। सोहना सबडिविजन में तैनात जेई जयप्रकाश शर्मा सर्दी के मौसम में धुंध व कोहरा पड़ने के दौरान पेड़ों की शाखाएं चालू बिजली की लाइनों पर गिर जाती हैं। जिससे बिजली सप्लाई प्रभावित होती है। कई बार इससे बड़ा फाल्ट हो जाता है। उन्होंने बताया कि एच पोल और ट्रांसफार्मर पर लगे तार भी ओस व धुंध से खराब हो जाते हैं। इसलिए बिजली की लाइनों पर आ रही पेड़ों की शाखाओं को काटने का विशेष अभियान जारी है। निगम के एसडीओ रविन्द्र कुमार बैनवाल ने बताया कि निगम का प्रयास है कि अपने उपभोक्ताओं को सर्दी के मौसम में भी बिना कट 24 घंटे बिजली की सप्लाई दी जाए। उन्होंने बताया कि अभियान पर दो से तीन लाख रुपये खर्च किया जा रहा है।

न्यायाधीश की पत्नी, पुत्र हत्या मामले में दो की हुई गवाही

गुरुग्राम। जिला अदालत में कार्यरत तत्कालीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत की पत्नी व पुत्र की उनके ही सुरक्षाकर्मी द्वारा गोली मारकर हत्या कर देने के मामले की सुनवाई शनिवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर परमार की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष ने 2 गवाहों की गवाहियां कराई गई। अब इस मामले में अगली सुनवाई अदालत ने 7 दिसम्बर की तारीख निश्चित की है। जिला उप न्यायवादी अनुराग हुड्डा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अदालत ने करीब आधा दर्जन गवाहों को गवाहियों के लिए बुलाया था। उनमें से 2 गवाहों की गवाहियां कराई गई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने गवाहों से जिरह भी की। अदालत में आरोपी महीपाल भी मौजूद रहा। उन्होंने बताया कि मामले की जांच करने वाले पुलिस के जांच अधिकारी को गवाही के लिए अदालत ने आगामी 7 दिसम्बर को अदालत में तलब किया है। उनकी गवाही काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अदालत इस मामले की प्रति सप्ताह सुनवाई कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाली एक-2 तारीखों पर अभियोजन पक्ष सभी गवाहों की गवाहियां करा देगा। उसके बाद अदालत दोनों अधिवक्ताओं की बहस सुनेगी और अदालत उसके बाद अपना फैसला इस दोहरे हत्याकांड पर सुना सकती है। यानि कि नवबर्ष के फरवरी माह तक इस मामले में फैसला आ सकता है।

राजकीय कन्या स्कूल में छात्राओं ने लगाई प्रदर्शनी

सोहना। सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में आईटी व रिटेल की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में छात्राओं ने नई तकनीकियों व रिटेल के दौरान में मार्केट में मिलने वाली सुविधाओं को दर्शाया। शनिवार को सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में इंटर स्कूल प्रदर्शनी का प्रधानाचार्य सुनील कुमारी सहित स्थानीय प्राध्यापकों ने निरीक्षण किया। इस दौरान छात्राओं से प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी ली। छात्राओं ने जानकारी में मार्केट में दी जा ही सुविधाओं को बखूबी से दर्शाया। प्रदर्शनी का निरीक्षण करने के बाद प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने छात्राओं को कुछ कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। ताकि ब्लॉक स्तर पर होने वाली प्रदर्शनी प्रतियोगिता में और बेहतर किया जा सके। उन्होंने छात्राओं की बुद्धिमत्ता की सराहना की।

दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक बरी

गुरुग्राम। धर्म संबंधी पहचान छिपाकर युवती द्वारा युवक पर लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज गुप्ता की फास्ट ट्रैक अदालत ने युवती के सभी आरोपों को खारिज करते हुए आरोपी युवक को बरी कर दिया है। आरोपी की अधिवक्ता डा. अंजुराव नेगी से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली की एक युवती ने नई दिल्ली स्थित साकेत पुलिस थाना में 6 अप्रैल 2017 को जीरो प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि क्षेत्र के ही युवक अजय (काल्पनिक नाम) ने गुरुग्राम में उसके साथ दुष्कर्म किया है। साकेत थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर गुरुग्राम के डीएलएफ 2 पुलिस थाना में भेज दी थी। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर भौंडसी जेल भेज दिया था, जहां से उसे कुछ दिन बाद जमानत भी मिल गई थी। अदालत में युवती ने स्वीकार किया कि उसने जानबूझकर अपनी पहचान छिपाकर युवक से संबंध बनाए थे। उसने यह भी छिपाया था कि उसकी पहले शादी हो चुकी है और एक बच्चे की मां भी है। अदालत ने पुख्ता सबूतों के आधार पर युवती के द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार पाया और आरोपी युवक को बरी कर दिया। अधिवक्ता का कहना है कि हालांकि आरोपी युवक ने भी युवती के खिलाफ जालसाजी की शिकायत साकेत पुलिस थाना में वर्ष 2017 की 3 अप्रैल को दी थी और सुरक्षा की मांग भी पुलिस से की थी, लेकिन पुलिस ने अपने कर्तव्य का सही रुप से पालन न करते हुए युवक के खिलाफ ही कार्यवाही कर दी थी।

बैडमिंटन खिलाड़ी का किया सम्मान

सोहना। भौंडसी के आरबीएसएम स्कूल में पढ़ने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी भारत राघव का सम्मान किया गया। भारत राघव ने अपने खेल के दम पर अब तक राज्य स्तर पर छह और नेशनल स्तर पर पांच गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शनिवार को भौंडसी स्थित आरबीएसएम स्कूल में मेधावी खिलाड़ियों के सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर हंसराज यादव रहे। प्रोफेसर हंसराज यादव ने छात्र भारत राघव की खेल के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों पर खुश होते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर ने कहा कि यदि शरीर को अच्छा बनाकर रखना है, तो खेल को जीवन में अपनाना होगा। यदि शरीर स्वास्थ्य है तो शिक्षा के लिए मानसिकता की कमी नहीं होगी। वहीं स्कूल के निर्देशक भागीरथ राघव ने भारत राघव को आश्वासन दिया कि उनके खेल योगदान से खुश होकर खेल के साथ-साथ पढ़ाई के क्षेत्र में सहयोग किया जाएगा।

3593 परीक्षार्थियों ने सक्षम प्लस का पेपर दिया

सोहना। शनिवार को हुई सक्षम प्लस की परीक्षा में 3593 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पेपर दिया। परीक्षा में 79 विद्यार्थी गैरहाजिर रहे। परीक्षा को नकल रहित कराया। शनिवार को सोहना के 41 राजकीय स्कूलों में सक्षम प्लस परीक्षा के तहत हुए अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी। 23 प्राथमिक स्कूलों और 18 में मिडिल, हाई व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की कक्षा छह से आठ में पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यवाहक खंड शिक्षा अधिकारी अनिल मेहता ने बताया कि परीक्षा नकल रहित कराई गई। उन्होंने बताया कि कक्षा तीन से आठ में पढ़ने वाले कुल 3672 विद्यार्थियों में से 3593 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पेपर दिया।

शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को दें प्राथमिकता : जरावता

पटौदी क्षेत्र में धन्यवादी दौरे के दौरान संबोधित करते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

शिक्षा के माध्यम से ही मिलते हैं रोजगार के लिए अवसर

स्वच्छता रखने और स्वस्थ रहने से बचता है हमारा धन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शनिवार को आरक्षित हलके पटौदी के एमएलए एसपी जरावता ने अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक पटौदी क्षेत्र के करीब दर्जनभर गांवों का धन्यवादी दौरा किया।

एमएलए जरावता ने अपने दौरे के दौरान ग्रामीणों के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि अपने और युवाओं के साथ ही आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए हमें शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देने के साथ ही इस पर गंभीरता से काम भी करना है। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता हमारे जीवन के सबसे मजबूत आधार हैं। इनके बिना किसी का भी जीवन और जीवन में आगे बढ़ना आसान काम नही है। शनिवार को एमएलए जरावता ने पटौदी क्षेत्र के गांव क्रमशः खलीलपुर, खेतियावास, बलेवा, बपास, पहाड़ी, गदाईपुर सहित कई अन्य गांवों में धन्यवादी सभाओं को संबोधित किया। इस मौके पर साथ में एडवोकेट प्रदीप जनीला, अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी पहलवान दलीप छिल्लर, प्रदीप जैलदार, मनोज जनीला, दीप यादव, पटौदी पालिका वाइस चेयरमैन जरमन सैनी, अनिल यादव, कृष्ण माजरा, राजू खान सहित और भी समर्थक मौजूद थे।

विभिन्न गांवों में पहुंचने पर एमएलए जरावता ने स्कूली बच्चों को भी संबोधित किया और छात्र वर्ग का आह्वान किया कि बच्चे अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करके अपने स्कूल, अध्यापकों, अभिभावको सहित गांव व पटौदी का नाम रोशन करें। छात्र इस मौके को अपने हाथ से किसी भी कीमत पर नहीं निकलने दें।

ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देना चाहती है केंद्र सरकार : अर्जुन राम मेघवाल

मानेसर में संपन्न हुआ न्यू जेन मोबिलिटी समिट-2019

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय भारी उद्योग एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत सरकार ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देना चाहती है। सरकार की ओर से वर्तमान बजट में फैम इंडिया के लिए 10,000 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां मानेसर में आईकैट की ओर से आयोजित न्यू जेन मोबिलिटी सम्मिट 2019 के समापन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सभी बड़ी कंपनियों को अलग-अलग क्षेत्रों में इलेक्ट्रिकल चार्जिंग स्टेशन की स्थापना करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को न्यू टेक्नोलॉजी अडॉप्ट करने की दृष्टि से और भी अन्य प्रकार के सहयोग केंद्र सरकार की ओर से मिलेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि न्यू जेन मोबिलिटी समिट 2019 में नेशनल आटोमोटिव बोर्ड के गठन का जो प्रस्ताव सामने आया है, उस पर भारत सरकार गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि आइकेट की ओर से इस संबंध में जो प्रस्ताव उनके मंत्रालय को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा वीएस 4 से वीएस 6 तकनीक वाले इंजन की ओर हम निर्धारित समय सीमा के तहत स्थानांतरित होने के प्रयास में हैं। इसमें अलग अलग संस्थाओं एवं विभिन्न कंपनियों का पूरा सहयोग भी भारत सरकार को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए इंडियन आयल सहित सभी आयल कंपनियों ने भी अपनी तैयारी लगभग कर ली है। केंद्र सरकार की सभी कंपनियों से भी इस मद में मदद देने के लिए आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों ने 100 से अधिक टेक्निकल पेपर का प्रदर्शन किया।

गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईकैट संस्थान में आयोजित न्यू जेन मोबिलिटी के समिट के समापन अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को स्मृति चिह्न देते आयोजक।

उस दौरान जो विचार विमर्श किया गया, वास्तव में यह देश के हित में है। इससे देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की आवश्यकता एवं इनके अनुकूल नीतियों के निर्धारण की दृष्टि से विभिन्न मंत्रालयों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए जिस राष्ट्रीय संस्था के गठन की बात इस सम्मेलन में सामने आई हैं, उसको लेकर वे स्वयं भी उत्साहित हैं और आइकेट के विशेषज्ञों के इस प्रस्ताव का पुरजोर वकालत करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार के समक्ष इस प्रस्ताव को रखा जाएगा।

केंद्रीय भारी उद्योग राज्यमंत्री ने उद्यमियों को आश्वस्त किया की चौथी औद्योगिक क्रांति में जब देश के प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक शक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है तो इसमें ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का भी बड़ा योगदान होगा। इसलिए ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इस बात के लिए आश्वस्त रहे कि विकास के इस प्रयास में उन्हें भी साथ लिया जाएगा और उनके विकास लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

राजस्थान में लिथियम होने के मिले हैं संकेत

श्री मेघवाल ने कहा कि इंडियन आयल कंपनी के निदेशक की ओर से जो चिंता देश के पास लिथियम नहीं होने की व्यक्त की गई है। यह आने वाले समय में शीघ्र ही निर्मूल साबित होगी, क्योंकि राजस्थान के नागौर-धार में लिथियम उपलब्ध होने के संकेत मिले हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के उक्त क्षेत्र में पोटाश की उपस्थिति बड़ी मात्रा में है जहां लिथियम होने के संकेत मिले हैं।

कमेटी ने जस्टिस टॉवर का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अदालत परिसर के निकट निर्माणाधीन जस्टिस टॉवर के निर्माण कार्य का जायजा लेने के लिए पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय की निर्माण कमेटी की टीम में शामिल न्यायाधीश राकेश जैन व न्यायाधीश जसवंत सिंह शनिवार को गुरुग्राम अदालत पहुंचे।

भवन निर्माण कमेटी के दोनों सदस्य न्यायाधीशों का जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमएम धींचक व जिला बार के सदस्यों ने बड़ी ही गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। न्यायाधीशों ने जहां जिला अदालत का दौरा करते हुए अधिवक्ता सदस्यों से भी कुशलक्षेम पूछा और जस्टिस टॉवर के निर्माण कार्य के बारे में भी पूरी जानकारी ली। निर्माण कार्य करा रही कंपनी के अधिकारियों से निर्माण कार्यों के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श भी किया और निर्माती कंपनी को आदेश भी दिए कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण कार्य कर रही कंपनी से आग्रह भी किया कि निश्चित समयावधि में जस्टिस टॉवर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाना चाहिए, ताकि अदालतों को जस्टिस टॉवर में शिफ्ट किया जा सके और इसका लाभ अधिवक्ताओं व मुवक्किलों को भी मिल सके। दोनों न्यायाधीशों ने निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जस्टिस टॉवर का निर्माण हो जाने पर सभी अदालतों को जो श्रम शक्ति भवन में भी चल रही हैं, उन्हें भी जस्टिस टॉवर में शिफ्ट कर दिया जाएगा। जिला बार के पदाधिकारी व सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे।

गुरुग्राम में निर्माणाधीन टावर ऑफ जस्टिस का जायजा लेने पहुंची हाईकोर्ट की कमेटी का स्वागत करते स्थानीय न्यायाधीश।

अदालत ने पाया बिजली चोरी का मामला गलत

गुरुग्राम। बिजली निगम द्वारा बिजली चोरी के मामले में सिविल जज अंतरप्रीत सिंह की अदालत ने सुनवाई कर बिजली निगम के आरोपों को गलत साबित करते हुए उपभोक्ता को बड़ी राहत दी है।

अदालत ने अपने आदेश में बिजली निगम को कहा है कि वह उपभोक्ता द्वारा जमा कराई गई एक लाख 13 हजार 271 रुपये की धनराशि को 6 प्रतिशत ब्याज दर से 2 माह के भीतर वापस करे। पीड़ित के अधिवक्ता क्षितिज मेहता से प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएलएफ फेस वन के कमल बख्शी ने अदालत में वर्ष 2017 की 15 मई को सिविल सूट दायर किया कि बिजली निगम ने वर्ष 2017 की 17 अप्रैल को बिना किसी सूचना के बिजली निगम ने उसका बिजली का मीटर बदल दिया।

देशव्यापी हड़ताल को लेकर ट्रेड यूनियन काउंसिल की बैठक

देशव्यापी हड़ताल को लेकर बैठक करते ट्रेड यूनियन काउंसिल के पदाधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रमिक यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन काउंसिल की बैठक का आयोजन श्रमिक संगठन इंटक के अध्यक्ष अमित यादव की अध्यक्षता में शनिवार को इंटक के कार्यालय में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में काउंसिल से जुड़े सदस्य शामिल हुए।

बैठक में आगामी 8 जनवरी को घोषित देशव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे श्रमिक विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई। सदस्यों ने बताया कि अधिकांश प्रतिष्ठानों में कंपनी प्रबंधन श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ा रही हैं। श्रमिकों को परेशान किया जा रहा है।

वीरता एवं वीर नारियों को गुरुग्राम में किया सम्मानित

सलवान स्कूल में आयोजित किया कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सलवान एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित सलवान पब्लिक स्कूल सेक्टर 15 पार्ट-2 में तेरहवें सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वार्इस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एमएम नरावने, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, एडीसी ने शिरकत की।

इस समारोह में उन्होंने वीरता पुरस्कार एवं वीर नारियों को सम्मानित किया। पद्मश्री सम्मान से सम्मानित मेजर जनरल एसके राजदान, वीसएम (कीर्ति चक्र-ऑपरेशन रक्षक), पर्यावरण के क्षेत्र में झारखंड से जमुना टुडू, कृषि के क्षेत्र में बिहार से राजकुमारी देवी, दैतरी नाइक सामाजिक कार्य के लिए उड़ीसा को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल एमएम नरवाने ने कहा कि वे भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान के लिए वास्तव में सलवान स्कूल के आभारी हैं। इस तरीके के कार्यक्रम हमें मजबूत बनाते हैं और हमारी नैतिकता का उच्च स्तर बनाए रखते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छात्रों को बुद्धिमानी से अपने कैरियर का चयन करना चाहिए और अपने दिल से देशभक्ति की भावना अपनाना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर कभी दबाव न बनाएं, बल्कि उन्हें उनकी दिल की सुनकर कार्य करने दें। जिससे वे अपनी योग्यता को अंजाम देकर जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम हो सकें।

इस मौके पर सलवान एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील दत सलवान ने कहा कि आप सभी को सम्मानित कर सलवान एजुकेशन ट्रस्ट स्वयं गौरव की अनुभूति कर रहा है। ये सम्मान दिवस भावाभिव्यक्ति है उन देश के रक्षकों के नाम जो अपना सर्वस्व देश के लिए समर्पित करते हैं।

गुरुग्राम के सलवान पब्लिक स्कूल में वीरता एवं वीर नारियों के सम्मान समारोह में देशभक्ति कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

इन्हें किया सम्मानित

शौर्य चक्र से सम्मानित सुजाता दहिया पत्नी स्वर्गीय मेजर सतीश दहिया, एलएनके अयूब अली, राइफलमैन उदय सिंह, दिल्ली को भी सम्मानित किया गया। ऑपरेशन रक्षक में शहीद हुए सैनिकों के परिवार से रेखा देवी पत्नी कांस्टेबल जसवंत सिंह ओपी राकेश पटौदी, इंदु गोविल पत्नी ब्रिगेडियर वीके गोविल, ऑपरेशन पराक्रम गुरुग्राम, राज बाला पत्नी उप डालचंद ओपी राकेश जम्मू कश्मीर विल खवासपुर, सुनीला देवी पत्नी एलडी अनिल कुमार पालम विहार गुरुग्राम, सुरेश देवी पत्नी नरेश कुमार गुरुग्राम को सम्मानित किया गया। मेजर के. रेणुका, एएससी, मेजर यूथिका एएससी, पैरा ओलिंपियन वीरेंद्र सिंह एएससी को भी सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए आयोजित

अनेकता में एकता भारत की विशेषता को उजागर करते हुए सम्मान दिवस के अवसर पर भारत को प्रतिबिंबित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें देशभक्ति से सराबोर पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की विभिन्न नृत्य जैसे संबलपुरी, कठपुतली, भरतनाट्यम, बीहू, मराठी, भांगड़ा आदि की अद्भुत प्रस्तुति की गई।

महर्षि वाल्मीकि रामायण यात्रा का किया स्वागत

गुरुग्राम। अंबाला से चलकर अयोध्या जाने वाली महर्षि वाल्मीकि रामायण यात्रा शनिवार को गुरुग्राम पहुंची। जिसका राजेन्द्रा पार्क में स्वागत किया गया। दो माह के लिए यह प्रस्तावित यात्रा अयोध्या में समाप्त होगी। महर्षि वाल्मीकि रामायण यात्रा गत तीन दिन पूर्व अम्बाला से शुरू हुई है, जो कई पड़ाव पार करके अयोध्या में समाप्त होगी। यात्रा का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि और शबरी के साथ ही वर्ण व्यवस्था को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना है और सही दृष्टिकोण समाज को प्रस्तुत करना है। यात्रा के संयोजक संजीव घास्व साथ में पत्रकार तरुण झा के साथ ही चार अन्य वाहनों में विभिन्न प्रकार की सामग्री भी जनता को वितरण की जा रही है। राजेन्द्रा पार्क स्थित गुरुग्राम मेरा में गुरुग्राम का के कार्यालय पर संस्था के संयोजक अजय सिंहल ने स्वागत किया।

वी आर ऑल मैजिशियंस : डीपीएस में पौर्वाव्य एवं पाश्चात्य संगीत का फ्यूजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) के प्रांगण में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं पहली एवं दूसरी के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव 'वी आर ऑल मैजिशियंस' का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के मूल विषय 'पर्यावरण संरक्षण एवं उसके लिए किए जाने वाले प्रयास' के अनुरूप प्रस्तुति पौर्वाव्य एवं पाश्चात्य संगीत के समन्वय के साथ की गई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शत प्रतिशत विद्यार्थियों की रंगारंग नृत्य-नाटिकाएं थीं, जिसमें कक्षा पहली एवं दूसरी के 700 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को नाट्यमंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने प्राणी जगत के आपसी प्रेम, नैतिक मूल्यों, प्रकृति प्रेम को कल्पनाशक्ति द्वारा बहुत ही रोचक रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय बाल विकास विभाग में सहायक व्याख्याता रेनु गुलाटी, विशिष्ट अतिथियों में विद्यालय के प्रो. वीसी रोहित जैनेंद्र जैन, शैलबाला जैन, मोनिका जैन, अनेक शिक्षाविद एवं विभिन्न विद्यालयों के निदेशक एवं प्रधानाचार्य आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं गणमान्य व्यक्तियों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुरजीत खन्ना ने मुख्य अतिथि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से विद्यालय परिवार एवं उपस्थित दर्शकों को परिचित कराया और कार्यक्रम में पधारे अभिभावकों का अभिनंदन किया। स्लेजहैमर समूह के एमडी प्रदीप मोहंती और स्लेजहैमर फाउंडेशन की उपाध्यक्ष प्रतिमा मोहंती ने बच्चों के नयनाभिराम कार्यक्रमों को देखकर उनका हौसला बढ़ाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की प्रस्तुति उत्साहजनक एवं प्रभावशाली रही, जिससे विद्यालय ने बच्चों में शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का विकास करने का संदेश भी प्रसारित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री रेनु ने कार्यक्रम की विषयवस्तु एवं इसके पीछे छिपी सोच को समझकर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई अद्भुत प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने छात्रों को सदैव पारिवारिक एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। विद्यालय की मुख्याध्यापिका ऋतु जैन ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

विधायक राजेश नागर ने सब्जी मंडी में बांटे कपड़े के थैले

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा विधायक राजेश नागर ने तिगांव के सब्जी मार्केट पड़ाव में लोगों और दुकानदारों को कपड़े के थैले बांटे। राजेश नागर ने कहा कि इन दिनों हमारे जीवन पर प्लास्टिक सबसे ज्यादा कुप्रभाव छोड़ रहा है। जब भी प्रदूषण की बात चलती है, तो पॉलिथीन दानव बनकर सामने आता है। इसलिए इस दानव को हमें मारना होगा।

विधायक राजेश नागर ने लोगों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दुनिया के नेताओं में अग्रणी माने जाते हैं। इसका कारण उनका समस्त मानव जाति के प्रति जागरूक रवैया है। गत 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री ने लोगों से पॉलिथीन छोड़ने का आग्रह किया था। जिसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। नागर ने कहा कि पीएम मोदी की अपील पर लोगों को पॉलिथीन के खतरों के प्रति जागरुक किया जा रहा है। इसी कड़ी में हम आज अपने पैतृक गांव तिगांव की सब्जी मंडी से हमने कपड़े के थैले बांटकर यह संदेश देने की कोशिश की है, हमें अगर सुखद जीवन जीना है, तो कपड़े का थैला ही अपनाना होगा। उन्होंने स्थानीय निवासियों और दुकानदारों को कपड़े के बने थैले दिए।

राजेश नागर ने कहा कि हम 15-20 साल पहले भी सभी कपड़े के थैलों का प्रयोग करते थे। इसलिए हमें इसे अपनाने में ज्यादा दिक्कत वैसे भी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हम पॉलिथीन मुक्त फरीदाबाद अभियान को घर-घर ले जाकर पीएम मोदी के पॉलिथीन मुक्त भारत का सपना पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस आयोजन में बीएमआर इंडस्ट्रीज के इंदरजीत चोपड़ा, विक्रम चोपड़ा व फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का प्रमुख सहयोग रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया, निदेशक कर्नल एस. कपूर, सीएल जैन, सुखदेव सिंह, प्रताप सरपंच, बाबूराम अधाना, जयपाल नागर, वीरेंद्र नागर, विजय पाल, कर्मवीर वोहरा, मास्टर योगेंद्र, अजय पाल जैलदार, आजाद नागर आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मेट्रो रेल विस्तार नहीं हुआ तो टूट जाएगी फरीदाबाद-पलवल के बीच सामाजिक, आर्थिक व व्यापारिक रिश्तों की डोर

रोज सफर करने वाले तीन लाख लोगों की राह कब होगी आसान

सुधीर बैसला। फरीदाबाद/पलवल

फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के एक तिहाई क्षेत्र पलवल-होडल-हथीन निवासी लंबे समय से मेट्रो परियोजना की मांग करते आ रहे हैं। जिला पलवल औद्योगिक नगरी फरीदाबाद और यूपी के कोसीकलां का मध्य भाग है। रेल और सड़क मार्ग के जरिए कोसी-पलवल-हथीन से तीन लाख लोग रोजाना ही फरीदाबाद-दिल्ली की तरफ काम-धंधे के लिए सफर करते हैं। रेलमार्ग समय सारिणी के लिहाज से रेलयात्रियों को दुखी रखता है, जबकि सड़क मार्ग पर अवैध वाहनों की रेलमपेल और दुर्घटनाओं के भय से लोग हताश और निराश रहते हैं। इस क्षेत्र के लोगों की बहुत पुरानी मांग है कि बल्लभगढ़ से मेट्रो का विस्तार पहले पलवल तक और फिर होडल तक किया जाए। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर काफी समय से प्रयासरत हैं कि किसी तरह मेट्रो का विस्तार पहले चरण में पलवल तक हो जाए। फरीदाबाद के भाजपाई जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर यदि एकजुटता का परिचय देते हुए मेट्रो को पलवल तक विस्तारित करा देते हैं, तो सीधे ही तीन लाख से ज्यादा लोगों की राह सुगम हो जाएगी।

पृथला में बन रहा शुष्क बंदरगाह

भाजपा शासन में पलवल जिले के पृथला में बहुत जल्द ही शुष्क बंदरगाह मिलने जा रहा है। इसका निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। पृथला में मौजूदा समय में करीब 300 से अधिक बड़े औद्योगिक इकाइयां चालू हालत में हैं, जिनमें करीब पांच हजार से अधिक श्रमिक कार्य करते हैं। इस शुष्क बंदरगाह से सीधे मुंबई के लिए रेलफ्रेट कॉरीडोर का काम भी तेजी से चल रहा है। पृथला पलवल जिले में विकास के लिहाज से बहुत बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। यही कारण है कि कई विदेशी कंपनियों ने पृथला क्षेत्र में औद्योगिक प्लॉट्स की खरीद-फरोख्त भी शुरू कर दी है। आने वाले समय में यहां उद्यमी वर्ग और श्रमिकों के लिए मेट्रो का विस्तार करना सार्वजनिक परिवहन के रूप में अनिवार्य मांग बन चुकी है।

मेट्रो की वॉयलेट लाइन का बल्लभगढ़ राजा नाहर सिंह स्टेशन आखिरी स्टेशन है। पलवल जिले के लोग यहीं से इस लाइन को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। छाया: राजेश पुंजानी

एडल डिवाइन कोर्ट ने सांसद से की मांग

बघौला के समीप एनएच दो पर मौजूद एडल डिवाइन कोर्ट कैंपस में रह रहे सैकड़ों लोगों ने करीब डेढ़ साल पहले ही केंद्रीय राज्यमंत्री के समक्ष मेट्रो विस्तार की मांग की थी। रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन एडल डिवाइन कोर्ट के प्रधान रणबीर धनखड़ और पूर्व प्रधान तेजवीर सिंह ने पायनियर को बताया कि सोसायटी के लोग बिल्डर की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं, लेकिन यदि मेट्रो विस्तारित होकर पलवल आती है, तो यहां रह रहे लोगों के दुर्दिन खत्म हो जाएंगे।

कामकाजी ही नहीं विद्यार्थियों को भी होगा लाभ

पलवल, होडल, हथीन से बड़ी संख्या में छात्र वर्ग भी फरीदाबाद, दिल्ली तक जाते हैं। इसके अलावा छोटे व्यवसायी भी साप्ताहिक खरीद-फरोख्त के लिए दिल्ली का रुख करते हैं। इन सभी को मेट्रो का लाभ मिलेगा। मेट्रो को भी विस्तार से रेवेन्यू बढ़ेगा। यही नहीं एनएच-2 पर ट्रैफिक का बोझ भी बहुत कम होगा।

टोल प्लाजा बन जाएगा फरीदाबाद-पलवल की सीमा

मेट्रो विस्तार के अभाव में गदपुरी के पास निर्मित हो रहा टोल प्लाजा पलवल की आर्थिक कमर तोड़ने वाला साबित होगा, क्योंकि पलवल फरीदाबाद से ही अलग होकर एक जिला बना है। फरीदाबाद-पलवल आपस में सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से बेहद करीब हैं। गदपुरी टोल प्लाजा के कारण फरीदाबाद और पलवल की सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक कमर ही टूट जाएगी। यदि इस समस्या से दोनों जिलों के लोगों को बचाए रखना है, तो हर हाल में गदपुरी टोल प्लाजा शुरू होने से पहले मेट्रो का विस्तार पलवल तक करना होगा।

प्रस्ताव केंद्र के समक्ष रखेंगे

मैं पलवल से संबंध रखने के नाते लोगों की इस मांग को पहले ही मुख्यमंत्री के समक्ष रख चुका हूं। मैं और हथीन के विधायक जगदीश नायर जी संयुक्त रूप से इस प्रस्ताव को तैयार करके केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सहयोग से फिर राज्य व केंद्र के समक्ष रखेंगे। आने वाले पांच सालों में पलवल जिले का अभूतपूर्व विकास कराना भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता है। **- दीपक मंगला, विधायक, पलवल।**

दूसरे चरण में होडल तक

देखिए, हमने फरीदाबाद-पलवल के लोगों को केएमपी-केजीपी देकर विकास को चरम पर पहुंचाया है। मैंने ही कड़े प्रयास करके एनएच दो के लटके हुए कार्य को पूरा करवाया है। अब मेरा उद्देश्य है कि पहले चरण में बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो का विस्तार किया जाए। दूसरे चरण में पलवल से होडल तक मेट्रो को लेकर जाएंगे। पलवल और होडल से ही इसकी कनेक्टिविटी मेवात से होते हुए गुरुग्राम तक जोड़ेंगे। **- कृष्णपाल गुर्जर, केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार।**

प्रवीण डागर ने किया था वादा

जब हथीन के विधायक प्रवीण डागर हमारे मोहल्ले में चुनाव प्रचार के लिए आए थे, तभी हमने उन्हें बताया था कि आप विधायक बनने के बाद पलवल-होडल हथीन के हजारों लोगों को बल्लभगढ़ से होडल तक मेट्रो विस्तार की योजना की कवायद मुख्यमंत्री से शुरू करवाएंगे। तब उन्होंने वायदा किया था कि मैं विधायक बना, तो निश्चित तौर पर मेट्रो को होडल तक लाने की पूरी जोर आजमाइश करूंगा। अब वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हैं या नहीं, यह आगे ही पता चलेगा। **- पदम गोयल, व्यवसायी, हथीन।**

जगदीश नायर हैं प्रयासरत

विधायक जगदीश नायर भी मेट्रो को होडल तक लाने के लिए प्रयासरत हैं। वे चाहते हैं कि होडल-कोसीकलां तक के लोगों का फरीदाबाद-दिल्ली-नोएडा में आना जाना सुगम हो सके। बल्लभगढ़ से होडल तक मेट्रो विस्तार की योजना पलवल जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। मेट्रो के आने भर से ही पलवल के लोगों का जीवन स्तर सुधर जाएगा। **-प्रकाश गोयल, बीजेपी विधानसभा प्रभारी, होडल।**

अर्द्धनग्न कश्मीरी की पिटाई में एएसआई गिरफ्तार, सात सस्पेंड

फरीदाबाद। मौजपुर टोल प्लाजा के समीप शुक्रवार को कश्मीर के रहने वाले एक ट्रक चालक को अर्द्धनग्न कर पिटाई के मामले में आरोपी एएसआई को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा दो हेड कांस्टेबल, दो कांस्टेबल व तीन होमगार्ड को सस्पेंड कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार कश्मीर के काजीगुंड चंदेन निवासी ट्रक चालक मकबूल कश्मीर से सेब लेकर बंगाल गया था। फिर दिल्ली के लिए पाइप लोड करके लौट रहा था। छांयसा थाना क्षेत्र में मौजपुर टोल प्लाजा के समीप एएसआई धर्मवीर सिंह ने उसका 18 हजार रुपये का चालान काट दिया। आरोप है कि चालान काटने से नाराज चालक मकबूल ने पुलिसकर्मियों का गला पकड़ लिया था। इससे नाराज सभी पुलिसकर्मियों ने ट्रक चालक को चौकी में बंद कर अर्द्धनग्न किया और पिटाई कर दी। जबकि ट्रक चालक ने आरोप लगाया है कि वह टोल प्लाजा के समीप सहायक चालक से अपनी सीट बदल रहा था। इससे नाराज एएसआई ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ ‍30 हजार रुपये लूट लिए। चालक को अर्द्धानग्न कर पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही फरीदाबाद पुलिस ने मामला पलवल क्षेत्र का बता कर पल्ला झाड़ लिया। हालांकि शनिवार को फरीदाबाद पुलिस ने छांयसा थाने में ट्रक चालक की शिकायत पर एएसआई धर्मवीर के खिलाफ मारपीट करने व धन रुपये के आरोप में करप्शन का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

वेटरनरी डॉक्टर कांड में कई जगह विरोध प्रदर्शन

फरीदाबाद। तेलंगाना की 26 वर्षीय वेटरनरी डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के बाद पूरा देश उबल रहा है। इस प्रकरण में तीखा विरोध फरीदाबाद में भी दिखाई दिया।

वकील व सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संजीव चौधरी ने इस घटना को अति निंदनीय बताया। पंजाब एंव हरियाणा बार काउंसल की अनुशासन कमेटी के सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ ने भी तेलंगाना में हुए सामूहिक दुष्कर्म व हत्याकांड को निंदनीय बताते हुए आरोपियों को कठोर दंड की सजा देने की मांग की।

वरिष्ठ अधिवक्ता एलएन पाराशर ने शाम को कोर्ट परिसर में वकील साथियों के साथ मिलकर कैंडल मार्च निकाला। बीके चौक पर नगरपालिका सर्व कर्मचारी संघ के प्रधान नरेश शास्त्री ने भी विरोध प्रदर्शित किया।

ज्यादातर आईएएस-आईपीएस सरकारी स्कूलों में पढ़े हैं : रावत

फरीदाबाद। हरियाणा वेयर हाऊस कार्पोरेशन के चेयरमैन एवं पृथला के विधायक नयनपाल रावत ने कहा है कि देश के ज्यादातर आईएएस और आईपीएस सरकारी स्कूलों में पढ़कर ही बने हैं और उन्होंने भी सरकारी स्कूल से ही शिक्षा प्राप्त की है। इसलिए लग्न और ईमानदारी से जो भी काम किया जाए, उसमें हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपना मानसिक व शारीरिक विकास करें।

नयनपाल रावत शनिवार को पृथला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हरियाणा में स्टेट लेवल पर आयोजित युवा संसद कंपटीशन में दूसरा स्थान हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए कहा कि छात्राओं ने दूसरा स्थान प्राप्त करके जहां स्कूल और विधानसभा का नाम रोशन किया है, वहीं स्कूल में अन्य बच्चे भी पढ़ाई और खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। नयन पाल रावत ने सर्वप्रथम सरकारी स्कूल में बनी शहीद की प्रतिमा को नमन कर पुष्प अर्पित किए। स्कूल की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। रावत ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और 11 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

कृष्ण-विजय ने गुज्जर्स के दो भिड़ते गुटों को मिलाया

प्रधान बने सीबी रावल

गुर्जर महासभा हरियाणा का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गुर्जर महासभा हरियाणा के प्रधान पद को लेकर आठ साल से चली आ रही गुटबाजी शनिवार को खत्म हो गई। चंडीगढ़ में गुर्जर भवन पर चौधराहट का ताज हरियाणा के प्रसिद्ध शिक्षाविद सीबी रावल के सिर सज गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह के पुत्र एवं कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी विजय प्रताप सिंह ने सभा की चुनाव प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाते हुए गुर्जर सरदारी की सहमति से निर्विरोध सीबी रावल को प्रधान चुन लिया।

हालांकि इससे पहले एक दिसंबर को संगठन का चुनाव होना था। प्रधान पद पर दो प्रमुख उम्मीदार चुनाव मैदान में थे। इनमें एक निवर्तमान कार्यकारी प्रधान तिलकराज बैसला और दूसरे मदन सिंह चंदीला बड़ौली थे। संगठन के चुनाव को लेकर गहमागहमी करीब दो महीने से चल रही थी। 15 दिनों से चुनाव प्रचार तेज हो गया था। गुटबाजी के चलते गुर्जर समाज के मौजिज लोग एवं अन्य सरदारियां खासी परेशान थीं कि चुनाव में दोनों ही गुट अपने-अपने हैं। ऐसे में धर्मसंकट में फंसे लोग सही उम्मीदवार का चुनाव नहीं कर पा रहे थे। यह मामला एक सप्ताह पहले केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर 'कृष्ण' के दरबार में पहुंचा था। चूंकि यह सामाजिक समरसता को बढ़ाने का मामला था। इसीलिए उन्होंने निर्विरोध चुनाव कराए जाने की पेशकश समाज के सामने रखी। गुर्जर सरदारी ने कृष्ण और विजय का यह सुझाव मान लिया।

पांच प्रमुख लोगों ने किया फैसला

कृष्ण के सुझाव पर गुर्जर सभा हरियाणा के निर्विरोध चुनाव का ऐलान शुक्रवार को किया गया था। इसके लिए एक पैनल बनाया गया, जिसमें पूर्व मंत्री पुत्र विजय प्रताप, विधायक राजेश नागर, पूर्व विधायक तेजपाल तंवर, पूर्व विधायक सुभाष चौधरी मुख्य थे। इन चारों ने अपनी सहमति शिक्षाविद सीबी रावल का नाम मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री ने चारों के अनुमोदन पर सीबी रावल को ही गुर्जर सभा हरियाणा का प्रधान घोषित कर दिया। साथ ही नियम बनाया गया कि प्रत्येक दो साल पर चुनाव होंगे। जो एक बार प्रधान चुना गया, वह दोबारा प्रधान पद पर लड़ने का अधिकारी नहीं रहेगा।

विरोध हो गया शुरू

सीबी रावल के प्रधान बनते ही चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। पूर्व पार्षद कैलाश बैसला ने बताया कि सीबी रावल प्रधान बनें, यह अच्छी और खुशी की बात है, लेकिन संवैधानिक तौर पर उनका चुनाव गलत है। वे इस संगठन के सदस्य ही नहीं है। कोई भी व्यक्ति पूर्व में इसी तरह चुने गए प्रधान कन्हैयालाल प्रकरण की तरफ कोर्ट में केस दायर कर देगा। यही नहीं, यदि उन्हें किसी तरह संगठन का सदस्य बना भी लिया जाता है, तो कोई भी ऐसा सदस्य प्रधान पद पर नहीं चुना जा सकता है, जो एक साल से कम का सदस्य हो। इसीलिए यह असंवैधानिक चुनाव है, जो जल्द ही कोर्ट तक पहुंचेगा।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Arunima Priyadarshini, D/o. Arun Kumar, R/o. 66/A Bengali Colony, Safipur-2, Chakeri, Kanpur, Uttar Pradesh-208007 (presently at New Delhi) have changed my name from Arunima Priyadarshini to Alina Hussain on 02.09.2019 for all purposes.
PD(8676)A

I, Harjot Kaur, D/o. Kulwant Singh, Resident of Post Office Harsa Chhina, Tehsil Ajnala, Subajpur, Amritsar, Punjab-143101 have changed my name from HARJOT KAUR to AFREEN KHATUN on 29.11.2019 for all purposes.
PD(8682)A

CHANGE OF RELIGION

I, Arunima Priyadarshini, D/o. Arun Kumar, R/o. 66/A Bengali Colony, Safipur-2, Chakeri, Kanpur, Uttar Pradesh-208007 (presently at New Delhi) have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 02.09.2019 for all purposes.
PD(8677)A

I, Harjot Kaur, D/o. Kulwant Singh, Resident of Post Office Harsa Chhina, Tehsil Ajnala, Subajpur, Amritsar, Punjab-143101 have changed my religion from 'Sikhism' to 'Islam' on 29.11.2019 for all purposes.
PD(8683)A

PUBLIC NOTICE

To be known to all that we (1) Sh. Anil Mittal (2) Sh. Arun Kumar Gupta & (3) Sh. Anoop Kumar Gupta all sons of Late Sh. Bhagirath Lal Gupta, all R/o Plot No.144(MPL No.5189-90), Khasra No.211/11-12, G.B.Road, Delhi-110016 are the owner /purchaser of property bearing Plot No 144(MPL No.5189-90), Khasra No.211/11-12, area measuring 227 sq. yds. situated at G.B. Road, Delhi-110016, applied for conversion of the aforesaid property from leasehold to freehold in DDA. The original perpetual Lease Deed of the above said property have been lost/misplaced. An FIR to this effect has been lodged in Police Station date 28/11/2019. Any person claiming any right, interest having any objection may write/contact with above named person at above address/phone 8383047907 within 15 days from the date of publication of this notice and can personally inform or write to Dy. Director (OSB) or Director (OSB) A-Block, 2nd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice hereby given that my client intend to purchase ground floor of 23A/11B, Tilak Nagar, New Delhi-18 from Sh.Dalip Kumar Raheja (sellers). Any person or persons having any claim on the said property by way of ownership, tenancy, license, sale, mortgage, exchange, charge, lease, lien, inheritance, maintenance, possession, gift trust, govt. duties, levies, encumbrance, easement or otherwise are requested to informed my client Smt. Harjeet kaur Makkar at 24/57B, Tilak Nagar, New Delhi-18 within 14 days from publication thereof. Any claim received after the aforesaid period shall be deemed to have waived or abandoned and the sale will be completed without taking any reference to such claim or claims.
TARMEET KAUR (Advocate)

चुनावी सूचना

प्रगतिशील नव शिक्षा संस्थान(रजि0) के द्वारा समस्त आजीवन/साधारण सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्रगतिशील नव शिक्षा संस्थान, पूर्वी, पुराना सीलमपुर दिल्ली-31 के कार्यकारिणी का चुनाव कार्यक्रम- 1. नामांकन- 17/12/19 (1:00 बजे से सांय 5 बजे तक)- 2. जांच- 18/12/19 (1:00 बजे से सांय 5 बजे तक) 3. नाम वापिसी- 21/12/19 (2:00 बजे से सांय 4 बजे तक) 4. मतदान- 27/12/19 (8:10 बजे से अपरान्ह 1:30 बजे तक) 5. मतगणना- 27/12/19 (अपरान्ह 1:30 बजे से प्रारंभ) 6. परिणाम के घोषणा की तिथि- 27/12/19 (मतगणना के पश्चात)
President-Pratap Singh

ICICI Bank

पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चकली सर्किल, ओल्ड पाड्रा रोड, वडोदरा, गुजरात-390 007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू), मुंबई-400 051
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, वीडियोकॉन टॉवर, झंडेवालान, नई दिल्ली - 110055

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्व साधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत क्रेडिटर के पास बंधक रखी/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका **भौतिक** कब्जा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, जैसी है जहां है, जैसी है जो भी है तथा जो भी है वहां है आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी;

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)
1.	पवन अरोड़ा (कर्जदार), शीला अरोड़ा (सह-कर्जदार) LBDEL00001496604	फ्लैट नंबर - यूजी- 1, जीएफ प्लॉट नंबर एमएम-57, ब्लॉक - एमएम, डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, गाजियाबाद 201102 एरिया- 800 वर्ग फीट	रू. 61,45, 528/- (नवम्बर 23, 2019 तक)	रू. 14,60, 000/- / रू. 1,46, 000/-	दिसम्बर 13, 2019 को मध्या. 01:00 बजे से 02:00 बजे तक	दिसम्बर 23, 2019 मध्या.12:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी नीलामी एजेन्सी **श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (यूआरएल लिंक- "https://eauctions.samil.in")** की वेबसाइट पर सम्पन्न होगी। बंधकदाताओं/सूचनाप्रेषिती **दिसम्बर 21, 2019 को अथवा पूर्व अप. 5.00 बजे** तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर यह/ये प्रत्याभूत आस्ति/यां की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बिडर (बिडर्स) को अपनी ऑफर उपरोक्त धरोहर राशि जमा (कालम 'ङ' में वर्णितानुसार) सहित एक मोहरबंद लिफाफे में सम्पत्ति के क्रय हेतु ऑफर शीर्षांकित कर इस प्रकार प्रस्तुत करें कि **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल वीडियोकॉन टॉवर ब्लॉक ई -1, झंडेवालान, एक्सटेंशन रानी झांसी रोड, नई दिल्ली - 110055** में अथवा हमारे मार्केटिंग एजेन्ट श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के **दूसरी मंजिल, बेस्ट स्काई टॉवर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली- 110034** स्थित कार्यालय में **दिसम्बर 21, 2019 को** अथवा **पूर्व अप. 5.00 बजे** से पहले पहुंच जानी चाहिए। मार्केटिंग एजेन्सी को नीलामी के सम्यक् संचालन के लिए नीलामकार के रूप में भी अनुबंधित किया गया है। ईएमडी डीडी/पीओ राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में तथा **दिल्ली** में देय होना चाहिए।
निरीक्षण, नीलामी के निबंधन और शर्तों या निविदा जमा करने के संबध में किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के मोबाइल नम्बर **7304904154** पर अथवा **श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड** के **9910453434** पर सम्पर्क करें।
केवल बैंक/ई-नीलामी विक्रेता पदाधिकारी द्वारा अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व पूर्ण विवरण के साथ प्राप्त और पंजीकृत की गई निविदाएं ही नीलामी हेतु मान्य होंगी।
प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिड्स को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।
बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की वेबसाइट देखें :**www.icicibank.com/n4p4s**

तिथि : नवम्बर 30, 2019
स्थान : दिल्ली एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

गरीबों पर न करें विकास के प्रयोग

विकास वैज्ञानिक गरीब समाजों को गिनी पिग की तरह प्रयोग करते हैं। गरीबों को जोखिम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना नैतिक रूप से गलत है क्योंकि किसी अन्य के बजाय उनको ही विफलता का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

मोइन काजी
(लेखक नीति आयोग की एक समिति के सदस्य हैं)

भारत लंबे समय से यूरोपीय-अमेरिकी उत्पादों, खासकर कृषि उत्पादों व औषधियों का प्रयोग स्थल रहा है। हाल ही में उनका स्थान वित्तीय व बीमा प्रयोगों ने ले लिया है। इन उत्पादों में से अधिकांश पर कठोर विनियमन लागू नहीं होते हैं तथा ये विशाल विविधतापूर्ण जनसंख्या के उपयुक्त नहीं हैं। आकर्षक उत्पादों को गरीब देशों में बेचने पर शोध के खर्च में नाटकीय रूप से कमी आती है तथा वैश्वीकरण के एजेंडे को प्रोत्साहन मिलता है।

यह संबंध अत्यधिक उत्पीड़क है और बहुत से लोगों का विश्वास है कि यह उपनिवेशवाद का नया रूप है। गरीबों पर ऐसे प्रयोग के लिए विकास एक नई व उपजाऊ जमीन है। विकास वैज्ञानिकों के लिए, गरीब समाज गिनी पिग की तरह हो गए हैं। आर्थिक विज्ञानों के लिए बैंक आफ स्वीडेन द्वारा प्रायोजित नोबेल स्मारक पुरस्कार हाल ही में ऐसे रैंडम व कंट्रील्ड ट्रायलों के लिए दिया गया जिन्होंने विकास अर्थशास्त्र का चेहरा बदल दिया है। पहले इसका प्रयोग औषधियों के क्लीनिकल ट्रायल के लिए होता था, पर अब यह वित्तीय व सामाजिक उपायों की प्रभावशीलता जांचने के लिए होने लगा है।

समुचित जागरूकता की कमी तथा उनको निर्देशित करने वाले संस्थानों की विफलता से लोग बिना ठीक योजना बनाए बीमा पालिसियां खरीद लेते हैं और उनको बीच में ही छोड़ देते हैं क्योंकि उनके पास इनके प्रीमियम भुगतान के लिए पैसा नहीं होता है। आक्रामक मार्केटिंग के कारण एजेंट अपनी पालिसियों के खरीदारों की आर्थिक स्थिति का ठीक से आंकलन नहीं करते हैं। इसके कारण ग्राहकों को कठोर जुर्माने भुगतने पड़ते हैं। लोकप्रिय रूप से इस परिघटना को 'मिस-सेलिंग' या गलत तरीके से बिक्री कहते हैं।

हम अक्सर नई चीजों व खोज के अर्थ में गलती करते हैं। नई चीजें अक्सर खोज नहीं होती हैं। वे अक्सर इसलिए आकर्षक होती हैं क्योंकि वे पहले से ही ज्ञात किसी चीज में सुधार पर केन्द्रित होती हैं। इसके उलट खोजी लोग वास्तव में नई पहल करते हैं तथा पूरी संस्कृति में बेहतरी पैदा करते हैं।

अनेक चीजों पर व्यापारिक दृष्टिकोण से जोर दिया जा रहा है। नई चीजों में आजकल ऐसे विचारों पर जोर दिया जा रहा है जिनसे बिजनेस मूल्य पैदा होते हैं या मजबूत व्यापारिक लाभ की संभावना होती है। नई पैराडाइम में समाज को मिलने वाला शुद्ध लाभ आमतौर से नए विचार पेश करने वालों के वित्तीय प्रायोजकों को मिलने वाले मुनाफे से कम होता है। इस प्रकार निवेशक व राजनीतिक कारक परिस्थितिकी में महत्वपूर्ण तत्व बन जाते हैं। अधिकांश खोजों को अब उनके वाणिज्यिक व बिजनेस महत्व के तथा इस आधार पर आंका जाता है कि वे निवेश की दुनिया में कितना प्रभावी हस्तक्षेप कर सकती हैं। खोज की भाषा अब लगातार वित्तीय शब्दावली में लिपटी होती हैं। हमें अपने सामने आने वाली इस नई परिघटना को स्वीकार करना होगा, भले ही यह चाहे जितनी घृणित लगती हो। ऐसी खोजें हो सकती हैं जो सामाज व खासकर विकास की मुख्यधारा से बाहर छूट गए लोगों को काफी शुद्ध लाभ दिला सकती हैं। लेकिन इनको मजबूत पैरोकार मिलने कठिन होते हैं क्योंकि इनका महत्वपूर्ण बिजनेस मूल्य नहीं होता है।

ऐसी खोजें अक्सर आधी-अधूरी होती हैं तथा वे वित्त प्रायोजकों के कठोर वित्तीय ढांचों की आवश्यकता पूरी करने के लिए बनाई जाती हैं। आमतौर से इसका परिणाम आज्ञाकारिता की संस्कृति विकसित करना होता है जो अत्यधिक संस्थाबद्ध होती है। इससे रचनात्मकता के लिए ज्यादा स्थान नहीं बचता है तथा जनता की बेहतरी के अन्य आयामों पर ध्यान नहीं जाता है।

विकास और खोज के इस नए आयाम के सकारात्मक व नकारात्मक तत्व दोनों हैं। माडलों की रचना करने वाले इसे प्राक्कर्ताओं तथा प्रायोजकों के लिए विन-विन फार्मूले की तरह पेश करते हैं। हालांकि, इसमें प्रायोजकों की स्थिति ज्यादा महत्वपूर्ण होती है जिसका कारण उनकी वित्तीय व राजनीतिक शक्ति होती है। इस प्रकार प्रायोजक एकाधिकारी शक्ति के स्तर तक गिर जाते हैं। माइक्रोफाइनेंस इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

अब खोज के क्षेत्र में बहुत पैसा है। लेकिन इसमें से अधिकांश विजनेस की सोच वाले निवेशकों का है जो इसे दुधारी तलवार की तरह अपना गुप्त एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। वे समाज की बेहतरी के लिए निवेश की बात करते हैं, पर अक्सर इस दावे का लाभ उठाते हैं। लेकिन वे अपने व्यापक व्यापारिक व बिजनेस लक्ष्यों का जरा भी संकेत नहीं देते हैं। बड़े व्यापारिक निवेशक आमतौर से व्यापक सामाजिक समस्याओं को लक्षित करते हैं। इस रणनीति के अनेक लाभ हैं। चूंकि लक्षित जनसंख्या अधिकांशत: निरक्षर व बेरोजगार होती है, इसलिए खोजों का आमतौर से कठोर परीक्षण नहीं होता है तथा नकारात्मक पक्षों को सतर्क विज्ञापन प्रयासों से अनदेखा किया जाता है। चूंकि लाभार्थी कम-आमदनी तथा वंचित तबकों वाले लोग होते हैं, इसलिए मामूली लाभ को भी महान दानदाता कृत्य के रूप में पेश किया जाता है, जबकि जनसंख्या के कुछ हिस्सों को इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

इसके साथ ही ऐसी खोजों को शक्तिशाली लोगों का समर्थन प्राप्त होता है। वे खोज के नाम पर की जाने वाली गलतियों के आधिकारिक प्रमाणों के आधार पर किए जाने वाले वास्तविक प्रतिरोध को भी आसानी से ध्वस्त कर देते हैं। असली विडंबना यह है कि अधिकांश निवेशक अपने निवेश से लाभ उठाने के बाद फौरन योजना से बाहर हो जाते हैं। वे अपने निवेशों के दीर्घकालीन परिणाम देखने की प्रतीक्षा नहीं करते हैं। गड़बड़ियां सामने आने की स्थिति में वे जवाब देने के लिए उपस्थित नहीं होते हैं तथा अपनी जवाबदेही स्वीकार नहीं करते हैं। कई बार उद्यमियों के इरादे अच्छे होते हैं, पर उनके विन-प्रायोजकों का एजेंडा संकुचित होता है। ऐसे में स्टार्टअप को बाहर से पैसा लेने के पहले विचार करना चाहिए क्योंकि जैसे ही वे धन प्राप्त करते हैं, वैसे ही निवेशक बिजनेस का संचालन व उस पर शासन करने लगते हैं। इस स्थिति में संस्थापक के सामने केवल अपने लाभ तथा निवेशकों को बाहर करने की चिन्ता होती है।

विकृत खोजों के परिणाम हानिकारक हो सकते हैं। ऐसे में खोज के उद्देश्य तथा उससे होने वाले लाभों के बारे में गहरी समझदारी होनी चाहिए। इसका लक्ष्य प्रक्रियाओं का सरलीकरण, उत्पादों को बेहतर बनाना तथा लाभार्थियों या क्लाइंटों के लिए डिलीवरी व्यवस्था की बाधायें दूर करना हो सकता है। लेकिन हम नई व्यवस्था के उपोत्पादों के रूप में उभरने वाली नई समस्याओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं।

ऐसी समस्यायें उन समस्याओं से ज्यादा हानिकारक हो सकती हैं जिनको ठीक करने के प्रयास किए जा रहे थे। उद्यमों तथा खोज के क्षेत्र को प्रमाणन एजेंसियों तथा पुरस्कार देने वाली जूरियों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। वे खोज के वास्तविक मूल्य का आंकलन नहीं करते हैं या अपने समर्थक विचारकों को प्रसन्न करने के लिए जल्दबाजी दिखाते हैं या खोजियों को पुरस्कृत करने में गैर-नैतिक मानदंडों से संचालित होते हैं। अनेक जूरियों के कई वैचारिक पूर्वाग्रह होते हैं जिनसे खोज का पूरा परिवेश प्रभावित होता है।

संकटग्रस्त लोगों को जोखिम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने पर नैतिक सवाल उठते हैं। यह वास्तव में दुखद है क्योंकि बाहरी लोगों के बजाय उनको ही विफलता का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

ऐसी खोजों के कष्टदायक परिणाम आना अपरिहार्य है। बड़े-बड़े वादे कर नए कृषि व्यवहारों का प्रचार किया जाता है। कम आय वाले पिरामिड में उपभोक्ताओं की पसंद में परिवर्तन से गरीब लोग और शक्तिहीन हो सकते हैं। इससे अर्थव्यवस्था व परिस्थितिकी को होने वाले नुकसान के कारण पहले से ही बहुत कमजोर अनेक समाजों पर भयानक नकारात्मक परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं। इन प्रयोगों की विफलता का परिणाम उन लोगों पर बहुत अधिक हो सकता है जो हानिकारक प्रभावों से निपटने का प्रयास करते हुए अवसर पुन: प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

गांधीवादी इंजीनियरिंग ने महत्वपूर्ण योगदान किया है। पूरा परिदृश्य निराशाजनक नहीं है क्योंकि गांधीवादी इंजीनियरिंग या सूक्ष्म इंजीनियरिंग में सचेतन रूप से काम करने तथा सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध अनेक लोग सक्रिय हैं। इसके व्यवहारकर्ताओं ने जटिल उत्पादों या बिजनेस माडलों को उनके सर्वाधिक आधारभूत अंगों में तोड़ने तथा सर्वाधिक आधारभूत रूप से उनका आर्थिक रूप से पुनर्निर्माण करने में महारत हासिल की है। इससे वे बाजार के सबसे निचले स्तर पर लाभदायक हो सकते हैं।

इन सचेतन उद्यमियों ने व्यापक सस्ते उत्पाद तैयार करने में सफलता पाई है जो परिवेश की आवश्यकतायें पूरी करते हैं तथा अनेकानेक लोग इनका प्रयोग कर सकते हैं। इनमें सौर ऊर्जा से संचालित एटीएम बैंक मशीनों के साथ ही पानी की बचत करने वाले डिटर्जेंट पाउडर तक शामिल हैं।

इसका एक और उदाहरण उत्पादों का 'सैशेटीकरण' है। एफएमसीजी उद्योग ने पता लगाया है कि ग्रामीण भारतीय वही चीजें चाहते हैं जो दूसरों को पसंद होती हैं, पर वे इनके केवल एक बार प्रयोग योग्य छोटे पैकेट ही खरीद सकते हैं। इसके कारण हमें आल्मारियों से लटके अनेक प्रकार के सैशे देख सकते हैं जिनमें शैम्पू से लेकर कफ सीरप, नारियल तेल व मोबाइल फोन के उपकरण तक शामिल हैं।

इस प्रकार की क्रान्ति के लिए संवेदना की आवश्यकता है। यह संवेदना श्रेष्ठता की भावना के बजाय गंभीर विनम्रता से पैदा होती है। यह दूसरों के प्रति सम्मान तथा उनके स्थान पर स्वयं को रख कर देखने से पैदा होती है। यह सत्य पहचानने तथा इसे विकास हस्तक्षेपों में शामिल करने वाले लोग सफल व अग्रणी नेता होते हैं। जब हम समान साझेदारी के आधार पर उत्पादों की डिजाइन करते हैं तो हमें अपने लक्ष्य पर पहुंचने में आसानी होती है।

प्रत्येक समाज विकास के विभिन्न चरणों से होकर गुजरता है। विभिन्न समस्याओं के समाधान व हस्तक्षेप उसकी विशिष्ट सांस्कृतिक व आर्थिक परिस्थितियों के अनुकूल होने चाहिए। जनता के सांस्कृतिक दृष्टिकोण के सम्मान तथा उनके सरोकारों को संबोधित कर हम स्थाई व टिकाऊ सफलता के रास्ते पर आगे बढ़ते हैं।

दूरसंचार क्षेत्र में उचित हस्तक्षेप आवश्यक

सरकार ने 2030-31 तक सभी देय चुकाए जाने संबंधी समयसीमा में परिवर्तन किए बगैर लंबित स्पेक्ट्रम भुगतानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मगर देय राशि की भारी मात्रा को देखते हुए इससे कोई लाभ होने वाला नहीं है।

उत्तम गुप्ता
लेखक एक नीति विश्लेषक हैं।

वोडाफोन आयडिया लिमिटेड, जो यूके की वोडाफोन और केएम बिड़ला के स्वामित्व वाली आयडिया सेल्युलर का संयुक्त उद्यम है, और भारती एयरटेल ने 30 सितंबर 2019 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष की दूरी तिमाही के लिए क्रमश: 51,000 करोड़ तथा 23,000 करोड़ का घाटा दर्शाया है। ऐसा प्राथमिक रूप से सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के कारण हुआ है जिसमें अदालत ने दूरसंचार कम्पनियों को लाइसेंस शुल्क तथा स्पेक्ट्रम यूसेज शुल्क संबंधी देय चुकाने का आदेश जारी किया है। यह आदेश दूरसंचार विभाग एवं सेवा प्रदाताओं के बीच लंबी खिंचने वाली कानूनी लड़ाई की चरम परिणिति है। जबकि विभाग ने जोर दिया था कि लाइसेंस शुल्क व स्पेक्ट्रम यूसेज शुल्क, जो समायोजित सकल राजस्व के प्रतिशत के तौर पर लिया जाता है, को निर्धारित करने के लिए, दूरसंचार सेवा राजस्व के इतर, समायोजित सकल राजस्व में निश्चित संसाधनों की बिक्री, किराया, मुनाफे, लाभांश, ब्याज आदि से मिलने वाले गैर दूरसंचार राजस्व को भी शामिल किया जाना चाहिए, मगर सेवा प्रदाताओं ने इसका विरोध किया था। न्यायालय ने विभाग के दृष्टिकोण को सही ठहराया है।

इसके परिणामस्वरूप, सेवा प्रदाताओं को कुल राजस्व के आधार पर आंकलित अधिक राशि देनी होगी, अर्थात दूरसंचार सेवा के साथ गैर दूरसंचार गतिविधियों से लेकर पहले भुगतान की जा चुकी दूरसंचार सेवाओं पर राजस्व। अधिक राशि पर ब्याज के साथ, साथ में अर्थदंड, अर्थदंड पर ब्याज, यह वोडाफोन के लिए 53,000 करोड़ तथा एयरटेल के लिए 36,000 करोड़ होगा।

हालांकि, दूरसंचार कम्पनियों के लिए संकट को टालने के उद्देश्य से, सरकार ने 2020-21 और 21-22 के दौरान सरकार ने 2030-31 तक सभी देय चुकाए जाने संबंधी समयसीमा में परिवर्तन किए बगैर लंबित स्पेक्ट्रम भुगतानों के निलंबन से मिलने वाली रहत केवल 24,000 करोड़ की है। एयरटेल के मामले में, राहत की मात्रा उसकी 36,000 करोड़ की देयता के विरुद्ध 11,000 करोड़ है। सरकार ने उन्हें देयताओं पर अर्थदंड एवं ब्याज भुगतान से मुक्त करने का भी संकेत दिया है लेकिन यह कोई सांत्वना नहीं है, क्योंकि ऐसा केवल तभी संभव होगा जब सर्वोच्च न्यायालय इसकी अनुमति देगा, जो संभव नहीं लगता।

अत:, तीन दूरसंचार कम्पनियों का भविष्य अंधकारमय है। वोडाफोन ने मत दिया है कि भारतीय जेवी का भविष्य संशय में है और हम इस उद्यम में अब कोई धारिता नहीं डालेंगे। बिड़ला समूह ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं, संकेत देते हुए कि कम्पनी केगाली हो सकती है। भारती एयरटेल भी ध्वस्त होने के कगार पर है।

वोडाफोन का उपभोक्ता आधार 320 मिलियन है जबकि भारती एयरटेल का 265 मिलियन। 585 मिलियन के स्तर पर, वे भारत के कुल उपभोक्ताओं में से 50 प्रतिशत के हिस्सेदार हैं। यदि ये दोनों कम्पनियां तरलता में चली जाती हैं, तो परिणाम भयावह हो सकते हैं, न केवल 2 लाख करोड़ का एक्सपोजर बैंकों का है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी परिणाम बुरे होंगे। ये कम्पनियां अब सरकार से उम्मीद लगाए हुए हैं कि वो लाइसेंस शुल्क व स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज में कटौती करेगी, वस्तु एवं सेवाकर वर्तमान 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत तक कम करके राहत प्रदान करेगी। सरकार इस पर विचार कर रही है, यह समझने की आवश्यकता है कि क्षेत्र इस हालत में कैसे पहुंच गया।

सितम्बर 2016 में, एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए ग्रीनफील्ड 4-जी आपरेटर रिलायंस जियो ने भारतीय दूरसंचार बाजार में मुक्त व असीमित वायस काल तथा सस्ते डेटा के नाम पर प्रवेश किया। डेटा व वायस काल के लिए छह महीने निशुल्क के शुरुआती प्रस्ताव के बाद अप्रैल 2017 से उसने 50 पैसे प्रति जीबी के सस्ते मूल्य पर डेटा चार्ज प्रारम्भ किया। हालांकि, वायस काल पूरी तरह मुफ्त रखी गई। ढांचागत संरचना में हजारों करोड़ रुपय खर्च करने वाले रिलायंस जियो द्वारा सेवाएं लगभग मुफ्त बेचने का आह्वान प्रीडेटरी मूल्य का उदाहरण है जिसका उद्देश्य दूसरे बिजनेसों से ग्राहक खींचना था। उनको अपने टैरिफ काफी कम करने पड़े। संशोधन के बाद अब भारत में टेरिफ प्रति जीबी एक डॉलर से कम हैं, जबकि दूसरे देशों में ग्राहकों को बहुत अधिक पैसे देने पड़ते हैं। जापान में यह 30 डॉलर, कोरिया में 18 डॉलर, ब्रिटेन, चीन व जर्मनी में 15 डॉलर तथा अमेरिका में 10 डॉलर हैं।

इसके परिणामस्वरूप, जो बिजनेस रिलायंस जियो के प्रवेश से पहले मुनाफा कमा रहे थे वे अब घाटे में चल रहे हैं। अनेक आपरेटरों ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं जबकि दूसरे अपनी बिक्री के लिए संघर्ष कर रहे हैं। टाटा टेलीसर्विस को भारती एयरटेल ने खरीद लिया है। वर्तमान समय में केवल तीन निजी आपरेटर, वोडाफोन, रिलायंस जियो व एयरटेल हैं, जबकि पहले एक दर्जन थे। जब प्रीडेटरी मूल्य लागू किए जाएं तो यह क्षेत्र विनियामक की जिम्मेदारी है कि वह हस्तक्षेप करे। इस मामले में सह जिम्मेदारी भारतीय दूरसंचार नियामक अधिकरण-टाई की है। टाई को समस्या पैदा होने से पहले ही निबटना चाहिए था पर उसे इसमें कुछ गलत नहीं नजर आया और इतना ही नहीं उसे फरवरी 2018 में टेलीकॉम टैरिफ आदेश- टीटीओ, में नया संशोधन कर प्रीडेटरी मूल्य को इस प्रकार बदला जिससे रिलायंस जियो के काम को वैधता मिल गई। संशोधित आदेश के अनुसार, किसी टैरिफ को तभी प्रीडेटरी कहा जा सकता है जब एक संबंधित बाजार या क्षेत्र में महत्वपूर्ण बाजार खिलाड़ी यानी आपरेटर ऐसे मूल्य पर सेवाएं दे जो औसत परिवर्तनीय मूल्य से कम हो, ताकि प्रतिस्पर्धा कमजोर की जा सके या बाजार से प्रतिस्पर्धियों को हटाया जा सके। एक प्रतिस्पर्धी को तभी एएसएमपी कहा जा सकता है जब उसके पास बाजार में हिस्सेदारी 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो। इसकी गणना सकल राजस्व व ग्राहकों के बाजार में शेयर के आधार पर होगी। इसे साथ ही, एवीसी को ऐसी लागत के रूप में परिभाषित किया गया है जिसकी संख्या उन खर्चों के आधार पर पहचानी जाएगी जो निर्गत के साथ बदलते हैं। इसको कुल उत्पादित इकाइयों की संख्या से विभाजित किया जाएगा।

इस प्रकार, नियामक ने ऐसी फर्म के समक्ष दोहरा आधार रख दिया जो प्रीडेटर थी। पहले उसने एवीसी से कम कीमत पर सेवाओं का प्रस्ताव रखा, दूसरी बार उसने अपनी बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिसे अधिक की। 2016 से 18 के इस कालखंड में सभी फर्में एवीसी से नीचे मूल्य पर बिक्री कर रही थीं और उनका बाजार में हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था। दो दशक से काम करने के कारण यह स्वाभाविक था। जियो का शेयर उस समय 30 प्रतिशत से कम था, इसलिए नियामक के दृष्टिकोण से अन्य आपरेटर प्रीडेटर थे जबकि बाद में आने वाला नहीं। दूसरे शब्दों में यह सब प्रारम्भ करने वाली जियो को निरपराध मान लिया गया जबकि उसके हमले से प्रभावित होने वाले अन्य आपरेटरों को प्रीडेटरी मूल्यों में संलिप्त होने तथा बाधा डालने का दोषी समझा गया।

संशोधित आदेश एकपक्षीय व भेदभाव पूर्ण था तथा इसका लक्ष्य रिलायंस जियो का पक्ष लेते हुए अन्य आपरेटरों पर निशाना लगाना था। इस आदेश को दूरसंचार विवाद समाधान अपीलीय न्यायाधिकरण- टीडीसैट, के समक्ष चुनौती दी गई, जिसने टाई के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि यह अपारदर्शी था। लेकिन, टीडीसैट का 13 दिसंबर 2018 को फैसला आने के पहले ही नुकसान हो चुका था।

टाई को अन्य कार्वाइयों में इंटरकनेक्टेड यूसेज चार्ज, आईयूसी, में भारी कमी की गई। यह दूरसंचार सेवा प्रदाता या कालर द्वारा टेल्को को दिया जाने वाला भुगतान है जिसके नेटवर्क पर कॉल जाती है। सितम्बर 2017 में 14 पैसे प्रति मिनट की दर से इसे घटाकर 6 पैसे प्रति मिनट कर दिया गया, जिससे पुराने आपरेटरों पर प्रभाव पड़ा। इस भारी कमी के कारण आईयूसी से राजस्व घटा जबकि रिलायंस जियो का राजस्व बहुत तेजी से बढ़ रहा था।

टाई ने विल एंड कॉप- वीएके व्यवस्था एक जनवरी 2020 से प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है जिससे आईयूसी समाप्त हो जाएगा। इससे पुराने आपरेटरों को और तगड़ा झटका लगेगा। इसका कारण यह है कि जियो को अपने व्यवहार जारी रखने की अनुमति दी जा रही है ताकि ब्राडबैंड कनेक्टिविटी की मोदी की अखिल भारतीय व्यापक योजनाएं सफल हो सकें। रिलायंस जियो ने कम टैरिफ व मुफ्त वायस काल का जो वादा किया था उससे उसे अपनी कवरेज बढ़ाने में मदद मिली है और खासकर वह बहुसंख्य गरीब लोगों में लोकप्रिय हो गया है। लेकिन, केवल मूल्य कम या मुफ रखने के पीछे व्यापक सार्वजनिक हित की अनदेखी की गई है। टिकाऊ आधार पर सेवाएं प्रदान करना तथा गुणवत्ता बनाए रखना कम महत्वपूर्ण नहीं है।

यदि सेवा प्रदाता गंभीर वित्तीय संकट में फंस जाए तो ऐसा संभव नहीं होगा। हालांकि, एक सीमा तक पुराने आपरेटर इसके लिए स्वयं दोषी हैं। उदाहरण के लिए, उन्होंने अदालतों की नकारात्मक कार्यवाहियों का लाभ उठाया जिसके चलते यह मामला एक दशक तक चलता रहा और अपने खातों में इसके लिए वे आकस्मिक प्रावधान करते रहे। जब रिलायंस जियो ने 4जी प्रारम्भ किया तब भी वे नई तकनीक अपनाने में पीछे रहे और वे अब भी 2जी-3जी से चिपके हुए हैं। लेकिन, संकट का मुख्य कारण खैरात बांटा जाना है जिसका प्रयोग रिलायंस जियो ने किया। समय आ गया है कि इस प्रवृत्ति पर फौरन रोक लगाई जाए।

इसके लिए पहल सेवा प्रदाताओं की ओर से होनी चाहिए। वोडाफोन व एयरटेल ने टैरिफ बढ़ाने का फैसला किया है और जियो भी उसी रास्ते पर चलेगा। एक एक अच्छा संकेत है। टाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं छोड़नी चाहिए। उसे यह सुनिश्चित करने के लिए एक फ्लोर प्राइस की घोषणा करनी चाहिए ताकि कोई आपरेटर टैरिफ को इससे नीचे न ले जाए। दूसरों को निशाना बनाने के प्रयासों पर कठोरता से नियंत्रण होना चाहिए। लेकिन, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि सेवा प्रदाताओं को अपनी व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी।

शाह ने सीएबी को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं के साथ बैठक की

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को असम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के राजनीतिक दलों, छात्र निकायों और नागरिक समाज समूहों के नेताओं साथ प्रस्तावित नागरिकता संशोधन (सीएबी) विधेयक की रूप-रेखा पर चर्चा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बैठक में असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, अरुणाचल प्रदेश मुख्यमंत्री पेमा खांडू और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजीजू और विभिन्न सांसदों ने शिरकत की। सोनोवाल ने कहा कि शाह द्वारा सीएबी पर परामर्श से सभी आशंकाओं को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, ए पूर्वोत्तर के सभी तबकों के लोगों से बातचीत की बेहद ईमानदार और लोकतांत्रिक कोशिश है। मुझे विश्वास है कि गृह मंत्री के साथ बैठक में जो शामिल हुए, उन्होंने क्षेत्र को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को महसूस किया। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों और नागरिक समाज समूहों ने इस बात पर चिंता जताई कि सीएबी से आदिवासी प्रभावित हो सकते हैं।

सूत्रों ने कहा कि ऐसा पता चला है कि गृह मंत्री ने उन्हें संकेत दिया कि आंतरिक रेखा परमिट (आईएलपी) व्यवस्था द्वारा संरक्षित आदिवासी क्षेत्र और ऐसे क्षेत्र जो संविधान की छठी अनुसूची के तहत प्रशासित होते हैं, वे सीएबी से प्रभावित नहीं होंगे। सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्रों को प्रस्तावित विधेयक के दायरे से छूट दी जा सकती है और समझा जा रहा है कि उक्त आशंकाओं के संबंध में शाह ने प्रतिनिधियों को संतुष्ट कर दिया। असम के मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि शाह ने शुक्रवार की रात त्रिपुरा और मिजोरम के राजनीतिक नेताओं और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ चार घंटे तक बैठक की और चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सरमा ने ट्वीट किया, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रस्तावित नागरिकता संशोधन विधेयक को लेकर शुक्रवार को त्रिपुरा और मिजोरम के राजनीतिक दलों और नागरिक समाज संगठनों के साथ चार घंटे तक चर्चा की। वह आज असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडलों के साथ इसपर चर्चा करेंगे। चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। नागरिकता अधिनियम 1955 में प्रस्तावित संशोधन पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के हिन्दूओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसियों और ईसाइयों को भारत की नागरिकता देने की बात कहता है, भले ही उनके पास कोई उचित दस्तावेज नहीं हों। विधेयक को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों में कड़े विरोध के मद्देनजर गृह मंत्री शुक्रवार और शनिवार को इस मुद्दे पर सिलसिलेवार बैठकें कर चुके हैं और तीन दिसंबर को भी वे इस सिलसिले में बैठके करेंगे।

पाकिस्तान ने छद्म युद्ध छेड़ रखा है क्योंकि वह परम्परागत युद्ध नहीं जीत सकता: राजनाथ

पुणे (भाषा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान ने छद्म युद्ध छेड़ रखा है क्योंकि उसे अहसास हो चुका है कि वह परम्परागत युद्ध नहीं जीत सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जो छद्म युद्ध का रास्ता अख्तियार किया है, वह एक दिन उसकी हार की वजह बनेगा। सिंह पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के 137वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में बोल रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को 1948 से लेकर 1965, 1971 और 1999 से यह अहसास हो गया था कि वह किसी भी परम्परागत या सीमित युद्ध में भारत के खिलाफ जीत नहीं सकता।

उन्होंने कहा, उसने आतंकवाद के जरिए छद्म युद्ध का रास्ता चुना है और मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ आपसे कह सकता हूं कि पाकिस्तान को हार के सिवाय कुछ नहीं मिलेगा। सिंह ने कहा कि भारत के अन्य देशों के साथ हमेशा शिष्ट और मैत्रीपूर्ण रिश्ते रहे हैं। भारत की अपने क्षेत्र से अतिरिक्त कोई महत्वाकांक्षा नहीं रही लेकिन अगर उसे उकसाया गया तो वह किसी को नहीं बख्शेगा।

उन्होंने कहा, हम देश की संप्रभुत्ता और लोगों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध हैं। लेकिन अगर कोई हमारी धरती पर आतंकवादी शिविर चलाता है या कोई हमला करता है तो हम जानते हैं कि मुंहतोड़ जवाब कैसे दिया जाता है। भारतीय सेना न केवल देश की सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि यह सीमाओं के पार कार्वाई करने में भी सक्षम है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट में हवाई हमले भारत की सैन्य क्षमताओं के उदाहरण हैं। आतंकवाद किस तरह से एक वैश्विक खतरा बन गया है, इसका जिक्र करते हुए, सिंह ने कहा, हमने अमेरिका में 9111 और मुंबई में 26111 जैसे हमलों को देखा है। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और पुलिस बलों ने कई बार दुश्मन देश के हमले को विफल किए हैं।

गांधी के हत्यारे का नाम तक लेना गलत है: सिंधिया

ग्वालियर (भाषा)। कांग्रेस के महासचिव ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जिस व्यक्ति ने राष्ट्रपिता की हत्या की, उसका तो नाम तक लेना गलत है, लेकिन भाजपा के सांसद उसे देशभक्त बताते हैं। ऐसे कृत्य की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। सिंधिया शनिवार को दिल्ली से ग्वालियर आए और रेलवे स्टेशन से फूलबाग स्थित गांधी पार्क पहुंचे। वहां उन्होंने गांधी प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर श्रृद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, गलती एक बार होती है, लेकिन भाजपा के एक सांसद पहले भी राष्ट्रपिता गांधी के हत्यारे के देशभक्त बता चुके हैं। अब दूसरे सांसद ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय 2014 में भी भाजपा के एक सांसद ने गोडसे को देशभक्त कहा था तो उन्होंने संसद में इसका विरोध किया था।

पेज एक का शेष

अघाड़ी राज...

का नाम नोट किया गया। सदन की पूरी कार्यवाही का लाइव प्रसारण किया गया। जब वोटिंग शुरू हुई उस समय प्रोटेम स्पीकर समेत सदन में 174 सदस्य मौजूद थे, जो इस बात का संकेत था कि भाजपा ने 10 गैर पार्टी विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया है। भाजपा के साथ मुख्यमंत्री पद को साझा करने के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के भाजपा के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन से अलग होने के बाद शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस ने सरकार का गठन किया है। 21 अक्टूबर को हुए चुनाव में 105 सीटें जीतकर भाजपा अकेले सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस को क्रमश: 56, 54 और 44 सीटें मिली थीं। शिवसेना के अध्यक्ष ठाकरे ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। फडणवीस ने अपनी पार्टी के विधायक कालिदास कोलाम्बकर को हटाकर एनसीपी के दिलीप वल्से पाटिल को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने सदन में कहा कि इस तरह का कार्य भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है क्योंकि शिवसेना-एनसीपी -कांग्रेस गठबंधन सदन में विश्वासमत हारने को लेकर डरा हुआ था। भाजपा विधायकों के बहिर्गमन करने के बाद फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, सदन में कामकाज किया जाना संविधान का उल्लंघन है। सत्र खुद नियमों के मुताबिक नहीं है। उन्होंने कहा, चूंकि विगत सत्र के बाद राष्ट्रगान हुआ, इसका मतलब है कि यह (विधानसभा) अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। फडणवीस ने कहा कि नया सत्र शुरू करने के लिए राज्यपाल के जरिए एक समन जारी कराने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी दावा किया कि ठाकरे और छह मंत्रियों का शपथग्रहण समारोह नियमों के अनुरूप नहीं हुआ। फडणवीस ने कहा, किसी ने बालासाहेब ठाकरे का नाम लिया, किसी ने (कांग्रेस प्रमुख) सोनिया (गांधी) जी और (एनसीपी प्रमुख शरद) पवार साहेब का नाम लिया। शपथ निर्दिष्ट प्रारूप के अनुरूप नहीं ली गई। सदन में शक्ति परीक्षण प्रोटेम स्पीकर की निगरानी में कराए जाने पर उन्होंने कहा कि यह इसलिए कराया गया क्योंकि सरकार एक नियमित स्पीकर के तहत विश्वासमत हारने को लेकर भयभीत थी। उन्होंने कहा, यही कारण है कि हमने वॉकआउट किया। हम राज्यपाल को पत्र लिखकर यह कहने जा रहे हैं कि संविधान के अनुरूप कार्य नहीं किया गया। जब प्रोटेम स्पीकर ने उद्धव ठाकरे की सरकार के विश्वासमत हासिल करने की घोषणा की, उस वक्त भगवा पगड़ी पहने हुए उद्धव ने सदन के सदस्यों और महाराष्ट्र की जनता का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। मैं राज्य के लोगों को भी धन्यवाद देता हूं। उनके आशीर्वाद के बिना कार्य करना संभव नहीं है। ठाकरे ने कहा, सदन में आने से पहले कुछ दबाव था क्योंकि मेरे पास सदन में नहीं, बल्कि सिर्फ जमीनी स्तर पर काम करने का अनुभव है। यहां खुद को पाकर मैं सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। उद्धव ठाकरे (59) पहली बार सदन में पहुंचे थे। उनके पीछे उनके बेटे आदित्य और शिवसेना के अन्य विधायक बैठे हुए थे। वे सभी भगवा पगड़ी पहने हुए थे। उन्होंने कहा, आप (भाजपा) उस वक्त हतप्रभ रह गए, जब मैंने छत्रपति शिवाजी (शपथ ग्रहण करते समय) का नाम लिया। मैं बार-बार यह नाम लूंगा। जो अपने माता-पिता का नाम नहीं लेते, उन्हें जीने का कोई अधिकार नहीं। ठाकरे ने कहा, यह महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है कि आप छत्रपति शिवाजी और माता-पिता का नाम लेना अपराध मानें। महाराष्ट्र भाजपा के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि उद्धव ठाकरे का शपथग्रहण अवैध था क्योंकि शपथ के निर्धारित प्रारूप का पालन नहीं किया गया। पाटिल ने यहां विधान भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि मंत्रियों ने शपथ लेते समय अपने-अपने नेताओं तथा अन्य के नाम लिए जो प्रोटोकाल के अनुरूप नहीं था। उन्होंने कहा कि अवैध शपथग्रहण समारोह के खिलाफ राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के समक्ष एक याचिका दायर की जा रही है। दावों पर जवाब देते हुए एनसीपी ने भाजपा पर सदन से भागने का आरोप लगाया। एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि वल्से पाटिल को राज्यपाल की सहमित से विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। सत्र भी कोश्यारी की मंजूरी के बाद बुलाया गया। मलिक ने कहा, उन्हें (भाजपा) भागने के लिए कोई बहाना चाहिए था। इसलिए यह सब किया गया। देवेंद्र जी (देवेंद्र फडणवीस) को (वरिष्ठ भाजपा नेता) एकनाथ खडसे से सीखना चाहिए कि विपक्ष के नेता को किस तरह काम करना चाहिए।

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि भाजपा शक्ति परीक्षण से भाग गई। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह लोकतांत्रिक हैं। हम उनकी (विपक्ष की) आवाज नहीं दबाएंगे। हम प्यार के साथ उनके हृदय को जीतेंगे। सुले ने कहा, महाराष्ट्र में कभी भी बदले की भावना नहीं दिखी। हमारी सरकार बदले की भावना से काम नहीं करेगी...वे (भाजपा) तब भाग गए जब शक्ति परीक्षण हो रहा था। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कहा कि फडणवीस को अपने उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे का खुले हृदय से स्वागत करना चाहिए था। चव्हाण ने कहा, लेकिन इसकी जगह उन्होंने मामूली से तकनीकी मुद्दे उठाए। यह ठीक नहीं है। रविवार को विधासभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा।

नक्सल प्रभावित ...

लेकिन इससे किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई और भारी संख्या में सुरक्षा बलों की मौजूदगी के चलते नक्सली वहां से भाग निकले। मीणा ने बताया कि सभी तेरह विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हुआ और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि सभी स्थानों पर मतदाताओं में भारी उत्साह दिखा और बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया जो संतोषजनक है। इस बीच डाल्टनगंज में कांग्रेस के प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी और भाजपा के समर्थकों में झड़प की सूचना मिली है। त्रिपाठी ने बूथ कब्जाने के आरोप लगाए हैं और उन्होंने कहा कि जब वह स्थिति का जायजा लेने मौके पर पहुंचे तो भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला बोल दिया जिसके बाद आत्मरक्षा में उन्हें अपनी पिस्तौल निकालनी पड़ी। त्रिपाठी ने भीड़ के बीच पिस्तौल लहराई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने चुनाव अधिकारियों से मामले की शिकायत की है जिसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। चौबे ने बताया कि इस मामले में रिपोर्ट आने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इस झड़प के बाद भी आरोपित बूथों पर मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

हैदराबाद में ...

बर्बाद किया, जिसका उपयोग चिकित्सक की जान बचाने में किया जा सकता था। इस बीच, आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने नई दिल्ली में कहा कि आयोग की एक टीम मृतका के परिवार के पास गई, जिसने टीम को बताया कि पुलिस ने मामले में नकारात्मक भूमिका निभाई। परिवार के सदस्यों ने यह भी कहा कि यहां तक कि पुलिस ने आरोप लगाया कि वह (पशु चिकित्सक) किसी के साथ भाग गई है। शर्मा ने पशु चिकित्सक पर राज्य के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली की टिप्पणी की भी निंदा की और कहा कि इस तरह के नेता ऐसे पद के हकदार नहीं हैं। अली ने यह कह कर विवाद छेड़ दिया था कि उसने (मृतका) फौरन पुलिस से संपर्क क्यों नहीं किया। सरकारी अस्पताल में काम करने वाली पशु चिकित्सक से बृहस्पतिवार रात शहर के बाहरी इलाके में चार लोगों ने बलात्कार किया था और उसकी हत्या कर दी थी। बाद में 25 वर्षीय इस महिला का झुलसा हुआ शव बरामद हुआ था। चार आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

युवती की...

कई बार असहज महसूस करती है। उस लड़की के ट्वीट का संज्ञान लेते हुए आनंद महिंद्रा ने भी ट्वीट कर पूछा कि क्या वह गाजियाबाद की बात कह रही है, इसके साथ ही उन्होंने उस लड़की को इस मामले में गंभीरता से हस्तक्षेप कर जल्द कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। इसके बाद लड़की ने कहा, मैं उन्हें कोई दोष नहीं दे रही हूं, लेकिन स्थिति असहज हो जाती है। हालांकि शनिवार शाम को शिकायत करने वाली लड़की ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया।

3डी कैमरों ...

लेकिन अब यह संख्या घटकर 5,500 से 6000 तक सीमित हो गई है। लोग जागरूक तो हुए ही हैं, पहले की अपेक्षा ज्यादा पुलिसकर्मी सड़कों पर तैनात रहते हैं। इसी वजह से भी लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं और चालान की संख्या कम हो गई है। प्रसाद ने बताया कि पुलिस की अगली रणनीति और योजना लोगों को लेन में वाहन चलाने की आदत डालना है। इससे एक तरफ जाम की स्थिति से बचा जा सकेगा, हादसे भी कम होंगे।

Chola
Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
कार्पोरेट कार्यालय : नंबर 2, 'डेयर हाउस' प्रथम तल, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई-600 001
शाखा कार्यालय : प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005, सम्पर्क नंबर : 9899245509, 9818460101

नीलामी-सह-बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना (इसको धारा 8 (6) के तहत नोटिस माना जाए।)

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर्जदारो से बकाया राशि की वसूली के लिए **वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002** के अधीन यहां नीचे वर्णित प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा लिए जाने के अनुसरण में, अधोहस्ताक्षरी द्वारा यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जोकि कब्जे में है, की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार"** पर करने हेतु सीलबंद लिफाफों में ऑफर्स आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :-

क्र. सं.	कर्जदार(गण) /सह-कर्जदार(गण)/गारंटर(गण)	मांग सूचना तिथि एवं राशि	अचल सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	29-11-2019 तक कुल बकाया राशि	कब्जा का प्रकार
1.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001071579** दिल्ली शाखा) **अनिल कुमार शॉ (कर्जदार) अनूप कुमार जायसवाल, अमित कुमार जायसवाल, संजू देवी शॉ (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : 77-एम-ब्लॉक हरि नगर, नई दिल्ली-110064 **अन्य पता** : मकान नंर 32/4 ब्लॉक-बी, खजान बस्ती, मायापुरी, नई दिल्ली-110064 **अन्य पता** : सी-222, मायापुरी इंड फेज-2, दुकान 1बी, मायापुरी, नई दिल्ली-110064	20-10-2016 रू. 1,43,06,334.54 (रूपए एक करोड़ तेतालीस लाख छह हजार तीन सौ चौंतीस तथा पैसे चौवन मात्र)	**मकान नंबर बी-32/4, ब्लॉक-बी, खजान बस्ती, मायापुरी, नई दिल्ली-110064**	रू. 42,00,000/- (रूपए बयालीस लाख मात्र)	रू. 4,20,000/- (रूपए चार लाख बीस हजार मात्र)	रू. 1,65,32,761/- (रूपए एक करोड़ पैंसठ लाख बत्तीस हजार सात सौ इकसठ मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
2.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001406684** दिल्ली शाखा) **नरेश जैन (कर्जदार) सिम्मी जैन, कशिश जैन, एन एच इंटरनैशनल (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता :जैड-10, प्रथम तल, माडल टाउन-।।, नई दिल्ली-110009 **अन्य पता** : 3815, गली बरना, सदर बाजार, दिल्ली-110006	09-01-2018 रू. 3,11,85,861.98 (रूपए तीन करोड़ ग्यारह लाख पिचासी हजार आठ सौ इकसठ तथा पैसे अठ्ठानवे मात्र)	**सम्पत्ति परिमाप 251.1 वर्ग गज, म्युनिसिपल नंबर 10, सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, पार्ट नंबर-।।, ब्लॉक-जैड, ग्राम मलिकपुर, छावनी, कालोनी माडल टाउन-।। के नाम से मशहूर, नई दिल्ली-110009**	रू. 1,75,00,000/- (रूपए एक करोड़ पचहत्तर लाख मात्र)	रू. 17,50,000/- (रूपए सत्रह लाख पचास हजार मात्र)	रू. 4,16,75,550.60/- (रूपए चार करोड़ सोलह लाख पचहत्तर हजार पांच सौ पचास तथा पैसे साठ मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
3.	(ऋण खाता संख्या **X0HEEDL00001462931** दिल्ली शाखा) **रोहित रॉय (कर्जदार) रॉय ब्रदर्स ऑगेनिक एग्रो (प्रा.) लिमिटेड, टाटियाना जुएवा (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : डीसी-302, डीईएल कोर्ट, जेपी ग्रीन, ग्रेटर नोएडा, नोएडा-201309, उत्तर प्रदेश अन्य पता : 1624, ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट, सेक्टर-29, नोएडा-201309	10-05-2017 रू. 2,35,58,798.90 (रूपए दो करोड़ पैंतीस लाख अठ्ठावन हजार सात सौ अठ्ठानवे तथा पैसे नब्बे मात्र)	**अपार्टमेंट नंबर डीसी-302, तृतीय तल, डीईएल कोर्ट, जेपी ग्रीन, ब्लॉक-जी, सूरजपुर, कासना रोड, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर-201309, उत्तर प्रदेश, परिमाप निर्मित क्षेत्रफल 3250 वर्ग फीट**	रू. 1,85,00,000/- (रूपए एक करोड़ पिचासी लाख मात्र)	रू. 18,50,000/- (रूपए अठारह लाख पचास हजार मात्र)	रू. 3,49,07,751.10/- (रूपए तीन करोड़ उन्चास लाख सात हाजर सात सौ इक्यावन तथा पैसे दस मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
4.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001547027 & X0HEELD00001546863** दिल्ली शाखा) **रवि पाल उदार (कर्जदार) रचना उदार, जनक मेडिकोज (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : मकान नंबर 510, 5वां तल, मास हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नंबर 24, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 **अन्य पता** : बी-9, बेसमेंट शंकर गार्डन, विकासपुरी, निकट जनकपुरी वेस्ट मेट्रो स्टेशन, नई दिल्ली-110075 **अन्य पता** : सम्पत्ति सं. 106, पाकेट बी, सेक्टर -26, रोहिणी, दिल्ली-110089	29-01-2019 रू. 2,94,20,847.37 (रूपए दो करोड़ चौरानवे लाख बीस हजार आठ सौ सैंतालीस तथा पैसे सैंतीस मात्र)	**फ्लैट नंबर 510, 5वां तल, मास हाउसिंग सोसायटी का लेआउट प्लान, प्लॉट नंबर 24, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075**	रू. 1,00,00,000/- (रूपए एक करोड़ मात्र)	रू. 12,00,000/- (रूपए बारह लाख मात्र)	रू. 2,91,74,071.80 (रूपए दो करोड़ इक्यानवे लाख चौहत्तर हजार इकहत्तर तथा पैसे अस्सी मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
5.	(ऋण खाता संख्या **X0HEEDL00001614611** दिल्ली शाखा) **चाहत अग्रवाल (कर्जदार) सविता अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : 3066/7बी/1ए रंजीत नगर, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली-110008	16-04-2018 रू. 1,45,06,860.92 (रूपए एक करोड़ पैंतालीस लाख छह हजार आठ सौ साठ तथा पैसे बानवे मात्र)	**सम्पूर्ण भू तल, टेरेस/छत का अधिकार नहीं (उक्त सम्पत्ति) 3066/7बी/1ए का हिस्सा, परिमाप 200 वर्ग गज, खसरा नंर 73 तथा 382/46 का हिस्सा, ग्राम शादीपुर आबादी रंजीत नगर, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली चौहद्दी - पूरब : रास्ता, पश्चिम : रोड, उत्तर : अन्य सम्पत्ति, दक्षिण : अन्य सम्पत्ति**	रू. 1,25,00,000/- (रूपए एक करोड़ पच्चीस लाख मात्र)	रू. 10,00,000/- (रूपए दस लाख ,मात्र)	रू. 1,80,31,266.2/- (रूपए एक करोड़ अस्सी लाख इकतीस हजार दो सौ छियासठ तथा पैसे बीस मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
6.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00000812911 & X0HEDHE00001079281** दिल्ली शाखा) **विकास सरदाना (कर्जदार) शालिनी सरदाना, पूर्नवी इवेन्ट्स प्रा. लि. (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : 30-ए-पाकेट-बी, डीडीए फ्लैट्स, हरि नगर, नई दिल्ली-110064 **अन्य पता** : प्लॉट नंबर 38, फ्रंट पोर्शन, द्वितीय तल, डीएलएफ इंड-एरिया, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015	10-02-2018 रू. 1,69,95,722.81 (रूपए एक करोड़ उनहत्तर लाख पिचानवे हजार सात सौ बाईस तथा पैसे इक्यासी मात्र)	**सम्पत्ति परिमाप 150 वर्ग गज, सम्पत्ति सं. के-105, द्वितीय तल एवं तृतीय तल, बसईदारापुर ग्राम, कीर्ति नगर, नई दिल्ली**	रू. 1,42,00,000/- (रूपए एक करोड़ बयालीस लाख मात्र)	रू. 14,20,000/- (रूपए चौदह लाख बीस हजार मात्र)	रू. 1,83,20,715.60/- (रूपए एक करोड़ तिरासी लाख बीस हजार सात सौ पंद्रह तथा पैसे साठ मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
7.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00000985469** दिल्ली शाखा) **राजेश गुप्ता (कर्जदार) श्रीमती रीतू, राकेश गुप्ता, ईश्वर गुप्ता (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : 3 बी रतन बाग रेलवे स्टेशन रोड, नांगलोई, नई दिल्ली-110041 **अन्य पता** : बी-106, फेज-2, नांगलोई, नई दिल्ली-110041	20-10-2016 रू. 2,74,78,169.10 (रूपए दो करोड़ ग्यारह लाख पिचासी हजार आठ सौ इकसठ तथा पैसे अठ्ठानवे मात्र)	**सम्पत्ति सं. 3 बी, परिमाप 200 वर्ग गज, निर्मित क्षेत्रफल 3600 वर्ग फीट, खसरा नंबर 36/13 मिन, ग्राम नांगलोई जाट, आबादी रतन बाग, नांगलोई, नई दिल्ली-110041 चौहद्दी - उत्तर : अन्य प्लॉट, दक्षिण : अन्य प्लॉट, पूरब : स्टेशन रोड, पश्चिम : गली**	रू. 1,75,00,000/- (रूपए एक करोड़ पचहत्तर लाख मात्र)	रू. 17,50,000/- (रूपए सत्रह लाख पचास हजार मात्र)	रू. 4,74,28,019.30/- (रूपए चार करोड़ चौहत्तर लाख अठ्ठाईस हजार उन्नीस तथा पैसे तीस मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
8.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001285918** दिल्ली शाखा) **अंकित सिंह (कर्जदार) जयवन्ती शेरावत (सह-कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : फ्लैट नंबर 31, तृतीय तल, एचआईजी, गुडविल अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 48, रोहिणी, नई दिल्ली-110085	20-06-2018 रू. 1,23,20,036.34 (रूपए एक करोड़ तेईस लाख बीस हजार छत्तीस तथा पैसे चौंतीस मात्र)	**रोहिणी, नई दिल्ली-110085 में स्थित गुडविल अपार्टमेंट के नाम से मशहूर गुडविल सीजीएचएस लिमिटेड, सेक्टर -13 के लेआउट प्लान में दर्शित सम्पत्ति एचआईजी फ्लैट नंबर 31, प्लॉट नंबर 48, तृतीय तल।**	रू. 80,00,000/- (रूपए अस्सी लाख मात्र)	रू. 8,00,000/- (रूपए आठ लाख मात्र)	रू. 1,57,75,840/- (रूपए एक करोड़ सत्तावन लाख पचहत्तर हजार आठ सौ चालीस मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक

नीलामी के नियम एवं शर्तें

1. **सीलबंद बिड/ऑफर प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि :** सीलबंद बिड/ऑफर निर्धारित निविदा प्रपत्र में ईएमडी तथा केवाईसी सहित शाखा कार्यालय : **प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 में 30-12-2019** तक अप. 05.30 बजे से पूर्व प्रस्तुत की जा सकती है। अधूरी निविदाएं अथवा अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं अवैध मान्य होंगी और तदनुसार अस्वीकृत होंगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. **बिड/ऑफर खोलने की तिथि (नीलामी तिथि) :** सम्पत्ति हेतु बिड/ऑफर उपरोक्त पते पर स्थित शाखा कार्यालय में **31-12-2019** को पूर्वा. 10.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में खोली जाएगी।
3. **अचल सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि** 18-12-2019 को **पूर्वा. 10.00 बजे से अप. 03.30 बजे** के बीच है।
4. इसके अतिरिक्त, सूचना में वर्णित बकाया राशि पर, इसकी पूर्ण वसूली तक, ऋण अनुबंध के अनुसार ब्याज तथा अनुषंगी व्यय, लागत इत्यादि प्रभारित किए जाएंगे।
5. एतद्द्वारा कर्जदारों तथा गारंटरों को बिक्री के समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है तथा वे बिक्री के नियम एवं शर्तों के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु इच्छुक क्रेता/खरीदार ला सकते हैं।
6. **एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/तथा गारंटर(रों) को सरफासी ऐक्ट, 2202 के तहत बिक्री के संबंध में 15 दिन का नोटिस दिया जाता है** कि वे उपरोक्त राशि नीलामी की तिथि से पहले चुकता कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी की जाएगी तथा शेष राशि, यदि कोई होगी, ब्याज एवं लागत सहित वसूल की जाएगी। यदि कर्जदार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया पूरी राशि बिक्री से पहले चुका देता है, तो नीलामी रोक दी जाएगी।
7. नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तें निर्धारित निविदा प्रपत्र में दी गई हैं। निविदा प्रपत्र उपरोक्त शाखा कार्यालय में उपलब्ध हैं।
8. अचल सम्पत्ति उच्चतम निविदादाता को बेची जाएगी। तथापि प्राधिकृत अधिकारी को आवश्यक समझे जाने पर परस्पर बोलीदान की अनुमति देने का विवेकाधिकार प्राप्त है। उपरोक्त सम्पत्ति सुरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी।
9. **चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी भी लम्बित देयता के लिए जिम्मेदार नहीं है। सम्पत्ति "जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार" पर नीलाम की जाएगी।**
10. कुल बकाया ऋण राशि ऋण पूर्वबंदी राशि नहीं है। अन्य सभी प्रभारों (यदि कोई) की गणना ऋण बंद करते समय की जाएगी।
11. डिमांड ड्राफ्ट केवल **'चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड'** के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।

अतिरिक्त विवरण के लिए, प्राधिकृत अधिकारी से उपरोक्त कार्यालय पते पर सम्पर्क करें।

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

स्थान : दिल्ली/एनसीआर दिनांक : 01-12-2019

योग पर भारी भोग

यूपी के दो ताकतवर नेताओं की पिछले दिनों प्रधानमंत्री के दरबार में पेशी हुई। दोनों से सवाल हुये जिसमें योग पर भोग फिर भारी पड़ा है। पीएम के दरबार में जिन दो नेताओं की पेशी हुई उनमें एक रात-दिन पसीना बहाने में जुटा है जबकि दूसरा सत्ता का पूरा मजा राजनीतिक अन्दाज में उठा रहा है। सरकार बनने के बाद से दोनों नेताओं के बीच छत्तीस का रिश्ता रहा हैं। एक पर दूसरे का आरोप हैं कि उनके भ्रष्टाचार से सरकार की छवि खराब हो रही है जबकि दूसरे का तर्क रहा है कि सरकार चलाने के लिये सबकुछ करने की जरूरत होती है। बहरहाल सरकार बनने के कुछ ही महीनों बाद एक ने दूसरे के भ्रष्टाचार की शिकायत संगठन के शीर्ष नेतृत्व को भेजी थी लेकिन इसका कुछ असर नहीं हुआ। अभी कुछ महीने पहले फिर केन्द्र सरकार के मुखिया तक बात पहुंची और दोनों को बुलाया गया। एक ने दूसरे के भ्रष्टाचार गिनाये तो दूसरे ने बड़े-बड़े आयोजनों पर हुये खर्चो का हवाला देकर पहले के आरोपों को खारिज कर दिया। दोनों नेताओं का अचानक कद बढ़ा है और सरकार में बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

नौ दिन चले...

स्मार्ट सिटी पर सरकार के स्तर पर सर्वेक्षण 2020 को लेकर बैठकें भी शुरू हो गयीं लेकिन शुरू नहीं हुआ तो केवल क्षेत्र में काम। अब बताइए जरा, पिछले वर्ष भी साहब दौड़े-दौड़े देश से लेकर शहर तक में कार्यशालाएं व बैठकें की थी लेकिन नतीजा यह कि टाप 20 शहरों में भी लखनऊ शामिल नहीं हो सका। सिटीजन फीड बैक में जरूर नंबर एक हो गए लेकिन और सभी स्थानों में पीछे रह गए जो आज तक आगे नहीं हुए। हालांकि साहब की मैराथन दौड़ में कोई कमी नहीं आयी। नगर निगम के सफाई अधिकारी साहब की ओर देख रहे, और साहब प्राइवेट के कुछ चुनिंदा स्मार्ट बंदों की ओर। साहब को स्मार्ट बंदों ने ऐसी सलाह दी कि अभी तक डस्टबिन रखने का कार्य भी नगर निगम नहीं कर सका जबकि लखनऊ की मेयर साहिबा ने स्वयं अपने हाथों में कमान संभाल रखी थी फिर भी अधिकारी सर्वोच्च स्थान पर लखनऊ को नहीं बैठा पाए। हालांकि इसके पीछे सिर्फ साहब नहीं, बल्कि कर्मचारी व क्षेत्र के निवासी भी जिम्मेदार हैं। ऐसा कई बार पूर्व प्रदेश के विभागीय मुखिया ने भी कहा। उन्होंने स्मार्ट कार्य करने के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से लेकर नगर निगम कार्यालय तक दौरा, बैठकें कर कोशिश की। लेकिन वाह रे लखनऊ की किस्मत इस बार वह भी उनके साथ नहीं।

काम आए पुराने रिश्ते

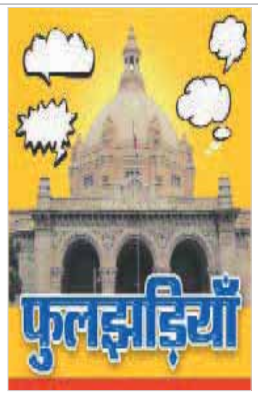

खाकी वाले दूसरे महकमे के मुखिया के दिन इस समय कुछ ठीक नहीं चल रहे। कहां पुलिस महकमे का प्रमुख बनने का ख्वाब देखते हुए इसी दिशा में जोड़-तोड़ में जुटे हुए थे कहां मौजूदा कुर्सी तक खतरे में पड़ गयी। वह तो भला हो कि जब आईजी थे तब बाबा गोरखनाथ की नगरी में भी तैनात रहे। लिहाजा पुराने संबंधों के चलते कुर्सी जाते-जाते बची। दरअसल उनके महकमे में एक जिले से शुरू हुआ ड्यूटी घोटाले का जिन्न धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में फैल गया और तुरंत उनके विरोधी अफसर उनकी कुर्सी खिसकाने के प्रयासों में जुट गए। महकमे में ही चर्चा है कि उनकी जगह इस कुर्सी पर अगर कोई दूसरा अधिकारी होता तो वह अब तक न सिर्फ हट गया होता बल्कि कुछ न कुछ कार्रवाई भी हो गयी होती लेकिन बाबा गोरखनाथ की नगरी में तैनाती के दौरान बड़े महाराज के हाथों काफी प्रसाद ग्रहण किया था। बस उन्हीं संबंधों के चलते भगवा पार्टी के मुखिया ने उन्हें बख्श दिया है।

सरकारी सेवा की चाहत

काम किसी के आते नहीं और काम कुछ करते नहीं, फिर भी अपने आप को व्यस्त दर्शाने वाले समाजवाद के जाट आजकल बीमार चल रहे हैं। जब तक सत्ता का सुख भोगे तबतक सरकारी सेवा का आनन्द लेते रहे और आज भी सरकारी सेवा से ही काम चलाना चाहते हैं। अन्तंर सिर्फ इतना है जब समाजवाद के यह जाट साहब सत्ता सुख भोग रहे थे उस दौरान सरकारी सेवा में इनको मिठास का आनन्द मिल रहा था और अब जब सत्ता से बाहर है तो इन्हें सरकारी सेवा का स्वाद तीखा और खारा लग रहा है लेकिन इसके बावजूद भी यह सरकारी सेवा लेने से परहेज नही कर रहे हैं। जाट जी एक कार्यक्रम में गए थे उसी दौरान एक ईंट, जिसे इन्होंने कभी ठोकर मारी होगी आकर इनके पैर के अंगूठे से लग गई और अगूंठा बुरी तरह से घायल हो गया। जाट साहब की कंजूसी जगजाहिर है तो वे कैसे अपने घायल अंगूठे को किसी प्राईवेट चिकित्सक को दिखाते। वहां तो उनका पैसा चर्ख हो जाता। इसलिए वह तत्काल ही सरकारी अस्पताल पहुंच गए और जब पूरा इलाज कराकर घर पहुंचे तो उस सरकारी व्यवस्था को खूब कोसा जिसकी वे अपनी सत्ता में तारीफों के कसीदे पढ़ा करते थे। अब यह बात समझने की है कि जाट साहब को जो सरकारी सेवा मिली उसके प्रति उनकी टीस सत्ता से बाहर रहने की है या फिर कुछ और।

मामला ठंडे बस्ते में

अपने संस्थान में वैकल्पिक सरकार के मुखिया ने जब से कार्यभार संभाला है तब से एक चीज की चर्चा होना बंद हो गयी है। पुराने मुखिया के कार्यकाल में एडवांस में ली गयी रकम के समायोजन की रोज खबरें आती थीं मगर वैकल्पिक सरकार में ऐसी खबरों का टोटा हो गया है। अब न तो कोई नोटिस जारी हो रही है और न ही कोई समायोजन के लिए लेखा कार्यालय के चक्कर लगा रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे सभी को क्लीयरेंस मिल गया है। संस्थान के कोषाधिकारी ने भी चुप्पी साध ली है। अब इस चुप्पी के राज के बारे में वही बता सकते हैं या फिर सरकार के मुखिया। गुरुजनों की तो चांदी ही चांदी है। चर्चा है कि पिछले दिनों शिक्षकों के संगठन ने इस पर नाराजगी जताई थी कि रोज आ रही खबरों से उनके सम्मान को चोट पहुँच रही है। इस तरह का घटनाक्रम जारी रहा तो मजबूरन उन्हें मानहानि का दावा करना पड़ेगा। यह बात पुरानी सरकार के कार्यकाल की है मगर नई वैकल्पिक सरकार में ऐसा कुछ भी नहीं है। अब मामला ठंडे बस्ते में चला गया है। शायद इसके पीछे लोग समर्थन से सरकार चला रहे मुखिया को जिम्मेदार मान रहे हैं।

ग्राम स्वराज अभियान के जरिए घर-घर पहुंचेगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के मोर्चें ग्राम स्वराज अभियान के तहत गांव-गांव पहुंचकर हर दर पर दस्तक देंगे। भाजपा का ग्राम स्वराज अभियान रविवार से प्रारम्भ होकर महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस 30 जनवरी तक राष्ट्रपिता के संदेश को लेकर गांव-गांव तक पहुंचेगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह तथा प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने ग्राम स्वराज अभियान से जुड़े मोर्चा प्रमुखों को निर्देशित करते हुए प्रत्येक पदाधिकारी को गांव में प्रवास करने के लिए कहा है।

बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व अभियान प्रभारी गोबिन्द नारायण शुक्ल ने बताया कि 1 से 7 दिसम्बर तक प्रत्येक जिले में कार्यशाला आयाजित करने के निर्देश दिए। जिलों में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं में पार्टी के जिलाध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चों के जिले में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चो के क्षेत्रीय पदाधिकारी व जिला पदाधिकारियों के साथ मोर्चों के मण्डल अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। जिले की कार्यशालाओं में प्रदेश से पदाधिकारी पहुंचकर अभियान से जुड़े विषय को विस्तार से रखेंगे।

शुक्ल ने बताया कि दो माह तक चलने वाले ग्राम स्वराज अभियान में मोर्चो के पदाधिकारी आवंटित गांव के सभी बूथों पर प्रवास करते हुए बूथ समितियों के साथ बैठक करेंगे और गांव के प्रत्येक घर तक केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी को पहुंचांगे तथा लाभार्थियों से भेंट करेंगे। इसके साथ ही भाजपा जन-जन के दर पर पहुंचकर फीडबैक लेने का भी काम करेगी। शुक्ल ने बताया कि ग्राम स्वराज अभियान के तहत पार्टी के प्रवासी पदाधिकारी, युवा, महिला, किसान, प्रबुद्धजन, वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अधिवक्ता सहित सभी वर्गों के साथ बैठकर केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे तथा जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35ए सहित अदम्य राजनैतिक साहस के साथ लिए गये निर्णयों पर भी जनमानस से राय शुमारी की जाएगी। इसके साथ ही स्वच्छता, सेवा, सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति का संकल्प, जल संरक्षणए बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ, शिक्षा और पर्यावरण जैसे जनसरोकार के विषयों के साथ भाजपा जनता के बीच पहुंचेगी।

गोविन्द नारायण शुक्ल ने बताया कि मोर्चों के पदाधिकारियों को ग्राम स्वराज अभियान के जिला प्रवासी रूप में जिले आवंटित किये। युवा मोर्चो प्रदेश अध्यक्ष सुभाष यदुवंश नोएडा महानगर, गौतमबुद्धनगर व बस्ती, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी राजा वर्मा हापुड़ व बुलन्दशहर, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह मीरजापुर व सोनभद्र, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैदर अब्बास चांद को जौनपुर व आजमगढ का अभियान जिला प्रवासी नियुक्त किया गया है।

यूपी ही नहीं देश के विकास की इबारत लिखेगा जेवर एयरपोर्ट: बीजेपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता डा. चंद्रमोहन ने कहा कि विकास के जिस अभूतपूर्व कार्य को पिछली समाजवादी पार्टी और उससे पहले बहुजन समाज पार्टी की सरकार केवल अटकाती रहीं उसे भाजपा सरकार धरातल पर उतारने जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में बनने वाले जेवर एयरपोर्ट के लिए निर्माता कंपनी का चयन कर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार की विकासपरक सोच को पंख लगाने की पूरी तैयारी कर ली है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट यूपी ही नहीं देश के विकास में एक नई इबारत लिखेगा। इसके जरिए न केवल एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा बल्कि एक लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार का सृजन भी होगा। यह प्रदेश और केंद्र सरकार की विकास के प्रतिबद्धता को जाहिर करता है। यूपी में हवाई यातायात को गति देने के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। पूर्वांचल के सुदूर पिछड़े इलाके कुशीनगर में हवाईअड्डे को नया रूप देने का कार्य तेजी से शुरू हो चुका है। चन्द्रमोहन ने कहा कि सरकार ने एयरपोर्ट की पुरानी बिल्डिंग को बदलकर इसे नए टर्मिनल में तब्दील करने के लिए बजट जारी किया है। इसके अलावा गोरखपुर के हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान करने के लिए यहां पर अंडरग्राउंड टनल और फु टवे तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में जुटी प्रदेश की योगी की सरकार ने यहां पर हवाई अड्डे के निर्माण के लिए 640 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि इसी तरह चित्रकूट जिले की देवांगना हवाई पट्टी पर जल्द से जल्द विमान उतारने के लिए सरकार जरूरी कार्यवाही कर रही है।

लोगों के कल्याण के लिए सरकार चला रही अनेक योजनाएं: श्रम मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● वर्तमान वित्तीय वर्ष में 25.50 लाख श्रमिकों का पंजीकरण किया जाना है: स्वामी प्रसाद मौर्य

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की सरकार गरीबों, मजदूरों, किसानों व बेसहारा लोगों के हितों के लिए कार्य कर रही है। समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण एवं विकास के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं लघु व्यापारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर इन्हें वृद्धावस्था में पेंशन देने के लिए प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना एवं प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना संचालित की गयी हैं। योजनान्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 25.50 लाख श्रमिकों का तथा 9.18 लाख व्यापारियों का पंजीकरण किया जाना है।

अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों एवं व्यापारियों को लाभान्वित करने के लिए शनिवार 30 नवम्बर से 6 दिसम्बर 2019 तक पेंशन सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान 2.40 लाख श्रमिकों को पंजीकृत किया जाना है। यह जानकारी श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने शनिवार को श्रमिकों एवं लघु व्यापारियों के पंजीयन के लिए कांशीराम सांस्कृतिक स्थल में आयोजित कार्यक्रम में पेंशन सप्ताह का शुभारम्भ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत पेंशन का लाभ लेने के लिए असंगठित कामगारों एवं लघु व्यापारियों को 18 से 40 वर्ष की आयु का होना चाहिए। कामगारों की वार्षिक आमदनी 1.80 लाख हो तथा व्यापारियों का वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ तक हो और ये ईपीएफ एनपीएस/ईएसआईसी के सदस्य तथा आयकर दाता न हो, उन्हें 60 वर्ष की आयु पर 3000 रु. मासिक पेंशन मिलेगी। इस योजना में जितना पैसा लाभार्थी जमा करेगा, उतना ही पैसा केन्द्र सरकार उसके खाते में जमा करेगी। आयु के अनुसार 55 रु. से 200 रु. तक जमा किया जाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रम एवं राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी ने पेंशन के लिए श्रमिकों एवं व्यापारियों को अधिक से अधिक पंजीकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ लेने तथा गरीबी से मुक्ति के लिए पंजीकरण जरूरी है। जिससे उनके खाते में उनके हक का पूरा पैसा भेजा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2022 तक प्रदेश सरकार सभी गरीबों को पक्का मकान दिया जाए। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन सुरेश चन्द्रा ने कहा कि 23 करोड़ आबादी वाले इस प्रदेश में 5 करोड़ असंगठित कर्मकार हैं। 50 लाख श्रमिक उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत हैं। पंजीकृत सभी श्रमिकों को 17 लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन पेंशन योजना के तहत एक श्रमिक को 18 वर्ष 40 वर्ष के बीच कुल 27,200 रु. जमा करना है और इतनी ही राशि केन्द्र सरकार इनके खाते में जमा करेगी।

बिजली कर्मियों को दी जाए सस्ती बिजली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● उप्र बिजली मजदूर संगठन की मंडलीय कमेटी गठित

उप्र बिजली मजदूर संगठन के प्रांतीय महामंत्री सुहेल आबिद की अध्यक्षता में विद्युत नगरीय वितरण मण्डल-प्रथम, पंचम, लेसा, सिस गोमती लखनऊ में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिजली मज़दूर संगठन की मण्डलीय स्तर की कमेटी का गठन किया गया। जिसमे ओम प्रकाश विश्वकर्मा को संरक्षक तथा अनिल कुमार को अध्यक्ष चुना गया। वहीं फ़रहीन सत्तार कार्यवाहक अध्यक्ष व नीतू सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुनी गयीं। बैठक में दीपक सिंह, नीलम कुमारी, सुरेंद्र कश्यप व दीपक मिश्रा को उपाध्यक्ष तथा शाश्वत शुक्ल को मंत्री चुना गया साथ ही सपना पांडेय, वीरेंद्र शर्मा, पवन शर्मा, गौरव श्रीवास्तव, राजीव कुमार को अतिरिक्त मंत्री तथा आरपी यादव, भानु अवस्थी व राजीव भारती को उपमंत्री चुना गया। जहाँ अरविंद कुमार को कोषाध्यक्ष व राधेश्याम को संगठन मंत्री चुना गया वहीं आशा व हरिराम प्रचार मंत्री चुने गए। बैठक में रज़ा मुराद अली, शक्ति व अखिलेश को सदस्य कार्यकारिणी चुना गया। बैठक में सुहेल आबिद ने प्रबंधन द्वारा किये गए स्डट-10 की सुविधा को समाप्त करने के आदेश का पुरजोर विरोध किया।

उन्होंने बताया कि जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रो में रियायती दरों पर उपभोक्ता को बिजली दी जाती वहीं उसी क्षेत्र में निवास करने वाले बिजलीकर्मी को महानगर की दर से ही अपने वेतन से बिजली के मद में कटौती करानी पड़ती है। 19 साल पहले विभाग के 78 करोड़ के घाटे को कम करने के नाम पर हुए गलत विघटन के चलते विभाग आज लगभग 85 हज़ार करोड़ के घाटे के तले दब चुका है जिसकी भरपाई वो बिजली के मजदूरों के मिलने वाली सुविधाओं को खत्म कर के पूरा करना चाहते है जिसे बिजली का मज़दूर किसी भी दशा में बर्दाश्त नही करेगा। इसके लिए उसे किसी स्तर तक आंदोलन करना पड़े बिजली मज़दूर संगठन जाएगा। परिवहन, रेलवे आदि यहाँ तक कि निजी घराने भी अपने कार्मिकों को कुछ न कुछ सुविधाएं देते है तो फ़िर अपनी जान की कुर्बानी लगाकर काम करने वाले बिजली मज़दूरों के साथ ऐसा सौतेला व्यवह क्यों? युवा इकाई के महामंत्री अमिताभ सिन्हा ने बताया कि पूरे सूबे को रोशन करने वाले बिजली के मज़दूर के घरों को अंधेरों में रखने का काम प्रबंधन के इस अविवेकपूर्ण आदेश ने किया है वो भी तब जब पूरे सूबे के बिजली का मज़दूर अपने वेतन से एडवांस में ही लगभग 165 करोड़ रुपये सालाना कटवा देता है। दरअसल प्रबंधन अपनी गलत नीतियों की समीक्षा करने के बजाय उल्टा विभाग विरोधी व कर्मचारी विरोधी नीतियाँ अपनाने पे तुला हुआ है जिससे बिजली विभाग में कार्य संस्कृति पर एकदम ही उल्टा असर देखने को मिल रहा।

निष्कासित वरिष्ठ नेता प्रदेश में चलाएंगे कांग्रेस बचाओ अभियान

लखनऊ(पीएनएस)। बगावती तेवरों के बाद छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किए गए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश में कांग्रेस बचाओ अभियान चलाने का निर्णय किया है। वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक शनिवार को पूर्व सांसद संतोष सिंह के आवास पर हुई। पूर्व विधायक विनोद चौधरी के अनुसार बैठक में सर्वसम्मिति से तय हुआ कि कांग्रेस बचाओ अभियान के तहत आंचलिक स्तर पर विचार मंथन आयोजित किए जाएंगे। बैठक में कांग्रेस द्वारा आगरा, बरेली, हाथरस एवं बाराबंकी आदि जनपदों में निष्ठावान कांग्रेसियों के किए गए निष्कासन की घोर निंदा की गयी। तीन पूर्व विधायकों के निष्कासन की भी घोर निंदा की और कहा कि हमारा कारवां बढ़ रहा है। सैकड़ों लोग जुड़ रहे हैं। निष्कासित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से कांग्रेसजनों से अपील की हैकि कांग्रेस पार्टी पर आए कृत्रिम संकट से बचने के लिए कांग्रेस बचाओ अभियान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लें। नेताओं ने कहा कि पार्टी में घुस आए कुछ बाहरी तत्व नेतृत्व को गुमराह करके प्रदेश से कांग्रेस का नाम मिटाने का षड़यंत्र कर रहे हैं। समस्त वरिष्ठ नेताओं ने संकल्प किया है कि ऐसे तत्वों जिसका कांग्रेस के विचारों से लेना देना नहीं है। ऐसे लोगों को उजागर कर उनके नापाक इरादों को कामयाब नहीं होने देंगे।

गोडसे को देशभक्त कहे जाने के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन

● भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर को बर्खास्त करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथू राम गोंडसे को संसद में देशभक्त कहे जाने के विरोध में लखनऊ में शनिवार को एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुन्दन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया। माल एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय से जीपीओ तक पैदल मार्च निकाला गया और फिर गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई यूपी मध्य जोन के मीडिया प्रभारी आदित्य चौधरी ने बताया कि इस मौके पर नीरज कुन्दन ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे का महिमामंडन करके भाजपा की सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने देश के करोड़ों करोड़ लोगों का अपमान किया है। यह देश गांधी का देश है। नाथूराम गोंडसे ने गांधीजी की हत्या की थी और

ऐसे व्यक्ति को संसद में देशभक्त कहकर प्रज्ञा ठाकुर ने राष्ट्र विरोधी कार्य किया है। जिसके लिए उन्हें भाजपा को उनकी सदस्यता से बर्खास्त करते हुए पार्टी से बर्खास्त करना चाहिए। हैदराबाद में प्रियंका रेड्डी की जलाकर हुई हत्या पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुन्दन ने घोर निन्दा करते हुए दो मिनट मौन रहकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर दोषियों को फांसी दिलायी जाए: प्रमोद तिवारी

● कांग्रेस नेता ने हैदराबाद व रांची गैंगरेप और हत्याकांड को लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने हैदराबाद और रांची में हुई सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने इन दोनों मामलों का मुकदमा फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर दोषियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की है। वहीं उन्होंने आर्थिक मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि भारत की विकास दर पिछले सात सालों में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गयी है। प्रमोद तिवारी ने कहा है कि हैदराबाद में एक महिला डाक्टर को अगवा किया गया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार करके उसे जिन्दा जला दिया गया। महिला डाक्टर से बलात्कार के प्रकरण के बाद उसी इलाके में एक दूसरी महिला की जली हुई लाश मिली। इसी प्रकार से भाजपा शासित राज्य रांची (झारखण्ड) में एक महिला को राष्ट्रीय राजमार्ग से उठाकर गांव में ले गए और उसके साथ 12 लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही है भारतीय जनतापार्टी का बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के नारे का सच। आज महिलाएं राष्ट्रीय राजमार्गो पर भी सुरक्षित नहीं हैं और उनका अपहरण करके उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है। तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने अराजक तत्वों और बलात्कारियों के सामने घुटने टेक दिए हैं।

छात्रा की मौत के मामले में तुरंत हो कार्रवाई: प्रियंका

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर बीती 16 सितंबर को मैनपुरी के जवाहर नवोदय विद्यालय में एक छात्रा की कथित खुदकुशी मामले की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है। प्रियंका ने कहा है कि दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इस हत्याकांड में न तो कोई जांच हुई और न ही कोई कार्रवाई। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस घटना से जुड़ी सच्चाई को सामने लाने और छात्रा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए मामले की निष्पक्ष रूप से जांच कराई जाए।

प्रिंयका ने अपने पत्र में

जानकारी दी है कि मैनपुरी निवासी सुभाष पांडेय की पुत्री एवं नवोदय विद्यालय की छात्रा की हत्या की घटना दिल को दहला देने वाली है। प्रदेश की तमाम शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ र ही छात्राओं की सुरक्षा के लिहाज से और सुभाष पांडेय के परिवार को न्याय दिलाने के लिए कुछ बिन्दुओं पर ध्यान देना जरूरी है। मसलन सुभाष पांडेय की पुत्री छात्रावास में संदिग्ध स्थिति में मृत अवस्था में पाई गई। पंचनामे में मृतका के शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी प्रकार की चोट की आशंका नहीं जताई गई। मृतका के परिवार वालों का कहना हैकि लड़की की हत्या हुई है। माता पिता की गैरमौजूदगी में एकदम गैरकानूनी तरीके से लड़की के शव का जलप्रवाह करा दिया गया। मृतका के परिवार ने लगातार इस घटना को लेकर सवाल उठाए हैं और कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। उनको ये जानने का पूरा हक है कि उनकी बेटी के साथ क्या घटना घटी। इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। क्या प्रशासन किसी को बचाने का प्रयास कर रहा है। इस घटना में एक निष्पक्ष जांच से जुड़े कई सारे पहलू हैं, जिन्हें सामने लाना अत्यंत आवश्यक है और परिवार को संतुष्ट करने के लिए एकदम जरूरी है। इस घटना को हुए दो महीने से ज्यादा बीत चुके हैं और प्रकरण में नामजद प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है लेकिन हैरानी की बात है कि न तो अभी तक इसकी कोई जांच हुई है और न ही किसी तरक का कोई एक्शन लिया गया है।

प्रियंका ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि सुभाष पांडेय के परिवार को न्याय दिलाने और इस घटना से जुड़ी सच्चाई को सामने लाने के लिए इस मामले में तुरंत व निष्पक्ष कार्रवाई करने की जरूरत है। इस मामले को संज्ञान में लेकर तुरंत कार्रवाई का आदेश दें और सुभाष पांडेय के परिवार को न्याय दिलाएं। उत्तर प्रदेश की तमाम बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा के लिए भी इस मामले में कार्रवाई होना बहुत जरूरी है।

आतंकवाद पर नियंत्रण मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि

सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताईं

भाषा। नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले छह महीने की अवधि में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण, अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को देश में शांतिपूर्वक स्वीकार किए जाने और वैश्विक आर्थिक मंदी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभावों को न्यूनतम करने को बड़ी उपलब्धि बताया है।

जावड़ेकर ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आज छह महीने पूरे हुए हैं। इन छह महीनों में देश तरक्की की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम इस कार्यकाल में देश हित प्रथम की नीति पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इस दौरान जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाया गया और पिछले चार महीने में कश्मीर में आतंकवाद एकदम कम है। कश्मीर में पहले आतंकवाद हावी होता था अब आतंकवाद पीछे हट गया है। यह बड़ा बदलाव इस दौरान आया है और वहां जनजीवन सुव्यवस्थित है। इसलिए अब जम्मू-कश्मीर में भी विकास के नए रास्ते खुले हैं। जावड़ेकर ने कहा कि पिछले छह महीने में हुए संसद के दो सत्रों के दौरान पहली बार सबसे अधिक काम हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश के रक्षा कवच में राफेल विमान का शामिल होना भी देश की सुरक्षा के लिहाज से बड़ी उपलब्धि रही।

जावड़ेकर ने इस अवधि में तीन तलाक को प्रतिबंधित करने वाला कानून लागू होना, आधारभूत ढांचागत विकास योजनाओं में तेजी से बढ़ रहे निवेश को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा, अयोध्या का फैसला भी इसी दौरान आया जिसे पूरे देश ने बहुत शांति और संयम से स्वीकार किया। सभी समुदायों ने इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाई। आर्थिक मंदी के मामले में जावड़ेकर ने कहा कि वैश्विक मंदी का थोड़ा असर भारत पर भी होना स्वाभाविक है लेकिन आर्थिक मोर्चे पर बैंकों के विलय, बैंकिंग क्षेत्र को

नई दिल्ली में शनिवार को एक सम्मेलन में भाग लेते केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी एवं 12 राज्यों के वन मंत्री

उपग्रह की मदद से होगी वृक्षारोपण अभियान में लगे पेड़ों और जंगलों की निगरानी: जावड़ेकर

भाषा। नई दिल्ली

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कहा कि देश के हरितक्षेत्र को बढ़ाने के लिए शुरू किए सघन वानिकीकरण और वृक्षारोपण अभियान में लगे पेड़ों की निगरानी में उपग्रह की मदद ली जाएगी। जावड़ेकर ने देश के हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए गठित कैंपा फंड के व्यय की समीक्षा के लिए सभी राज्यों के वन मंत्रियों की यहां आहूत बैठक के बाद बताया कि हरित और वन क्षेत्र में विस्तार के लिए पिछले पांच साल में 12 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं। पेड़ों के उचित रखरखाव और वृद्धि पर निगरानी के लिए उपग्रह आधारित तंत्र विकसित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने विकास परियोजनाओं के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए 2009 में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 47 हजार करोड़ रुपए का एक पृथक कोष (कैंपा फंड) स्थापित किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता वाले कैंपा फंड के तहत सभी राज्यों को विकास कार्यों के कारण हरित क्षेत्रों को होने वाले नुकसान की भरपाई, नए हरित क्षेत्र विकसित करके की जाती है। जावड़ेकर ने बताया कि कैंपा फंड के तहत चल रहे वानिकीकरण एवं वृक्षारोपण अभियानों की समीक्षा के लिए पिछले चार महीनों में यह दूसरी बैठक थी। इसमें बिहार के वन मंत्री सुशील कुमार मोदी सहित 12 राज्यों के वन मंत्रियों और अन्य राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि पूरे देश में लगाए जा रहे पेड़ों की सघन निगरानी उपग्रह की मदद से की जाएगी।

शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस ने अनैतिक तरीके से सरकार बनाई : राम नाईक

भाषा। ठाणे (महाराष्ट्र)

उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राम नाईक ने महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के सरकार बनाने को अनैतिक बताया है। उन्होंने कहा कि जनादेश चुनाव पूर्व बने भाजपा-शिवसेना गठबंधन के पक्ष में था, फिर भी जो पार्टियां संख्याबल में कम थीं वे आखिरकार सत्ता में आईं। मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के अपनी चुनाव पूर्व सहयोगी भाजपा से अलग होने के बाद शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने महा विकास आघाडी (एमवीए) की सरकार बनाई है। चुनाव के नतीजे आने के एक महीना से अधिक समय बाद बृहस्पतिवार को ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अक्टूबर में हुए चुनाव में भाजपा 105 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने क्रमशः 56, 54 और 44 सीटें जीतीं। नाईक ने कल्याण में शुक्रवार रात को एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, लोगों के जनादेश के अनुसार भाजपा ने सबसे अधिक सीटें जीतीं जिसके बाद शिवसेना का स्थान था। दोनों पार्टियों में चुनाव पूर्व गठबंधन हुआ था। इसलिए स्वाभाविक है कि उन्हें सरकार बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, लेकिन यह नहीं हो पाया। जिन्होंने सबसे कम सीटें जीतीं और जो इससे पहले यह कहते थे कि वे विपक्ष में बैठेंगे, अब वही एक साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए आगे आए हैं। जो भी हुआ वह अनैतिक है। नाईक यहां एक व्याख्यान देने के लिए आए थे।

प्रज्ञा ठाकुर ने हैदराबाद बलात्कार, हत्या कांड के दोषियों को सख्त सजा देने की मांग

भोपाल। भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने हैदराबाद में पशु चिकित्सक प्रियंका रेड्डी के बलात्कार और हत्या की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है। गौरतलब है कि हैदराबाद के बाहरी इलाके में गुरुवार को एक पुलिया के नीचे 27 वर्षीय पशु चिकित्सक प्रियंका रेड्डी का जला हुए शव मिला था। हत्या और बलात्कार के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। देशभर में लोगों द्वारा इस घटना पर सोशल मीडिया में तीव्र आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। ठाकुर ने ट्वीट किया, प्रियंका रेड्डी की मृत्यु से आहत हूं और श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। परिवार के दुख में मैं साथ हूं। बलात्कारी और हत्यारों को कठोर से कठोरतम दंड मिले। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी हैदराबाद की घटना पर हैरानी जताई। उन्होंने ट्वीट किया, हैदराबाद में हुई वीभत्स हत्या को जानकर पूरी तरह से स्तब्ध हूं। इस युवती ने क्या झेला है, इस बारे में सोचना मेरी कल्पना से भी परे है। यह घटना संवेदनहीनता और पशुता की पराकाष्ठा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थना शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

शिवसेना ने गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटाने पर जताई चिंता

भाषा। मुम्बई

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल और बेटी प्रियंका से एसपीजी सुरक्षा वापस लेने पर चिंता जताते हुए शिवसेना ने शनिवार को कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक मतभेदों को अलग रखना चाहिए और किसी को भी किसी की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए इस सप्ताह कांग्रेस और राकांपा से हाथ मिलाने वाली शिवसेना ने पूछा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय में किसे लगता है कि गांधी परिवार पर खतरा कम हो गया है।

पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी अनुरोध किया कि वह इस मामले पर विचार करें। मोदी अभी अकेले शख्स हैं जिनके पास एसपीजी की सुरक्षा है। केंद्र ने इस महीने की शुरुआत में गांधी परिवार का विशेष रक्षा समूह (एसपीजी) का सुरक्षा घेरा हटा दिया और इसके बजाय उन्हें सीआरपीएफ का जेड प्लस सुरक्षा घेरा दिया। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में एक संपादकीय में कहा, चाहे दिल्ली हो या महाराष्ट्र, माहौल भय मुक्त होना चाहिए। यह शासकों की जिम्मेदारी है कि ऐसा माहौल पैदा किया जाए कि लोग भय मुक्त तरीके से काम कर सकें। जब ऐसा माहौल बन जाए तो सुरक्षा घेरा हटाने पर कोई आपत्ति नहीं होगी। संपादकीय में कहा गया है, लेकिन प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के अन्य नेता अपना सुरक्षा घेरा हटाने के लिए तैयार नहीं हैं। बुलेटप्रूफ वाहनों की महत्ता भी कम नहीं हुई है। इसका मतलब है कि गांधी परिवार की सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे सवालों का कुछ तो आधार है। शिवसेना ने कहा, गांधी परिवार के काफिले में पुराने वाहन तैनात किए जाने के समाचार भी चिंताजनक हैं। अगर खतरे की घंटी बज रही है तो प्रधानमंत्री को इस मामले पर विचार करना चाहिए। गत शनिवार को महाराष्ट्र में रात में राष्ट्रपति शासन हटाए जाने का जिक्र करते हुए शिवसेना ने कहा कि अमित शाह के नेतृत्व वाले मंत्रालय को यह भी लगा कि भाजपा के देवेंद्र फडणवीस के पास राज्य में बहुमत था लेकिन सच्चाई कुछ और ही थी। फडणवीस ने राकांपा के अजित पवार के साथ रात शनिवार को महाराष्ट्र में सरकार बनाई थी लेकिन पवार के निजी वजहों से इस्तीफे के बाद यह सरकार महज 80 घंटे ही चली। शिवसेना ने कहा, अतः गांधी परिवार पर खतरा कम होने के बारे में शंकाएं अब भी हैं। शिवसेना ने 1984 और 1991 में गांधी परिवार के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों क्रमशः इंदिरा और उनके बेटे राजीव गांधी की हत्याओं को भी याद किया जिसके बाद गांधी परिवार को एसपीजी सुरक्षा दी गई थी। पार्टी ने कहा कि 1987 में जब भारत-श्रीलंका शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए तो शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे ने भी राजीव गांधी की जान पर खतरे की बात की थी। पार्टी ने कहा, सरकार को लग सकता है कि सब कुछ ठीक है लेकिन कुछ महीने पहले कोलंबो होटल में बम धमाका हुआ। शिवसेना ने कहा, कांग्रेस या गांधी परिवार के साथ राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं। पिछले पांच वर्षों में नेहरू परिवार के साथ ठकराव बढ़ गया है लेकिन किसी को भी किसी की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। उसने कहा कि अगर गांधी परिवार के अलावा कोई और भी होता तो तब भी वह ऐसे ही विचार व्यक्त करती।

नई दिल्ली में नागरिकता संशोधन विधेयक पर विभिन्न पूर्वोत्तर नेताओं के साथ वार्ता करते गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जापानी समकक्ष तारो कानो के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु के साथ

अनेक वैश्विक कंपनियां चीन से भारत आने की सोच रही हैं: सीतारमण

भाषा। मुंबई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर कारोबार कर रही करीब 12 कंपनियों ने चीन से अपने प्रतिष्ठान भारत में लाने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि ए कंपनियां भारत में हाल में घोषित 15 प्रतिशत की आकर्षक कार्पोरेट आयकर दर का फायदा उठाना चाहती हैं। वित्त मंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में नए निवेश पर कार्पोरेट कर की 15 प्रतिशत की प्रतिस्पर्धी दर की घोषणा कुछ समय पहले ही की है। सरकार ने वर्तमान कंपनियों पर भी आयकर की दर 30 प्रतिशत से घटा कर 22 प्रतिशत कर दी है। इसी तरह विनिर्माण उद्योग में एक अक्टूबर 2019 के बाद गठित और 31 मार्च 2023 तक परिचालन शुरू करने वाली कंपनियों की आय पर कर की दर 25 प्रतिशत की जगह 15 प्रतिशत कर दी गई है। वित्त मंत्री ने यहां इकोनामिक टाइम पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, मैंने कहा था कि मैं एक कार्य समूह बनाऊंगा जो चीन से निकलने वाली कंपनियों के मामलों पर गौर करेगा। इस बीच मैंने कर की दरें घटाने की घोषणा भी कर दी। उन्होंने कहा, ऐसी बहुत सी कंपनियां हैं जो रुचि दिखा रही हैं और वापस आना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कार्यबल शुरू हो गया है। उसने कंपनियों से संपर्क शुरू किया है। आखरी आकलन में मुझे बताया गया कि करीब 12 कंपनियों से बात हो चुकी है। उनको समझा गया है। उनकी उम्मीदों को जानने का प्रयास किया गया ताकि सरकार उनके सामने ठोस प्रस्ताव रख सके ताकि वे जहां है वहां से अपनी सुविधाएं भारत में ला सकें। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर ऐसी परिस्थितियों का निर्माण होगा जिसमें नए उद्योग लग सकेंगे। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है , मैं इस मामले में कुछ प्रगति की जानकारी देने की स्थिति में होऊंगी।

झारखंड विस चुनाव में लोग भाजपा सरकार की नीतियों को खारिज करें: चिदंबरम

नई दिल्ली। आईएनएस मीडिया मामले में गिरफ्तार पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने आर्थिक विकास दर में गिरावट को लेकर शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और झारखंड के लोगों से आह्वान किया कि वे भाजपा सरकार की नीतियों को खारिज करें। झारखंड में आज विधानसभा चुनाव के लिए 13 सीटों पर पहले चरण का मतदान हो रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चिदंबरम की तरफ से उनके परिवार ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले से अनुमान लगाया गया था उसी तरह दूसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर गिरकर 4.5 फीसदी हो गई। फिर भी सरकार कहती है कि सब अच्छा है। चिदंबरम ने दावा किया, तीसरी तिमाही की जीडीपी विकास दर भी 4.5 फीसदी से ज्यादा नहीं होगी बल्कि इसके और भी खराब होने की आशंका है। उन्होंने कहा, झारखंड के लोगों को भाजपा के खिलाफ वोट करना चाहिए और भाजपा सरकार की नीतियों और शासन के मॉडल को खारिज करना चाहिए।

हम लोकसभा की अपनी सफलता को आगे नहीं ले जा सके: घोष

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अध्यक्ष दिलीप घोष ने शनिवार को कहा कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा उप चुनावों में लोकसभा की सफलता को आगे बढ़ाने में पार्टी की विफलता का मुख्य कारण अनुभव की कमी थी। प्रदेश में हुए विधानसभा उपचुनाव में तीनों सीटों करीमपुर, कालियागंज और खड़गपुर सदर में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जीत हासिल की जबकि भाजपा को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। जबकि खड़गपुर सदर जीत भाजपा के पास थी।

घोष खड़गपुर सदर से विधायक थे, और वहां चुनाव इसलिए कराया गया क्योंकि उन्होंने मिदनापुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। भाजपा नेता ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उपचुनाव में मिली विफलता के कारणों का हम आकलन करेंगे। हमारे पास अनुभव की कमी थी, हालांकि हमारे कार्यकर्ताओं में उत्साह की कोई कमी नहीं थी। अनुभव की कमी से ही हम लोकसभा चुनावों में मिली सफलता को आगे नहीं बढ़ा पाए और उपचुनाव में तीनों सीट हार गए। उपचुनाव में भाजपा के प्रदर्शन का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह एकदम स्पष्ट होना चाहिए कि इस परिणाम का लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं ने उत्साह एवं ऊर्जा के साथ काम किया है।

घोष ने कहा, राज्य में हमारे पास 18 सांसद और चार विधायक हैं, जो यह दिखाता है कि भाजपा राज्य में मजबूत है, भाजपा बहुत पीछे नहीं है। हम उप चुनाव के जनादेश को स्वीकार करते हैं।

मृत उपनिरीक्षक का तबादला आदेश जारी होने पर भाजपा ने मप्र सरकार को निशाने पर लिया

भाषा। भोपाल

पुलिस मुख्यालय द्वारा एक दिवंगत उप निरीक्षक का तबादला आगर मालवा जिले से ग्वालियर करने पर मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार विपक्षी दल भाजपा के निशाने पर आ गई। पुलिस ने हालांकि इस गलती के लिए मृत उप निरीक्षक के परिवार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में देरी को जिम्मेदार ठहराया है।

प्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार 28 नवंबर को जारी उपनिरीक्षकों की तबादला सूची में आगर मालवा के सोयतकला थाने में तैनात छोटेलाल तोमर का नाम शामिल है। सूची के अनुसार तोमर का ग्वालियर जिले में तबादला कर दिया गया है जबकि तोमर का 12 नवंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। सोशल मीडिया पर तबादला आदेश वायरल होने के बाद भाजपा ने कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने तबादलों के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट किया, गजब है। नोटों का इतना लालच कि दिवंगत पुलिस अधिकारी का तबादला करने से भी नहीं चूकेंड बाकी क्षेत्रों में तो नहीं लेकिन प्रदेश में ट्रांसफर क्षेत्र में कमलनाथ सरकार की कृपा से अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। उधर, आगर मालवा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सविता सोहने ने बताया कि तोमर के परिवार ने पुलिस अधिकारी को बीमारी के चलते ग्वालियर तबादले के लिए आवेदन किया था। उन्होंने कहा, तोमर अपनी बीमारी के बाद 18 अगस्त को छुट्टी पर चले गए थे। बाद में उनके परिवार ने ग्वालियर ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था, उनके आवेदन को सिफारिश के बाद भोपाल भेज दिया गया।

उन्होंने कहा कि तोमर की मौत की सूचना मिली थी लेकिन परिजनों ने इसकी पुष्टि देर से की। तोमर का मृत्यु प्रमाण पर गुरुवार को ही उनके बेटे ने दिया है, जिसे वरिष्ठ अधिकारी को भेज दिया गया है। तबादला सूची पहले ही तैयार हो गई होगी, इसलिए सूची में उनका नाम शामिल हो गया।

येदियुरप्पा सरकार का समर्थन करने का सवाल ही नहीं: देवेगौड़ा

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जदएस प्रमुख एच डी देवेगौड़ा ने शनिवार को स्पष्ट किया कि कर्नाटक में 15 विधानसभा सीटों पर पांच दिसम्बर को उपचुनाव के बाद उनकी पार्टी के भाजपा सरकार का समर्थन करने का कोई सवाल ही नहीं है। देवेगौड़ा ने कर्नाटक के चिकबल्लापुर में चुनाव प्रचार के बीच पीटीआई को टेलीफोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, (बी एस) एदियुरप्पा सरकार को समर्थन देने का कोई सवाल नहीं है। हम कांग्रेस और भाजपा से दूर रहते हुए अपनी पार्टी को मजबूती प्रदान करने का प्रयास करेंगे। देवेगौड़ा से जब उनके पुत्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी के मीडिया में आए उस कथित बयान के बारे में पूछा गया कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास बहुमत साबित करने में कुछ सीटें कम रह जाती हैं तो जदएस चुनाव से बचने के लिए उसका समर्थन करेगी तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि कुमारस्वामी ने यह बात किस संदर्भ में कही है और क्या मीडिया में आई खबर सही है। पूर्व प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि जदएस आगामी उपचुनाव में सभी 15 सीटों पर जीत दर्ज करेगी, इनमें वे सीटें भी शामिल हैं जहां पार्टी के तत्कालीन बागी विधायक भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के बाद जदएस...भाजपा या जदएस...कांग्रेस तालमेल के उभरने की बहुत कम संभावना है। 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 105 विधायक और एक निर्दलीय विधायक का समर्थन है। कांग्रेस के 66 सदस्य हैं, जदएस के 34 और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का एक विधायक है विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के चलते रिक्त हुई 17 सीटों में से 15 पर उपचुनाव हो रहे हैं क्योंकि दो सीटों मस्की और राजराजेश्वरी नगर से संबंधित याचिकाएँ कर्नाटक उच्च न्यायालय में लंबित हैं।

आतंकवादियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे पाकिस्तान: भारत-जापान

भाषा। नई दिल्ली

भारत एवं जापान ने विदेश और रक्षा मंत्री स्तर की पहली बातों में पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे आतंकवादी संगठनों से क्षेत्रीय शांति को पैदा हो रहे खतरों पर शनिवार को चर्चा की और उससे उनके खिलाफ ठोस एवं स्पष्ट कार्रवाई करने को कहा। दोनों देशों ने पाकिस्तान से विशेष रूप से अपील की है कि वह वित्तीय कार्रवाई कार्य दल द्वारा बताए कदम उठाने समेत आतंकवाद से निपटने के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का पूरा पालन करे। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया, जबकि जापान का नेतृत्व वहां के विदेश मंत्री तोशीमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री तारो कोनो ने किया। पिछले साल 13वें भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिंजो आबे द्वारा लिए गए एक फैसले के बाद नई टू प्लस टू रूपरेखा के तहत वार्ता हुई। भारत और जापान ने एक संयुक्त बयान में कहा, मंत्रियों ने सभी देशों की ओर से यह सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया कि उनके नियंत्रण वाले किसी क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश पर आतंकवादी हमले करने के लिए नहीं किया जाए। बयान में कहा गया, उन्होंने इस संदर्भ में पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे आतंकवादी नेटवर्कों से क्षेत्रीय सुरक्षा को पैदा हो रहे खतरे को रेखांकित किया और उससे अपील की कि वह आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ ठोस एवं स्थाई कदम उठाए एवं एफएटीएफ के प्रति प्रतिबद्धताओं समेत अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का पूरा पालन करे। भारत एवं जापान ने सभी देशों से अपील की कि वे आतंकवादियों की पनाहगाह और उनके वित्तपोषण के लिए ठोस कदम उठाएं। संयुक्त बयान में कहा गया, मंत्रियों ने आतंकवाद के बढ़ते खतरे की कड़ी निंदा की और इस बात को स्वीकार किया कि यह क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

भारत-जापान संबंध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत का जापान के साथ संबंध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, समृद्धि और स्थिरता की उसकी दृष्टि का एक प्रमुख तत्व है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मोदी ने यह टिप्पणी जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री तारो कोनो के साथ एक बैठक के दौरान की।

असम में विच हंटिंग के मामलों में 2011 से अभी तक 107 लोगों की गई जान

भाषा। गुवाहाटी

असम में पिछले आठ साल में डायन बता कर हत्या (विच हंटिंग) के मामलों में कुल 107 लोगों की जान गई है। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रमोहन पटोवारी ने शनिवार को यहां राज्य विधानसभा में यह जानकारी दी। कांग्रेस विधायक नंदिता दास के लिखित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 2011 से 2016 के बीच विच हंटिंग में 84 लोगों की जान गई है। भाजपा नीत सरकार के गठन के बाद से इस साल अक्टूबर तक 23 लोग मारे गए हैं। मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की ओर से पटोवारी ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में असम विच हंटिंग (निषेध, रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम 2015 को अधिसूचित किया था और वह अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रही है। पटोवारी ने सदन को बताया कि बोडोलैंड टेरिटोरियल एरिया डिस्ट्रिक्ट्स (बीटीएडी) क्षेत्राधिकार के अधीन आने वाले कोकराझार, चिरांग और उदलगुड़ी जिले में क्रमशः सबसे अधिक 22,19 और 11 लोगों की जान गई। उन्होंने बताया कि बिस्वनाथ में नौ, गोआलपाड़ा में सात, नगांव तथा तिनसुकिया में छह-छह और कारबी आंगलोंग तथा माजुली जिले में चार-चार लोग मारे गए। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 से अब तक विच हंटिंग में मारे गए 23 लोगों में से 12 पुरुष और 11 महिलाएं थीं।

बीसीसीआई एजीएम में लोढा सुधारों में ढिलाई पर चर्चा

● आज होगी बैठक : सीएसी की नियुक्ति,आईसीसी में बोर्ड का प्रतिनिधि नियुक्त करने होंगे मुख्य मुद्दे

भाषा। मुंबई

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की अध्यक्षता में बीसीसीआई रविवार को जब यहां अपनी पहली वार्षिक आम बैठक का आयोजन करेगा तो इसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत कुछ सुधारवादी कदमों में ढिलाई बरतने, क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) जैसी क्रिकेट समितियों का गठन और आईसीसी में बोर्ड का प्रतिनिधि नियुक्त करने पर चर्चा होगी।

उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने 33 महीने तक बीसीसीआई का संचालन किया जिसके बाद पिछले महीने गांगुली की अगुआई में नए पदाधिकारियों ने प्रभार संभाला। बीसीसीआई अगर लोढा समिति के सुधारवादी कदमों में ढिलाई देता है तो गांगुली का नौ महीने का मौजूदा कार्यकाल बढ़ सकता है। लोढा समिति के सुधारवादी कदमों को उच्चतम न्यायालय से स्वीकृति मिली हुई है। एजीएम के लिए जारी एजेंडा में बीसीसीआई के मौजूदा संविधान में अहम बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत मौजूद संविधान के अनुसार अगर कोई पदाधिकारी बीसीसीआई या राज्य संघ में तीन साल के दो कार्यकाल पूरा कर लेता है तो उसे तीन साल का अनिवार्य ब्रेक लेना होगा। मौजूदा पदाधिकारी चाहते हैं कि यह अनिवार्य ब्रेक बोर्ड और राज्य संघ में दो कार्यकाल अलग अलग पूरे करने पर हो। अगर यह प्रस्ताव तीन-चौथाई बहुमत से पारित होता है तो गांगुली और सचिव जय शाह का कार्यकाल बढ़ जाएगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने पीटीआई को बताया कि सभी प्रस्तावित संशोधनों का लक्ष्य बोर्ड के ढांचे को मजबूत करना है और उच्चतम न्यायालय से स्वीकृति मिलने पर ही इसे लागू किया जाएगा। हालांकि अब प्रस्ताव दिया गया है भविष्य में एजीएम में तीन-चौथाई बहुमत ही संविधान में किसी संशोधन को स्वीकृत देने के लिए पर्याप्त होगा क्योंकि उच्चतम न्यायालय की स्वीकृति लेना व्यावारिक नहीं होगा जो मौजूदा संविधान के अनुसार जरूरी है। पिछले तीन साल में प्रशासनिक संकट के कारण आईसीसी में बीसीसीआई का रुतबा काफी कम हुआ है और ऐसे में बोर्ड ने प्रस्ताव रखा है कि वैश्विक संस्था में अनुभवी व्यक्ति बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करे और इसके लिए 70 साल की आयु सीमा का नियम लागू नहीं हो। ऐसी स्थिति में पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के बीसीसीआई की ओर से आईसीसी बैठक में हिस्सा लेने का रास्ता साफ हो सकता है। श्रीनिवासन को 2013 में खेल को झकझोरने वाले स्पाट फिक्सिंग प्रकरण के सामने आने के बाद पद छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा था। बीसीसीआई ने कहा, आईसीसी में लगातार कमजोर हुए बीसीसीआई के हितों को बचाने के लिए मोलभाव और अन्य सदस्यों देशों से निजी बातचीत का अनुभव रखने वाले व्यक्ति को प्रतिनिधि बनाया जाना चाहिए। मौजूदा संविधान के अनुसार नौ सदस्ईय शीर्ष परिषद का सूत्रधार सीईओ है लेकिन मौजूदा पदाधिकारी चाहते हैं कि यह भूमिका सचिव निभाउए जिससे कि उसे अधिक अधिकार मिलें। शीर्ष पदाधिकारी साथ ही चाहते हैं कि सीईओ सचिव के अंतर्गत काम करें। एजीएम में पिछले तीन वित्तीय वर्ष के खातों को भी स्वीकृति दी जाएगी। क्रिकेट से जुड़े फैसलों के तहत क्रिकेट सलाहकार समिति सहित विभिन्न समितियों की एजीएम के दौरान नियुक्ति होगी। सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और गांगुली के सीएसी में अपनी भूमिका छोड़ने के बाद कपिल देव, शांता रंगास्वामी और अंशुमन गायकवाड़ ने पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति की थी। इस पद के लिए रवि शास्त्री का अनुबंध बढ़ाया गया था। रंगास्वामी और गायकवाड़ अब भारतीय क्रिकेटर्स संघ के प्रतिनिधि के रूप में शीर्ष परिषद का हिस्सा हैं। चयन समिति की नियुक्ति सीएसी का विशेषाधिकार है। इसलिए यह देखना रोचक होगा कि किसी प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर को इस समिति का हिस्सा बनाया जाता है। नए लोकपाल और आचरण अधिकारी की भी नियुक्ति की जाएगी। ए दो भूमिकाएं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डीके जैन निभा रहे थे जिनका कार्यकाल फरवरी में खत्म हो गया था। एजीएम में हितों के टकराव के विवादास्पद मुद्दे पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। गांगुली पहले ही कह चुके हैं कि यह भारतीय क्रिकेट के सामने सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने हितों के टकराव मुद्दे पर नाखुशी जाहिर की है। सीओए ने भी अपनी अंतिम स्थिति रिपोर्ट में इसमें बदलाव की मांग की थी। इस बीच समझा जा रहा है कि उपाध्यक्ष अमोल काले एजीएम में एमसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि तमिलनाडु क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व सचिव आरएस रामास्वामी या अध्यक्ष रूपा गुरुनाथ कर सकते हैं। रूपा श्रीनिवासन की बेटी हैं। बंगाल क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व उसके सचिव अविषेक डालमिया करेंगे।

वेस्टइंडीज के पास आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के शीर्ष चार में जगह बनाने का मौका: होल्डर

लखनऊ। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर का मानना है कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का अंत शीर्ष चार टीमों के रूप में करने में सक्षम है। आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में फिलहाल आठवें स्थान पर काबिज वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को यहां एकमात्र टेस्ट में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया और होल्डर ने कहा कि उनकी टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के शीर्ष पांच में रहना वास्तविक लक्ष्य है। आईसीसी ने होल्डर ने हवाले से कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट चैंपियनशिप के अंत में हमारे लिए दुनिया के चौथे या पांचवें नंबर पर आना असंभव नहीं है। दो साल के समय में यह बड़ी उपलब्धि होगी।

सार्वजनिक सूचना

सूचना यहाँ श्री अंकित सिंह द्वारा दी गई है जो लीजहोल्ड आवासीय प्लॉट नं .407 खरीद रहे हैं, जो कि क्षेत्र –40, ब्लॉक–नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यूपी, श्री नंदन सिंह घुघतियाल से और आगे उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता के खिलाफ एक ही बंधक होगा। मूल लीज डीड 19.06.1999 को श्री विनय कुमार एस के पक्ष में GNID। द्वारा निष्पादित किया गया उक्त संपत्ति के संबंध में खो गए हैं / गुम हो गए हैं। जनता को उक्त दस्तावेज से निपटने की चेतावनी नहीं दी जा रही है। उक्त दस्तावेज से निपटने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर ऐसा करेगा। ऐसे व्यक्ति को किसी भी प्रकार की हानि के लिए मालिक किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं होगा। यदि किसी ने इन दस्तावेजों को पाया या उपरोक्त दस्तावेज के किसी भी दुरुपयोग को नोटिस किया है, तो चिंतित व्यक्ति को नीचे दिए गए पते पर लिखे गए पते पर लिखित रूप में संवाद करना आवश्यक है।

Lucem Legal LLP
269, Rama House, Ground Floor,
Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II,
New Delhi - 49 Contact# 011 - 40046316

पेस-जीवन के आगे पाक की जोड़ी ढेर

● डेविस कप :
● पाकिस्तान को 4-0 से हराया
● भारत विश्व ग्रुप क्वालीफायर में

भाषा। नूर सुल्तान

अनुभवी टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने अपना डेविस कप रिकार्ड बेहतर करते हुए जीवन नेदुंचेझ्यान के साथ अपना 44वां युगल मैच जीता जबकि भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराकर 2020 क्वालीफायर में जगह बना ली। पाकिस्तान के मोहम्मद शोएब और हुफैजा अब्दुल रहमान की जोड़ी पेस और जीवन के आगे टिक नहीं सकी। उन्होंने सिर्फ 53 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की।

पिछले साल अपना 43वां युगल मैच जीतकर डेविस कप के इतिहास में सफलतम खिलाड़ी बने पेस ने इटली के निकोला पी को पछाड़ा था। पेस ने 56वें मुकाबले में 43वीं जीत दर्ज की थी जबकि निकोला ने 66 में से 42 मैच जीते। पेस ने कहा, यह मेरी 44वीं जीत है लेकिन पहली जीत की तरह लगती है। मेरी सभी जीत विशेष हैं। रिकार्ड में भारत को जगह दिलाना मेरे लिए विशेष है और इसे लेकर मेरे अंदर जुनून है। जीवन अपना पहला मैच खेल रहा था और सीनियर साथी होने के कारण मैंने यह दबाव अपने कंधों पर लिया। पेस ने जीवन की तारीफ करते हुए कहा, जीवन देश के लिए खेलने में फख्र महसूस करता है। ए लड़के मुझे युवा, तरोताजा और उत्साहित बनाए रखते हैं। मैं उनके साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं। पेस का 44 जीत का रिकार्ड जल्दी टूट पाना संभव नहीं क्योंकि उनके अलावा कोई मौजूदा युगल खिलाड़ी शीर्ष 10 में नहीं है। बेलारूस के मैक्स मिरनी तीसरे नंबर पर हैं जिनके नाम 36 जीत दर्ज है लेकिन वह 2018 से टूर पर नहीं खेल रहे हैं। पेस युगल मुकाबले में जीत के मामले में भले ही शीर्ष पर हों लेकिन यह दिग्गज भारतीय कुल जीत के मामले में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 92 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि 35 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय खिलाड़ी के नाम पर अब कुल 92 जीत दर्ज हैं जिसमें एकल की 48 जीत भी शामिल हैं। एक और जीत के साथ पेस स्पेन के मैनुएल सेंटाना को पीछे छोड़ देंगे जिनका जीत-हार का रिकार्ड 92-28 है। उलट एकल में सुमित नागल ने युसूफ खलील को 6 -1, 6-0 से मात दी। दोनों टीमों ने बेमानी हो चुका पांचवां मुकाबला नहीं खेलने का फैसला किया। पहले तीन मैच जीतने पर भी टीम के लिए चौथा मैच खेलना जरूरी था लेकिन नियम पांचवां मैच छोड़ने की इजाजत देते हैं। नागल ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, यह आसान जीत थी, मैं समझ सकता हूं कि वे युवा खिलाड़ी हैं, उन्हें अनुभव की जरूरत है। आज मेरा साल का अंतिम मैच था और मैं शिकायत नहीं करूंगा। यह साल मेरे लिए शानदार रहा। भारत ने फरवरी 2014 के बाद पहली बार किसी मुकाबले में सारे मैच जीते हैं। उस समय इंदौर में भारत ने चीनी ताइपै को 5 -0 से हराया था। भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने जीत को देश के सैन्य बलों को समर्पित किया। महेश भूपति के स्थान पर कप्तान बनाए गए राजपाल ने कहा, हमने आपस में इस बारे में बात की और हमारा मानना है कि हम इस जीत को सैन्य बलों को समर्पित करना चाहते हैं, विशेषकर उन परिवारों को जिन्होंने हमारे परिवारों की रक्षा करते हुए सीमा पर अपने परिवार के सदस्यों को गंवाया है। इसलिए हम यह जीत भारतीय सेना को समर्पित करते हैं। अब क्वालीफायर्स में भारत का सामना क्रोएशिया से होगा और यह मुकाबला 6-7 मार्च को खेला जाएगा। डेविस कप फाइनल्स में 12 क्वालीफाइंग स्थानों के लिए 24 टीमें आपस में भिड़ेंगी। हारने वाली 12 टीमें सितंबर 2020 में विश्व ग्रुप वन खेलेगी। विजेता टीमें फाइनल्स में खेलेंगी जिसके लिए कनाडा, ब्रिटेन, रूस, स्पेन, फ्रांस और सर्बिया पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

तीसरे मैच में हुफैजा और शोएब ने पहले गेम में सर्विस बरकरार रखी लेकिन भारतीय जोड़ी ने तीसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर 3-1 से बढत बना ली। पांचवें गेम में फिर उनकी सर्विस तोड़कर पेस और जीवन ने दबाव बनाया। जीवन ने 30-15 पर डबल फाल्ट किया लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं बना सके और भारत ने बढ़त बना ली। पहला सेट जीतने के बाद भारतीयों ने दूसरा सेट भी आसानी से जीत लिया।

AXIS BANK

वाहन के विक्रयार्थ सार्वजनिक नीलामी सूचना

जबकि विवाचन कार्यवाहियों एआरबी मामला सं. 5448/2019 में एलडी. विवाचक (श्री एस.सी. राजन) द्वारा पारित आदेश दिनांकित 27.11.2019 के अनुसार, मै. एक्सिस बैंक लि., निगमित ऋणदाता अर्थात् मै. शिल्पी केबल टेक्नोलोजिज लि. (कम्पनी जो परिसमापन प्रक्रियाओं के अधीन है) के नाम में दर्ज निम्न वर्णित वाहन/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की, 'जैसी है जहां है' तथा 'जैसी है जो है' और 'वहां जो कुछ भी है' और 'बिना उपाय' आधार पर, बैंक की बकाया देयराशियों की वसूली के लिए, जनसाधारण से एक्सिस भवन, द्वितीय तल, टॉवर-2, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, लैंडमार्क जेपी ग्रीन्स विश टाउन, नोएडा (उत्तर प्रदेश)-201301 के पते पर अधिकतम 7 दिसंबर 2019 को 9.30 बजे से 5.30 बजे के बीच, बोली प्रस्ताव पत्र/प्रस्ताव प्रलेख आमन्त्रित करने द्वारा, बिक्री करने का प्रस्ताव रखते हैं। इस हेतु एक खुली सार्वजनिक नीलामी में बोलियां आमंत्रित की जानी हैं और नीलामी का संचालन 09 दिसंबर 2019 को 11.00 बजे उपरोक्त पते पर किया जाएगा।

उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता का नाम	एनपीए तिथि	वाहन का विवरण	आरक्षित मूल्य (रु.में)	धरोहर राशि जमा (रु. में)	30 मई 2019 के अनुसार बकाया देयराशि (रु. में)	बोलियां जमा करने की अन्तिम तिथि तथा समय	बोलियां खोलने की तिथि तथा समय
मै. शिल्पी केबल टेक्नोलोजिज लि.	04 अगस्त 2017	पंजीकरण सं. : डीएल1सीटी3162 इंजन नं. : 65196032644440 चेसिस नं. : डब्ल्यूडीसी1660036एम 006788 मॉडल : 2015 मर्सिडीज बेंज एम-क्लास	रु. 13,01,000/-	रु. 1,30,100/-	2,04,930/-	07 दिसंबर 2019 को 9.30 बजे से 5.30 बजे के बीच	09 दिसंबर 2019 को 11.00 बजे

उक्त खुली सार्वजनिक नीलामी के नियम तथा शर्तें :-

1. प्रस्तावकों को संपूर्ण प्रस्ताव देना होगा।
2. प्रत्येक बोली प्रस्ताव के साथ 'एक्सिस बैंक लिमिटेड' के पक्ष में किसी अनुसूचित बैंक पर आहरित और दिल्ली में भुगतानयोग्य डी.डी./भुगतान आदेश द्वारा आरक्षित मूल्य राशि की 10 प्रतिशत के बराबर की धरोहर राशि जमा (धराज) संलग्न होनी चाहिए। डी.डी./भुगतान आदेश नीलामी बोलीकर्ताओं द्वारा केवल अपनी ओर से क्रय किए जाने चाहिए।
3. निर्धारित बोली प्रस्ताव प्रपत्र/प्रस्ताव प्रलेख में प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव ही विचारित होंगे और इनकी निःशुल्क प्रति बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है। विधिवत ढंग से पूर्ण किए गए बोली प्रस्ताव प्रपत्रों को एक लिफाफे में रखकर और उसे बंद कर और उस के शीर्ष पर "मै. शिल्पी केबल टेक्नोलोजिज लि.' की प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/वाहनों के क्रयार्थ श्री/श्रीमती/मै. ....का प्रस्ताव" लिखा जाना चाहिए।
4. उक्त लिफाफे को सामान्य कार्यकारी घंटों की समयावधि में 07 दिसंबर 2019 को 9.30 बजे से 5.30 बजे तक अथवा इससे पूर्व एक्सिस भवन, द्वितीय तल, टॉवर-2, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, लैंडमार्क जेपी ग्रीन्स विश टाउन, नोएडा (उत्तर प्रदेश)-201301 में रखी गई बोली पेटिका में डालना होगा। नियत तिथि तथा समय के उपरान्त प्राप्त किए गए बोली प्रस्ताव प्रपत्र/प्रस्ताव प्रलेख किसी भी परिस्थिति में विचारणीय नहीं होंगे।
5. सफल बोलीदाता को उनके पक्ष में विक्रय की घोषणा किए जाने के तत्काल बाद अथवा अगले कार्यदिवस को बोली राशि (बोली से पूर्व जमा की गई 10 प्रतिशत राशि सहित) की 100 प्रतिशत रकम जमा करनी होगी। शेष राशि का भुगतान 'एक्सिस बैंक लिमिटेड' के पक्ष में आहरित दिल्ली में भुगतानयोग्य चैक/डीडी/पीओ के रूप में ही किया जाना होगा। नकद भुगतान स्वीकार्य नहीं होगा। भुगतान में चूक होने की स्थिति में पहले जमा की गई संपूर्ण धनराशि बिना किसी कारण के तथा सूचना दिए जब्त कर ली जाएगी और वाहन को तत्काल प्रभाव से दोबारा बेच दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में सफल बोलीदाता के वाहन से संबंधित और वाहन को बाद में बेचे जाने पर मिलने वाली राशि के किसी भाग से संबंधित समस्त दावे जब्त हो जाएंगे। इसके अलावा ऐसी पुनर्बिक्री के संबंध में बैंक द्वारा व्यय की गई समस्त लागतों, प्रभारों और व्ययों का वहन और भुगतान चूककर्ता क्रेता द्वारा किया जाएगा और क्रेता ऐसी पुनर्बिक्री से उत्पन्न होनेवाली किसी आर्थिक कमी की भरपाई करने को भी बाध्य होंगे और वे/वह ऐसी पुनर्बिक्री पर प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/वाहन से वसूल होनेवाले उच्च मूल्य की स्थिति में किसी दावे के अधिकारी नहीं होंगे।
6. समस्त ग्राह्य बोलीदाताओं के लिए परस्पर बोलीदन की अनुमति है।
7. बैंक के पास यह अधिकार सुरक्षित है कि वह पूरी तरह अपने विवेक से तथा अपने द्वारा अनुबंधित किए जा सकनेवाले ऐसे नियमों एवं शर्तों पर, उपर्युक्त समय सीमा को बढ़ा सकता है।
8. बोली प्रस्ताव प्रपत्र/प्रस्ताव प्रलेख बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 09 दिसंबर 2019 को 11.00 बजे एक्सिस भवन, द्वितीय तल, टॉवर-2, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, लैंडमार्क जेपी ग्रीन्स विश टाउन, नोएडा (उत्तर प्रदेश)-201301 में उधारकर्ताओं, सह-उधारकर्ताओं, बन्धककर्ताओं (यदि उपलब्ध हों तो) तथा प्रस्तावित क्रेताओं अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों, जो कि उपर्युक्तानुसार दिवस एवं समय पर उपस्थित होने के इच्छुक हों, की उपस्थिति में खोल जाएंगे। अन्य बातों के साथ-साथ मोलभाव करने, बोलीदाताओं के संबंधित प्रस्तावों को निकालने/संशोधित करने का काम भी होगा।
9. संबंधित प्रस्तावक तथा/अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि बोली प्रस्ताव प्रपत्र/प्रस्ताव प्रलेख के खुलने के समय पर उपस्थित रह सकते हैं। प्रस्तावकों के पास इस समय, यदि वे चाहें तो, अपने प्रस्तावों को बढ़ाने का एक अवसर होगा। इसलिए उन्हें सलाह है कि वे या तो स्वयं अथवा अपने विधिवत प्राधिकृत तथा सशक्त प्रतिनिधियों के माध्यम से बोली खुलने के स्थान पर उपस्थित रहें। वह राशि जिसके द्वारा बोलीदान को बढ़ाया जाना है, उसका निर्धारण विक्रय का संचालन करनेवाले अधिकारी द्वारा किया जाएगा।
10. विक्रय के लिए प्रस्तावित वाहन/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विक्रय से उत्पन्न होनेवाला कोई विवाद/विभेद केवल दिल्ली स्थित न्यायालयों/न्यायाधिकरणों की विशेष क्षेत्राधिकारिता के अधीन होगा।
11. प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/वाहन को "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है", "वहां जो कुछ भी है" तथा "बिना उपाय" आधार पर प्रस्तावित किया गया है। बैंक, विक्रय के लिए प्रस्तावित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/वाहन अथवा उक्त चल प्रतिभूत परिसम्पत्ति/वाहन के संबंध में, किसी बकाया राशि/प्रभार, आरटीओ की बकाया राशियों तथा/अथवा प्राधिकरण के किसी अन्य बकाया, कर, यदि कोई, सहित, के संबंध में किसी अनुमति/अनुज्ञप्ति इत्यादि की अधिप्राप्ति करने का कोई दायित्व ग्रहण नहीं करता।
12. बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए सर्वोच्च, किसी अथवा समस्त प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है तथा यदि समस्त प्रस्ताव निरस्त कर दिए जाते हैं तो या तो किसी भी प्रस्तावक के साथ मोल-भाव किय जाएगा या किसी भी प्रस्तावक अथवा किसी अन्य पार्टी/पार्टियों के साथ प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/वाहन को निजी मोल-भाव करने के माध्यम से बेच दिया जाएगा। इस संबंध में बैंक का निर्णय अन्तिम होगा।
13. जिस अवधि में मोल-भाव किया गया था, यदि कोई, उस अवधि में वह राशि जिसके द्वारा बोलीदान को बढ़ाया जाना है, उसका निर्धारण विक्रय संचालित कर रहे प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किया जाएगा।
14. यह नोट किया जाए कि उक्त निगमित ऋणकर्ता के विरुद्ध, माननीय एनसीएलटी, प्रधान पीठ नई दिल्ली द्वारा, मामला सं. सीए1144(पीबी)/2018 के अन्तर्गत, "मैक्वॉयर बैंक लि. बनाम शिल्पी केबल टेक्नोलोजिज लिमिटेड" शीर्षक के साथ, पारित आदेश दिनांकित 01.05.2019 के अनुसार परिसमापन प्रक्रियाएं आरंभ की जा चुकी हैं तथा उक्त परिसमापन प्रक्रियाओं के विलंबन के दौरान एक्सिस बैंक लि. ने अपना प्रतिभूति हित वसूल कर लिया था और तदनुसार एलडी. विवाचक ने बैंक के लिए उक्त वाहन का वास्तविक कब्जा जोड़ दिया। हालांकि 'द इंसाल्वेंसी ऐंड बैंक्रप्टसी बोर्ड ऑफ इंडिया (विवाचन प्रक्रिया) विनियमावली 2016 के विनियम 37 (2) का ध्यान रखते हुए, एक्सिस बैंक लि. को एलडी. विवाचक को सर्वोच्च बोलीदान मूल्य के बारे में सूचित करना होगा और बदले में एलडी. विवाचक अगले 21 दिनों के अंदर एक्सिस बैंक लि. को ये सूचित करेंगे कि यहां कोई अन्य व्यक्ति है, यदि कोई, जो उक्त वाहन को पूर्वसूचित मूल्य से अधिक मूल्य देकर खरीदने का इच्छुक है, इसलिए एक्सिस बैंक लि. द्वारा किया जानेवाला बिक्री का अभिपुष्टिकरण एलडी. विवाचक के अभिपुष्टिकरण के अधीन होगा और सर्वोच्च नीलाम क्रेता को अभिपुष्टिकरण के लिए अनिवार्य तौर पर अगले 30 दिनों तक प्रतीक्षा करनी होगी।
15. यह भी नोट कर लिया जाए कि ऐसे मामलों में जिनमें बोलीदान की उक्त 30 दिवसों की समयावधि में अभिपुष्टि नहीं होगी, उनमें सर्वोच्च नीलाम क्रेता (क्रेतागण) धराज पर किसी ब्याज तथा उसके/उनके द्वारा पहले ही भुगतान किए जा चुके शेष विक्रय क्षतिपूर्ति का दावा करने का अधिकारी नहीं होगा।
16. अन्तिम विक्रय निष्कर्ष बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अभिपुष्टिकरण के अधीन होगा।
17. वाहन के निरीक्षण के लिए इच्छुक बोलीदातागण श्री कामेन्द्र कुमार राजपूत @9811890880 श्री तरुण पराशर @7840025009 /श्री मनीष जैन @8475001008 को एक्सिस भवन, द्वितीय तल, टॉवर-2, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, लैंडमार्क जेपी ग्रीन्स विश टाउन, नोएडा (उत्तर प्रदेश)-201301 में कार्यालयीन घंटों की समयावधि में 9.30 बजे से 5.30 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं। यह सलाह दी जाती है कि इच्छुक बोलीदाताओं को उक्त कार्यालय आने से पहले एक पूर्व नियुक्ति ले लेनी चाहिए। बोली अहस्तांतरणीय है।

दिनांक : 01.12.2019,
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता./-, प्राधिकृत अधिकारी
एक्सिस बैंक लि.

कोच के खिलाफ झूठ का एजेंडा : कोहली

● कप्तान को लगता है शास्त्री को गलत ट्रोल किया जा रहा

भाषा। नई दिल्ली

विराट कोहली ने रवि शास्त्री को लगातार ट्रोल किए जाने को एजेंडा से प्रभावित बताया और कहा कि भारतीय कोच इस धारणा से सबसे कम प्रभावित हैं कि वह कप्तान की हां में हां मिलाते हैं। कोहली ने कहा कि शास्त्री ने साहस के साथ बिना हेलमेट के तेज गेंदबाजों का सामना किया और सलामी बल्लेबाज के रूप में 41 की औसत से रन बनाए जो मौजूदा कोच के आलोचकों को कड़ा जवाब है। कोहली ने इंडिया टुडे को उसके विशेष शो इंस्पिरेशन पर कहा, मुझे लगता है कि इनमें से अधिकांश चीजें एजेंडा से प्रभावित हैं और मुझे नहीं पता कि कोई ऐसा क्यों और किसलिए कर रहा है लेकिन इस तरह से झूठ को स्वीकार करना एजेंडा से प्रभावित है। उन्होंने कहा, भाग्य से रवि भाई के मामले में वह ऐसे व्यक्ति हैं जो इन चीजों की बिलकुल परवाह नहीं करते। बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में आगाम करने वाले शास्त्री ने बाद में भारत के लिए पारी का आगाज भी किया और 1985 विश्व सीरीज क्रिकेट में उन्हें चैंपियन आफ चैंपियन्स का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला। मुख्य कोच का समर्थन करते हुए कोहली ने ए सभी तर्क रखे। कोहली ने ट्रोल करने वालों को संदेश देते हुए कहा, दसवें नंबर से सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा गया और सलामी बल्लेबाज के रूप में उन्होंने 41 के औसत से रन बनाए। वह किसी ऐसे व्यक्ति से परेशान नहीं होने वाले जो घर में बैठकर उनकी ट्रोलिंग कर रहा हो क्योंकि अगर आप उनकी जैसी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति की ट्रोलिंग करना चाहते हैं तो चलिए फिर उन गेंदबाजों का सामना कीजिए, जो उन्होंने किया है वह कीजिए, ऐसा करने के लिए हौसला चाहिए, इसके बाद उनके साथ बहस कीजिए। हाल में टेस्ट श्रृंखला में बांग्लादेश को रौंदने के बाद कोहली ने अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को स्वप्निल संयोजन करार दिया जो किसी भी सतह पर किसी भी तरह के विरोधी को ध्वस्त करने में सक्षम है। ऐसा जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में किया गया। कप्तान ने कहा कि काफी अधिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद तेज गेंदबाजों के बीच सौहार्द है और बिलकुल भी असुरक्षा नहीं है। कोहली ने कहा, बिलकुल भी जलन नहीं है और यह उनका सबसे मजबूत पक्ष है, वे परवाह नहीं करते कि शमी की रैंकिंग सात है या जसप्रीत की रैंकिंग क्या है या इशांत की रैंकिंग क्या है। कोहली क्रिकेटरों के बीच सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेते हैं लेकिन खेल जगत में उनका पसंदीदा खिलाड़ी दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। मुझे लगता है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो क्योंकि मुझे यह तथ्य पसंद है कि उसे रोजाना निशाना बनाया जाता है लेकिन वह मानसिक रूप से मजबूत है, कड़ी मेहनत करने का जज्बा और वापसी करने की इच्छा है। मेरे लिए ए चीजें वास्तवित नैसर्गिक क्षमता से अधिक मायने रखती है जो लियोनल मेस्सी में है और यही कारण है कि मैं रोनाल्डो से प्रभावित हूं। कोहली ने नए रिकार्ड बनाने को अपनी आदत में शुमार कर लिया है और इसके लिए उनकी तुलना कई बार उनके आदर्श महान बल्लेबाज तेंदुलकर से होती है। मुझे नहीं पता कि इस बारे में कैसे बताऊंक्योंकि मुझे हारना नापसंद है। मुझे किसी भी चीज में हारना पसंद नहीं, खिलाड़ी इसी तरह बनते हैं, शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा पेश करने वाले खिलाड़ियों की मानसिकता ऐसी ही होती है।

कोहली ने इंजीनियर के चाय के दावे पर कहा, अनुष्का का नाम बीच में क्यों घसीटते हो

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पूर्व खिलाड़ी फारूख इंजीनियर के दावे पर चुप्पी तोड़ते हुए शनिवार को कहा कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा आसान निशाना बनती हैं। इंजीनियर ने हाल मे पांच सदस्ईय चयन पैनल का उपहास करते हुए कहा था कि उन्होंने इनमें से एक को अनुष्का को इंग्लैंड मे विश्व कप के दौरान चाय परोसते हुए देखा था। कोहली इन आरोपो से काफी हैरान थे और उन्होंने कहा कि अनुष्का का नाम इसमें घसीटना सही नही था। कोहली ने इंडिया टुडे से कहा, वह श्रीलंका के खिलाफ एक विश्व कप मैच के लिए आई थी और फैमिली बाक्स व चयनकर्ता बाक्स अलग था और उस समय बाक्स में कोई चयनकर्ता नही था। वह दो दोस्तों के साथ आई। जैसा कि मैंने कहा कि वह मशहूर है और जब लोग उसका नाम लेते है तो सभी का ध्यान इस पर जाता है। जब आप चयनकर्ताओं के बारे मे कुछ जिक्र करना चाहते तो ऐसा करो लेकिन अनुष्का का नाम इसमे क्यों घसीटो।

बीसीसीआई की शीर्ष परिषद बैठक में आरसीए को सौंपी गई प्रशासनिक शक्ति

मुंबई। बीसीसीआई ने शनिवार को यहां अपनी शीर्ष परिषद की बैठक के दौरान राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) को प्रशासनिक शक्ति प्रदान की। एक सूत्र ने कहा कि बीसीसीआई की शीर्ष परिषद के फैसले के बाद आरसीए देश के किसी अन्य राज्य क्रिकेट संघ की तरह काम करेगा। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आरसीए का काम काज चलाने संबंधित मुद्दा बैठक मे रखा गया और शीर्ष परिषद ने इसे मंजूरी दी।

कार्यालय ग्राम पंचायत गारवगढ़ी विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस

पत्रांक मीमो/ग्राम पंचायत/वित्तआयोग मद/टेन्डर/2019-20 **अति अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक 28.11.2019

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतुर्थ राज्य वित्त/14वां वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में उपलब्ध धनराशि से कराए जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम के सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु मोहर बंद निविदाएं दिनांक 05.12.2019 को दिन के 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन सांय 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल, समय एवं वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा निवेदा की वैधता मूल तिथि से मानी जाएगी। निविदा की शर्त निम्नवत निर्धारित की जाती हैं:-

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत गारवगढ़ी से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 05.12.2019 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. निविदा पत्र के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर नगद अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बंद होगी, जमा करनी होगी
3. सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदाएं मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. निविदा दरों की वैधता 3 माह अधिकतम होगी इसके लिए निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडिशियल स्टांप पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करते हुए 10 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी।
6. बिलो के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एवं रॉयल्टी आदि की कटौती की जाएगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौंसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होंगे।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र सं.	कार्य का नाम	लागत लाख में	जमानत राशि	निविदा मूल्य	समय अवधि
1	विजय के घर से मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	166990.00	3340.00	250+G.S.T.	6 माह
2	महेश के घर से सरकारी नल तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	202063.00	4042.00	250+G.S.T.	6 माह
3	दरप सिंह के घर से सीताराम के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	287272.00	5745.00	250+G.S.T.	6 माह
4	महेश के घर से मुकेश के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	211010.00	4220.20	250+G.S.T.	6 माह
5	राकेश फौजी के घर से महेश के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	319868.00	6398.00	250+G.S.T.	6 माह

प्रधान
ग्राम पंचायत गारवगढ़ी

सचिव
ग्राम पंचायत गारवगढ़ी

भारत ने अंडर-19 श्रृंखला जीती

अफगानिस्तान ने जीता मैच

भाषा। लखनऊ

गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन के बाद सूझबूझ भरी बल्लेबाजी की बदौलत अफगानिस्तान ने अंडर-19 क्रिकेट सीरीज के आखिरी मैच में भारत को दो विकेट से शिकस्त दी। हालांकि भारत ने यह श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की।

लखनऊ के अटल बिहारी वाजपई इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, मगर उसकी पूरी टीम 49.3 ओवर में 157 रन बनाकर आउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 45.3 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मात्र 63 रन के स्कोर पर उसकी आधी टीम पवेलियन लौट गई। बाद में ऋषभ बंसल 14) और सीटीएल रक्षण (15) ने स्कोर को आगे बढ़ाया और पूरी टीम मात्र 157 रन बनाकर आउट हो गई। अफगानिस्तान की तरफ से चाइनामैन गेंदबाज नूर अहमद ने 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके अलावा शफीक उल्ला गफ्फारी और आबिद मोहम्मदी ने भी दो-दो विकेट चटकाए। भारत की तरफ से सबसे ज्यादा 29 रन विक्रांत भदौरिया ने बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की भी शुरुआत खराब रही और उसके दोनों सलामी बल्लेबाज मात्र आठ रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। उसके बाद इमरान मीर (31) और आसिफ मूसाजई (42) ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। हालांकि बाद में अफगानिस्तान के सात विकेट मात्र 106 रन पर गिर गए। उस वक्त उसकी राह बेहद मुश्किल लग रही थी लेकिन अब्दुल रहमान रहमानी (17) और गफ्फारी (25) ने अपनी टीम को जीत के नजदीक पहुंचा दिया। बाद में गफ्फारी ने आबिद मोहम्मदी के साथ टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। भारत के लिए मानव सुतार ने 32 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि शुभांग हेगड़े ने भी दो विकेट चटकाए। गफ्फारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया जबकि सुतार को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। श्रृंखला के परिणाम के लिहाज से यह मैच महत्वपूर्ण नहीं था क्योंकि भारत चौथा मैच जीतकर 3-। की अजेय बढ़त ले चुका था।

वार्नर का तिहरा शतक और स्मिथ ने बनाया रिकार्ड

आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट

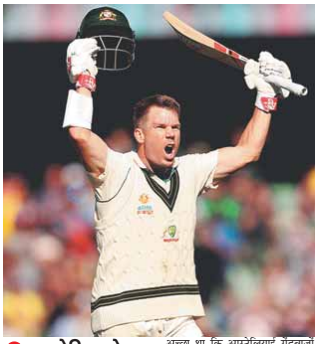

भाषा। एडीलेड

आस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के नाबाद 335 रन और स्टीव स्मिथ के सबसे तेज 7,000 रन जुटाने के रिकार्ड से शनिवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे दिन-रात्रि टेस्ट में शिकंजा कस लिया। कप्तान टिम पेन ने दूसरे दिन के डिनर ब्रेक से पहले तीन विकेट पर 589 रन के स्कोर पर अपने खिलाड़ियों को बुलाकर पहली पारी घोषित की। तब तक वार्नर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और 10वां सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बना चुके थे। पारी घोषित करने के इस फैसले ने हालांकि उन्हें ब्रायन लारा के सर्वकालिक नाबाद 400 रन के रिकार्ड को तोड़ने से महरूम कर दिया। लेकिन यह निर्णय इस लिहाज से अच्छा था कि आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दूधिया रोशनी में तेजी से पाकिस्तान के कमजोर शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। स्टंप तक पाकिस्तानी टीम मुश्किल में थी और उसका स्कोर छह विकेट पर 96 रन हो गया था। मिशेल स्टार्क ने इनमें से चार खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा। बाबर आजम 43 और यासिर शाह चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। आस्ट्रेलिया में लगातार 13 टेस्ट गंवा चुकी पाकिस्तानी टीम ने हालांकि सुबह के सत्र में मार्नस लाबुशेन को 162 रन के स्कोर पर आउट किया। शाहीन अफरीदी की गेंद पर स्मिथ 36 रन बनाकर विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को कैच देकर आउट हुए। हालांकि इस दौरान स्मिथ ने 1946 से चले आ रहे रिकार्ड को तोड़ दिया। उन्होंने मुहम्मद मूसा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी 126वीं पारी में 7,000 रन पूरे किए और इंग्लैंड के महान खिलाडी वाली हैमंड के 73 साल से चले आ रहे रिकार्ड को तोड़ा जिन्होंने यह उपलब्धि 131वीं पारी में हासिल की थी। स्मिथ इस तरह देश के महान खिलाड़ी डोनाल्ड ब्रैडमैन के 6,996 टेस्ट रन के रिकार्ड को तोड़ने में भी सफल रहे। आस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 302 रन से आगे खेलना शुरू किया। तब वार्नर 166 और लाबुशेन 126 रन बनाकर खेल रहे थे। इन दोनों ने 67 रन और जोड़े जिसके बाद पाकिस्तान को इस 361 रन की रिकार्ड भागीदारी को तोड़ने में सफलता मिली। अफरीदी ने 25 साल के लाबुशेन को बोल्ड किया जो 162 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे तो सभी ने खड़े होकर तालियां बजाई और यह उनकी लगातार दूसरी शतकीय पारी थी। उन्होंने और वार्नर ने दूसरे विकेट के लिए 361 रन की मैराथन रिकार्ड साझेदारी खेली जो आस्ट्रेलिया की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ और गुलाबी गेंद के टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ भागीदारी थी। कुछ मिनट बाद वार्नर ने अपना दूसरा टेस्ट दोहरा शतक पूरा किया।

सबसे तेजी से 7000रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने स्मिथ

एडीलेड। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट मे सबसे तेजी से 7000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए जिन्होने 1946 मे बना रिकार्ड तोड़ा और आस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजो की सूची मे डान ब्रैडमेन को पछाड़कर 11वे स्थान पर आ गए। स्मिथ ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मे एक रन लेकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होने 73 वर्ष पुराना इंग्लैड के वेली हामंड का रिकार्ड तोड़ा। हामंड ने 131 पारियो मे 7000 रन पूरे किए थे जबकि स्मिथ की यह 126वी पारी थी। भारत के वीरेंद्र सहवाग ने 134 पारियो मे यह आंकड़ा छुआ था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने ट्वीट किया , सबसे तेज 7000 रन। तुम स्टार हो स्टीव स्मिथ। स्मिथ ने ब्रैडमेन को भी पछाड़ा जिनके6996 रन है। स्मिथ ने इस साल एशेज श्रृंखला मे सात पारियो मे 774 रन बनाए थे। स्मिथ ब्रिस्बेन मे पहले ही टेस्ट मे ए रिकार्ड बना लेते लेकिन अप्रत्याशित ढंग से चार रन पर आउट हो गए। अब उनका लक्ष्य ग्रेग चैपल से आगे निकलना होगा जिनके 7110 रन है। आस्ट्रेलिया के लिए रिकी पोंटिग ने 168 टेस्ट मे सर्वाधिक 13378 रन बनाए है।

साथियान आईटीटीएफ विश्व कप से बाहर

भाषा। चेंगडू

जी साथियान शनिवार को यहां दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी टिमो बोल से हारकर अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ पुरूष विश्व कप से बाहर हो गए। दुनिया के 30वें नंबर के खिलाड़ी साथियान को जर्मन खिलाड़ी के हाथों प्री क्वार्टर फाइनल में 1-4,11- 7, 8- 11, 5- 11, 9- 11, 8 - 11 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले साथियान ने फ्रांस के सिमोन गाउजी, दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के ग्रोथ जोनाथन को हराया था।साथियान ने बाद में अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, आईटीटीएफ विश्व कप में अपने पदार्पण के दौरान मैं कितना अच्छा खेला, इसका अंदाजा मुझे तब हुआ जब चीन के सारे दर्शकों ने मैच हॉल छोड़ने पर तालियों से मेरी प्रशंसा की। कड़ी चुनौती पेश की लेकिन महान खिलाड़ी टिमो बोल से अंतिम 16 में।-4 से हार गया। यह सीखने का अच्छा अनुभव रहा और निश्चित रूप से मेरे कैरियर में अभी तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक। इसमें मैंने अपने से उंची रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार दो अच्छे मुकाबले जीते।

Chola
Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

कार्पोरेट कार्यालय : नंबर 2, 'डेयर हाउस' प्रथम तल, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई-600 001
शाखा कार्यालय : प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005, सम्पर्क नंबर : 9899245509, 9818460101

नीलामी-सह-बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना (इसको धारा 8 (6) के तहत नोटिस माना जाए।)

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर्जदारो से बकाया राशि की वसूली के लिए **वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002** के अधीन यहां नीचे वर्णित प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा लिए जाने के अनुसरण में, अधोहस्ताक्षरी द्वारा यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जोकि कब्जे में है, की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार"** पर करने हेतु सीलबंद लिफाफों में ऑफर्स आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :-

क्र. सं.	कर्जदार(गण) / सह-कर्जदार(गण) / गारंटर(गण)	मांग सूचना तिथि एवं राशि	अचल सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	29-11-2019 तक कुल बकाया राशि	कब्जा का प्रकार
1.	(ऋण खाता संख्या **X0HEEDL00001835007, X0HEEDL00001826804** दिल्ली शाखा) श्री/सुश्री 1. अजय त्यागी (कर्जदार) प्रियंका त्यागी, रजनी मेडिकोज (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता :जे-84, द्वितीय तल, विकास पुरी, नई दिल्ली-110018 **अन्य पता** : दुकान नंबर 2, प्लॉट नंबर ए-45, केएच नंबर 27/22, संडे बाजार आरडी चंदर विहार, निकट एटीएम, नई दिल्ली-110041	13-05-2019 रू. 1,18,92,080.90 (रूपए एक करोड़ अठारह लाख बानवे हजार अस्सी तथा पैसे नब्बे मात्र)	विकास पुरी, नई दिल्ली - 110018 में स्थित सम्पत्ति सं. जे-84 (उक्त सम्पत्ति) का हिस्सा, द्वितीय तल, छत टेरेस का अधिकार नहीं, परिमाप 104 वर्ग मीटर	रू. 95,00,000/- (रूपए पिचानवे लाख मात्र)	रू. 9,50,000/- (रूपए नौ लाख पचास हजार मात्र)	रू. 1,29,09,075/- (रूपए एक करोड़ उन्तीस लाख नौ हजार पचहत्तर मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
2.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001735155** दिल्ली शाखा) सरनजीत सिंह सोंधी (कर्जदार) गुरमीत कौर, हरमीत सिंह सोंधी, कंट्रोल टेक सिस्टम्स प्रा. लि. (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : पी-402, आदित्य मेगा सिटी वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201 014 **अन्य पता** : 202 गोल्ड क्रस्ट आदित्य मेगा सिटी वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद-201001	13-05-2019 रू. 2,98,60,527.36 (रूपए दो करोड़ अठ्ठानवे लाख साठ हजार पांच सौ सत्ताईस तथा पैसे छत्तीस मात्र)	दुकान नंबर जीसी-202, द्वितीय तल पर, ब्लॉक गोल्ड क्रश आदित्य मेगा सिटी (छत का अधिकार नहीं) परिमाप 1053 वर्ग फीट, कॉम्प्लेक्स प्लॉट नंबर सी/जीएच-3, परिमाप 64.489.62 वर्ग मीटर, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	रू. 56,00,000/- (रूपए छप्पन लाख मात्र)	रू. 5,60,000/- (रूपए पांच लाख साठ हजार मात्र)	रू. 2,98,96,616.2/- (रूपए दो करोड़ अठ्ठानवे लाख छियानवे हजार छह सौ सोलह तथा पैसे बीस मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
			आवासीय प्लॉट नंबर 013, परिमाप 250 वर्ग मीटर, ब्लॉक-डी, सेक्टर-61, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा	रू. 2,00,00,000/- (रूपए दो करोड़ मात्र)	रू. 20,00,000/- (रूपए बीस लाख मात्र)		सांकेतिक
3.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00000655496, X0HEDHE00000827889** दिल्ली शाखा) विजय कुमार (कर्जदार) गुंजन कुमार, हेमा कुमार, अश्वनी कुमार (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : सी-43, सूर्य नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001 **अन्य पता** : 340/48, फ्रेंड्स कालोनी, इंडस्ट्रियल एरिया, जीटी रोड, नई दिल्ली-10095	06-10-2016 रू. 2,39,82,042.74 (रूपए दो करोड़ उन्तालीस लाख बयासी हजार बयालीस तथा पैसे चौहत्तर मात्र)	फ्लैट नंबर 1, भू तल, बैक पोर्शन, प्लॉट नंबर सी-43, सेक्टर-7, सूर्य नगर, गाजियाबाद-2.01010, छत का अधिकार नहीं, सुपर कवर्ड एरिया 1050 वर्ग फीट	रू. 58,00,000/- (रूपए अठ्ठावन लाख मात्र)	रू. 5,80,000/- (रूपए पांच लाख अस्सी हजार मात्र)	रू. 2,87,53,800/- (रूपए दो करोड़ सतासी लाख तिरेपन हजार आठ सौ मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
			फ्लैट नंबर 2, भू तल, बैक पोर्शन, प्लॉट नंबर सी-43, सेक्टर-7, सूर्य नगर, गाजियाबाद-2.01010, छत का अधिकार नहीं, सुपर कवर्ड एरिया 1050 वर्ग फीट	रू. 58,00,000/- (रूपए अठ्ठावन लाख मात्र)	रू. 5,80,000/- (रूपए पांच लाख अस्सी हजार मात्र)		भौतिक
4.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00000876068, X0HEDHE00001017505** दिल्ली शाखा) प्रवीण सेठी (कर्जदार) मोना सेठी (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : जी-4ए, प्रथम एवं द्वितीय तल, काल्काजी, नई दिल्ली-110019	06-10-2016 रू. 2,88,84,535.89 (रूपए दो करोड़ अठासी लाख चौरासी हजार पांच सौ पैंतीस तथा पैसे नवासी मात्र)	सम्पत्ति सं. जी-4ए, प्रथम एवं द्वितीय तल, निर्मित क्षेत्रफल 1350 वर्ग फीट तथा भूमि परिमा 100 वर्ग गज, काल्काजी, नई दिल्ली-110019	रू. 1,30,00,000/- (रूपए एक करोड़ तीस लाख मात्र)	रू. 13,00,000/- (रूपए तेरह लाख मात्र)	रू. 4,71,75,192.84/- (रूपए चार करोड़ इकहत्तर लाख पचहत्तर हजार एक सौ बानवे तथा पैसे चौरासी मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	भौतिक
5.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDET00001896705 & X0HEDET00001896706** दिल्ली शाखा) राज कुमार (कर्जदार) संतोष देवी, गोल्डन टेक्नो (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : 1139, सेक्टर-55, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा-121005 **अन्य पता** : प्लॉट नंबर 43, वाका मौजा गौछी संजय कालोनी, सेक्टर-23, बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा	26-06-2019 रू. 1,10,15,448.50 (रूपए एक करोड़ दस लाख पंद्रह हजार चार सौ अड़तालीस तथा पैसे पचास मात्र)	सम्पत्ति सं. 1 - प्लॉट नंबर 43, क्षेत्रफल परिमाप 175 वर्ग गज, खसरा नंबर 30, किला नगर 9/2, 10 वाका मौजा गौछी संजय कालोनी, सेक्टर-23, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा चौहद्दी - पूरब : प्लॉट नंबर 44, पश्चिम : प्लॉट नंबर 42, उत्तर : रास्ता 15 फीट, दक्षिण: रास्ता 15 फीट	रू. 45,00,000/- (रूपए पैंतालीस लाख मात्र)	रू. 4,50,000/- (रूपए चार लाख पचास हजार मात्र)	रू. 1,11,73,349/- (रूपए एक करोड़ ग्यारह लाख तिहत्तर हजार तीन सौ उन्चास मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
			सम्पत्ति सं. 2- 1139, परिमाप 135 वर्ग मीटर, सेक्टर-55, अर्बन एस्टेट, तहसील बल्लभगढ़, फरीदाबाद-121005	रू. 59,00,000/- (रूपए उनसठ लाख मात्र)	रू. 5,90,000/- (रूपए पांच लाख नब्बे हजार मात्र)		
6.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001685860** दिल्ली शाखा) बॉबी भार्गव (कर्जदार) नीलिमा भार्गव, मैसर्स वीनस इंटरनैशनल (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : 702, 7वां तल, अपार्टमेंट्स स्वास्थ्य विहार, नई दिल्ली-110092 **अन्य पता** : 307, सेक्टर-37, उद्योग विहार फेज-6, गुड़गांव-122001	23-07-2019 रू. 1,50,70,700.50 (रूपए एक करोड़ पचास लाख सत्तर हजार सात सौ तथा पैसे पचास मात्र)	फ्लैट नंबर 702, 7वां तल, परिमाप 1734 वर्ग फीट + बेसमेंट नंबर बी-11 में पार्किंग स्पेस, तोमर अपार्टमेंट्स स्वास्थ्य विहार, नई दिल्ली-110092	रू. 1,42,00,000/- (रूपए एक करोड़ बयालीस लाख मात्र)	रू. 14,20,000/- (रूपए चौदह लाख बीस हजार मात्र)	रू. 1,49,83,670.90/- (रूपए एक करोड़ उन्चास लाख तिरासी हजार छह सौ सत्तर तथा पैसे नब्बे मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
7.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00002272331, X0HEELD00001598962 & X0HEDHE00001394182** दिल्ली शाखा) नितिन गुप्ता (कर्जदार) पूजा गुप्ता, जय प्रकाश गुप्ता, मैसर्स जेपी केबल ऐण्ड वायर्स (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : एफ-30, ब्लॉक-एफ, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110032 **अन्य पता** : 27/94/10, ज्वाला नगर, तिकोना पार्क, नई दिल्ली-110032	26-06-2019 रू. 1,03,06,490.39 (रूपए एक करोड़ तीन लाख छह हजार चार सौ नब्बे तथा पैसे उन्तालीस मात्र)	कम्पाउण्ड नंबर 30, परिमाप 150 वर्ग गज, फ्रंट पोर्शन, ब्लॉक-एफ, खसरा नंबर 1096/322 एवं 1097/322 मौजा चंद्रावली, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, नई दिल्ली-110032	रू. 90,00,000/- (रूपए नब्बे लाख मात्र)	रू. 9,00,000/- (रूपए नौ लाख मात्र)	रू. 1,08,19,307/- (रूपए एक करोड़ आठ लाख उन्नीस हजार तीन सौ सात मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
8.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001114607, X0HEDHE00001287153** दिल्ली शाखा) राघवेन्द्र सिंह (कर्जदार) गीता सिंह (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : नांगल राया, नई दिल्ली-110046 में स्थित खसरा नंबर 498ध444ध171 - 497ध43ध171ध7ए में से सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड-267 का एरिया 300.83 वर्ग गज।	17-12-2016 रू. 1,87,02,514.27 (रूपए एक करोड़ सतासी लाख दो हजार पांच सौ चौदह तथा पैसे सत्ताईस मात्र)	नांगल राया, नई दिल्ली-110046 में स्थित खसरा नंबर 498/444/171- 497/43/171/7, में से सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड-267 का एरिया 300.83 वर्ग गज, भू तल और प्रथम तल पर स्कूल चल रहा है (शानदार लोकेशन)	रू. 2,50,00,000/- (रूपए दो करोड़ पचास लाख मात्र)	रू. 25,00,000/- (रूपए पच्चीस लाख मात्र)	रू. 2,88,16,040.70/- (रूपए दो करोड़ अठासी लाख सोलह हजार चालीस तथा पैस सत्तर मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
9.	ऋण खाता संख्या (**X0HEDHE00001282721** दिल्ली शाखा) धनेश कालरा (कर्जदार) रंजीत सिंह, सुरेन्द्र कालरा, सुरिन्दर कालरा, जय राम सिंह, किरण सेल्स प्रा. लि. (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : मकान नंबर जे-232, जे पाकेट, भू तल तथा प्रथम तल, सरिता विहार, नई दिल्ली-110044 **अन्य पता** : मकान नंबर जे-12/42, राजौरी गार्डन, द्वितीय तल, नई दिल्ली-110027	24-05-2019 रू. 3,30,69,745.00 (रूपए तीन करोड़ तीस लाख उनहत्तर हजार सात सौ पैंतालीस मात्र)	सम्पत्ति 2 - मकान नंबर जे-232, कैट एसएफएस-।।।, जे पाकेट, भू तल तथा प्रथम तल, सरिता विहार, नई दिल्ली	रू. 1,15,00,000/- (रूपए एक करोड़ पंद्रह लाख मात्र)	रू. 11,50,000/- (रूपए ग्यारह लाख पचास हजार मात्र)	रू. 3,13,46,946.80/- (रूपए तीन करोड़ तेरह लाख छियालीस हजार नौ सौ छियालीस तथा पैसे अस्सी मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक
			जे-12/42 का सम्पूर्ण द्वितीय तल, छत टेरेस का अधिकार नहीं, परिमाप 200 वर्ग गज, आवासीय कालोनी, राजौरी गार्डन, ग्राम ततारपुर, नई दिल्ली-110027	रू. 1,10,00,000/- (रूपए एक करोड़ दस लाख मात्र)	रू. 11,00,000/- (रूपए ग्यारह लाख मात्र)		
10.	ऋण खाता संख्या (**X0HEELD00001718711 & X0HEDES00002245255** दिल्ली शाखा) रमा रानी (कर्जदार) रमेश कुमार अग्रवाल, त्रिनेश कुमार अग्रवाल, रमेश कुमार अग्रवाल, मैसर्स रमा डिस्ट्रीब्यूटर्स (सह-कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : जी-39, भू तल, माडल टाउन-।।।, नई दिल्ली-110009 **अन्य पता** : ए-80/1, भू तल, आरजीटी करनाल इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110033	19-09-2019 रू. 1,02,70,803.03 (रूपए एक करोड़ दो लाख सत्तर हजार आठ सौ तीन तथा पैसे तीन मात्र)	सम्पत्ति परिमाप :- सम्पत्ति सं. जी-3/39 का सम्पूर्ण अपर ग्राउण्ड फ्लोर, 1/4 छत अधिकार के साथ, क्षेत्रफल परिमाप 145.44 वर्ग गज, माडल टाउन, दिल्ली-110009	रू. 1,00,00,000/- (रूपए एक करोड़ मात्र)	रू. 10,00,000/- (रूपए दस लाख ,मात्र)	रू. 1,04,86,456/- (रूपए एक करोड़ चार लाख छियासी हजार चार सौ छप्पन मात्र) + आगे भुगतान की प्राप्ति तक ब्याज	सांकेतिक

नीलामी के नियम एवं शर्ते

1. **सीलबंद बिड/ऑफर प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि** : सीलबंद बिड/ऑफर निर्धारित निविदा प्रपत्र में ईएमडी तथा केवाईसी सहित शाखा कार्यालय : **प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 में 30-12-2019** तक अप. 05.30 बजे से पूर्व प्रस्तुत की जा सकती है। अधूरी निविदाएं अथवा अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं अवैध मान्य होंगी और तदनुसार अस्वीकृत होंगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. **बिड/ऑफर खोलने की तिथि (नीलामी तिथि)** : सम्पत्ति हेतु बिड/ऑफर उपरोक्त पते पर स्थित शाखा कार्यालय में **31-12-2019** को पूर्वा. 10.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में खोली जाएगी।
3. **अचल सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि** 18-12-2019 को **पूर्वा. 10.00 बजे** से **अप. 03.30 बजे** के बीच है।
4. इसके अतिरिक्त, सूचना में वर्णित बकाया राशि पर, इसकी पूर्ण वसूली तक, ऋण अनुबंध के अनुसार ब्याज तथा अनुषंगी व्यय, लागत इत्यादि प्रभारित किए जाएंगे।
5. एतद्द्वारा कर्जदारों तथा गारंटरों को बिक्री के समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है तथा वे बिक्री के नियम एवं शर्तों के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु इच्छुक क्रेता/खरीदार ला सकते हैं।
6. **एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/तथा गारंटर(रों) को सरफासी ऐक्ट, 2202 के तहत बिक्री के संबंध में 15 दिन का नोटिस दिया जाता है** कि वे उपरोक्त राशि नीलामी की तिथि से पहले चुकता कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी की जाएगी तथा शेष राशि, यदि कोई होगी, ब्याज एवं लागत सहित वसूल की जाएगी। यदि कर्जदार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया पूरी राशि बिक्री से पहले चुका देता है, तो नीलामी रोक दी जाएगी।
7. नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्ते निर्धारित निविदा प्रपत्र में दी गई हैं। निविदा प्रपत्र उपरोक्त शाखा कार्यालय में उपलब्ध हैं।
8. अचल सम्पत्ति उच्चतम निविदादाता को बेची जाएगी। तथापि प्राधिकृत अधिकारी को आवश्यक समझे जाने पर परस्पर बोलीदान की अनुमति देने का विवेकाधिकार प्राप्त है। उपरोक्त सम्पत्ति सुरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी।
9. **चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी भी लम्बित देयता के लिए जिम्मेदार नहीं है। सम्पत्ति "जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार" पर नीलाम की जाएगी।**
10. कुल बकाया ऋण राशि ऋण पूर्वबंदी राशि नहीं है। अन्य सभी प्रभारों (यदि कोई) की गणना ऋण बंद करते समय की जाएगी।
11. डिमांड ड्राफ्ट केवल **'चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड'** के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।

अतिरिक्त विवरण के लिए, प्राधिकृत अधिकारी से उपरोक्त कार्यालय पते पर सम्पर्क करें।

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

स्थान : दिल्ली/एनसीआर दिनांक : 01-12-2019

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 1 दिसंबर, 2019

लंदन ब्रिज का हमलावर आतंकवाद मामले में है दोषी

2012 में आतंकवाद के एक मामले में दोषी ठहराया जा चुका उस्मान पैरोल पर बाहर था

एएफपी। लंदन

ब्रिटेन के मशहूर लंदन ब्रिज के निकट शुक्रवार को हुई चाकूबाजी में शामिल संदिग्ध 2012 में भी आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तत होने का दोषी पाया गया था।

गौरतलब है कि ब्रिटेन के मशहूर लंदन ब्रिज के निकट शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना में दो लोग मारे गए थे। वहीं स्कॉटलैंड यार्ड ने फर्जी विस्फोटक जैकेट पहने एक पुरुष संदिग्ध को घटनास्थल पर मार गिराने की पुष्टि की थी। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान 28 वर्षीय उस्मान खान के तौर पर की है। साथ ही उन्होंने कहा कि घटना में किसी और के शामिल होने की फिलहाल कोई आशंका नहीं है। स्कॉटलैंड यार्ड के हेड ऑफ काउंटर टेररिज्म पुलिसिंग के सहायक आयुक्त नील बसु ने बताया कि

उसकी पहचान हो गई है। 2012 में उसे आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तत होने का दोषी पाया गया था और दिसम्बर 2018 में ही उसे जेल से रिहा किया गया। वहीं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक बयान में कहा, जांच जारी है। पुलिस पुष्टि कर सकती है कि यह एक आतंकवादी घटना है।

ब्रिटेन के आतंकवाद रोधी अधिकारियों ने जांच अपने हाथ में ले ली है और घटना को आतंकवादी घटना घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने ब्रिज की घेराबंदी कर रखी है। लंदन ब्रिज उन इलाकों में से एक है जहां जून 2017 में आईएसआईएस के आतंकी हमले में 11 लोगों की जान गई थी। लंदन पुलिस का कहना है कि आतंकी उस्मान अपने बचपन का दिन पाकिस्तान में ही व्यतीत किया था। उसकी शुरूआती पढ़ाई भी वहीं से हुई थी। वह अलकायदा जैसे खुंखार आतंकी संगठनों से जुड़ा हुआ था।

द हेग शॉपिंग स्ट्रीट पर हुई चाकूबाजी में तीन नाबालिग घायल

द हेग (एएफपी)। दे हेग में शॉपिंग स्ट्रीट पर शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में तीन नाबालिग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि वह संदिग्ध पुरुष की तलाश कर रही है। घटना शहर के मध्य में एक डिपोर्टमेंट स्टोर में हुई। गौरतलब है कि यह घटना ब्रिटेन के मशहूर लंदन ब्रिज के निकट शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना के कुछ घंटे बाद हुई है। दे हेग पुलिस ने ट्वीट किया , ग्रोटे मार्कटस्ट्राट में हुई घटना में घायल हुए तीनों लोग नाबालिग हैं। हम उनके परिवार के साथ सम्पर्क में हैं। पुलिस ने किसी भी घायल की उम्र नहीं बताई। उन्होंने कहा, हम हमलावर की तलाश कर रहे हैं। गहन जांच जारी है। समाचार एजेंसी एएनपी ने डच पुलिस की एक प्रवक्ता के हवाले से कहा कि हम अभी हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रहे हैं। इस बीच, पुलिस ने बताया कि वे सांवले रंग के घुंघराले बाल वाले व्यक्ति को ढूंढ रही है, जिसकी उम्र 40 से 50 वर्ष के बीच है।

बिग बीयर झील, कैलिफोर्निया में बिग बियर माउंटेन रिज़ॉर्ट में ताज़ा बर्फबारी की एक तस्वीर

संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली, यूरोप में सड़कों पर उतरे लाखों लोग

बर्लिन (एएफपी)। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले वैश्विक तापवृद्धि के खिलाफ नए सिरे से कदम उठाने और विश्व नेताओं पर दबाव बनाने के लिए यूरोप और एशिया में लाखों लोग सड़कों पर उतरे। दिल्ली में करीब 50 स्कूलों और कॉलेज के छात्रों ने हाथ में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए पर्यावरण मंत्रालय की ओर मार्च किया। साथ ही उन्होंने सरकार से पर्यावरण आपातकाल घोषित करने की मांग भी की।

बर्लिन के ब्रांडेनबर्ग गेट पर लोग तख्तियां लिए नजर आए जिस पर लिखा था, एक ग्रह, एक लड़ाई। फ्राइडेस फॉर फ्यूचर के ताजा प्रदर्शन में जर्मनी के 500 से अधिक शहरों में 6,30,000 लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि केवल हेमबर्ग में ही कुल 30,000 लोग और म्युनिख में 17,000 लोग एकत्रित हुए, जिन्होंने बढ़ते तापमान के खिलाफ आवाज उठाई। वहीं मैड्रिड में 17,00 लोग एकत्रित हुए, जहां अगले सप्ताह 12 दिवसीय सीओपी25 सम्मेलन का आयोजन होगा।

फ्राइडेस फॉर फ्यूचर की डच शाखा ने कहा कि 15 शहरों में प्रदर्शन जारी है। एम्स्टर्डम में शाम को एक पदयात्रा का आयोजन किया गया, जहां प्रदर्शनकारियों ने जलवायु संकट के पीड़ितों के लिए मौन भी रखा। अमेरिका और कनाडा में काफी कम संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। न्यूयॉर्क में 100 और वॉशिंगटन में करीब 50 लोगों ने ही प्रदर्शन किया।

अफगानिस्तान में बम विस्फोट में वरिष्ठ सैन्य कमांडर की मौत

काबुल (एपी)। अफगानिस्तान के दक्षिणी हेलमंद प्रांत में सड़क किनारे हुए एक बम विस्फोट में एक वरिष्ठ सीमा कमांडर सहित दो सुरक्षा कर्मी मारे गए।

प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता उमर जवाक ने शनिवार को कहा कि मरजाह जिले में हुए विस्फोट में दो अन्य सुरक्षा अधिकारी और एक स्थानीय टेलीविजन रिपोर्टर घायल हो गया। यह विस्फोट उस समय हुआ जब वहां से एक काफिला गुजर रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि हमला संभावित रूप से सैन्य सीमा इकाई के कमांडर जनरल जहीर गुल मुकबिल को निशाना बनाकर किया गया। वह इस विस्फोट में मारे गए। उन्होंने कहा कि शमशाद टीवी नेटवर्क के रिपोर्टर सरदार मोहम्मद सरवारी घायलों में शामिल हैं और वह मरजाह में एक अभियान के लिए जा रहे सुरक्षा बलों के साथ थे।

इराक : प्रधानमंत्री के इस्तीफे की घोषणा के बावजूद सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी

एएफपी। नासिरिया

इराक में प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल मेहदी के इस्तीफे की घोषणा के बावजूद सरकार विरोधी प्रदर्शन थम नहीं रहे हैं। प्रदर्शनकारी 'भ्रष्ट व्यवस्था' को दुरुस्त करने और विदेशी शक्तियों से मुक्त कराने की मांग पर अड़े हुए हैं।

इराक के लोग खस्ताहाल अनिवार्य सेवाओं, नौकरियों के अभाव और भ्रष्टाचार के खिलाफ अक्टूबर की शुरुआत से प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 420 लोगों की मौत हो चुकी है और 15,000 लोग घायल हुए हैं।

इस सप्ताह राजधानी बगदाद, पवित्र शहर नजफ और प्रधानमंत्री मेहदी के जन्मस्थान नासिरिया शहर में

हुई झड़पों में दर्जनों लोगों की मौत हुई है। इस बीच प्रधानमंत्री मेहदी ने प्रदर्शकारियों और शीर्ष शिया धर्मगुरु आयतुल्ला अली सिस्तानी की ओर से बढ़ते दबाव के कारण शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह रविवार तक संसद को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। बहरहाल, प्रदर्शनकारी इससे संतुष्ट नहीं है।

मुशर्रफ के मुकदमे से जुड़ा ब्योरा देने से इमरान सरकार का इनकार

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ के खिलाफ राजद्रोह के आरोप में मुकदमा चलाने के लिए अनुबंधित की गई लीगल टीम के विवरण की मांग करने वाले एक आवेदन को खारिज कर दिया।

जियो न्यूज के अनुसार, कानून मंत्रालय ने शुक्रवार को मुशर्रफ से जुड़े ब्योरे को गोपनीय बताते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया और आवेदक की फीस वापस कर दी। पाकिस्तानी नागरिक मुख्तार अहमद अली ने आमतौर पर आरटीआई कानून के रूप से चर्चित सूचना का अधिकार अधिनियम 2017 के तहत इस बाबत विवरण मांगा था। साथ ही वह यह जानना चाहता था कि जनता जो टैक्स भरती

है, उसका इस्तेमाल किस विवेकपूर्ण ढंग से मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। आवेदक अली के हवाले से कहा गया है कि मंत्रालय ने उन्हें इस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के अयोग्य करार दिया। अपने जवाब में, मंत्रालय ने 1993 में जारी एक कैबिनेट डिवीजन अधिसूचना का उल्लेख करते हुए जानकारी देने से मना किया।

आवेदन के जवाब में मंत्रालय की ओर से यह भी कहा गया है कि मंत्रालय गोपनीय जानकारियों को साझा करने के लिए बाध्य नहीं है और उसे इससे छूट दी गई है।

क्विक न्यूज

नेपाल उपचुनाव में 52 सीटों के लिए 337 प्रत्याशी

काठमांडू। नेपाल मे 52 सीटो पर होने वाले प्रांतीय और निकाय उप चुनावो मे 84 निर्दलीय समेत 337 प्रत्याशी भाग ले रहे है। चुनाव आयोग ने शनिवार को यह जानकारी दी। विभिन्न कारणो से रिक्त 52 सीटो पर उप चुनाव शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक हुए। चुनाव आयोग ने कहा, 37 जिलो मे खाली 52 पदो मे एक प्रतिनिधि सभा का सदस्य है, तीन प्रांतीय सभा के सदस्य है और 48 प्रमुख, उप प्रमुख और स्थानीय निकाय के सदस्य है। आयोग ने कहा कि कुल 11 राजनैतिक पार्टियां प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रही है, 15 दल प्रांतीय सभा के चुनाव लड़ रहे है और 20 पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव लड़ रही है। चुनाव मे कुल 337 प्रत्याशी भाग ले रहे है।

चीन में नवंबर में सुधरी कारखानों की गतिविधियां

बीजिंग (एएफपी)। चीन मे कारखानो की गतिविधियो मे सात महीने बाद नवंबर मे पहली बार सुधार देखा गया। शनिवार को जारी आंकड़ो मे इसकी जानकारी मिली। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ो के अनुसार, खरीद प्रबंध सूचकांक (पीएमआई) नवंबर महीने में अक्टूबर के 49.3 से बढ़कर 50.2 पर पहुंच गया। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का अर्थ गतिविधियो मे विस्तार होता है जबकि सूचकांक का 50 से नीचे रहने संकुचन का द्योतक होता है। आंकड़ो के अनुसार, चीन के वस्तुओ की विदेश मे मांग नरम बनी हुई है। हालांकि नए निर्यात ऑर्डरो का सूचकांक बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 48.8 पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के साथ जारी व्यापार युद्ध के कारण चीन को आर्थिक मोर्चे पर लगातार दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है।

साइबेरिया में मिला 18 हजार साल पहले दफनाया पिल्ला

नोवोसिबिर्स्क। साइबेरिया में करीब 18 हजार साल पहले दफनाया गया एक पिल्ला सही सलामत हालत में पाए जाने की खबर सामने आई है। हालांकि वैज्ञानिकों को अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि वह पिल्ला है या भेड़िया है। यह खुलासा एक मीडिया रिपोर्ट से हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय भाषा में दोस्त के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द डोगोर नामक पिल्ले को पूर्वी साइबेरिया स्थित याकूत्स्क में बीते बसंत के दौरान पाया गया था। पिल्ले की नाक, दांत और उसके रोए पहचाने जाने की अवस्था में हैं। शोधकर्ता लव डेलेन ने कहा कि ऐसी संभावना है कि यह अब तक पाया जाने वाला सबसे प्राचीन पिल्ला हो सकता है।

चेप्पो, पनामा के पास, बानो नदी के मुहाने पर एक ड्रग निपटान अभियान के दौरान पनामा के पुलिस विशेष बल के सदस्य

सूरीनाम के राष्ट्रपति को हत्याओं के मामले में 20 साल की सजा

पैरामारिबो (एएफपी)। सूरीनाम के राष्ट्रपति डेजी बोउटर्स को एक सैन्य अदालत ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की हत्या के मामले में शुक्रवार को 20 साल कैद की सजा सुनाई। मामला 1982 का है जब बोउटर्स दक्षिणी अमेरिकी देश के तानाशाह थे। बोउटर्स के वकील इरविन कैनहई ने कहा कि राष्ट्रपति अभी चीन यात्रा पर हैं और अगले सप्ताह वापस आने के बाद फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। तथाकथित दिसंबर हत्याएं मामले ने हमेशा बोउटर्स के कार्यकाल को धूमिल किया है, जिसमें शासन ने 13 नागरिकों और दो सैन्य अधिकारियों की हत्या की थी। वहीं बोउटर्स ने हमेशा इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि मारे गए लोगों को सीआईए की मदद से तख्तापलट के खिलाफ कार्वाई करने की साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

एसपीडी के नेता पद के चुनाव के मद्देनजर जर्मन सरकार के गठबंधन पर संशय के बादल

एएफपी। बर्लिन

जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल की सरकार का भविष्य शनिवार को अधर में लटका है। सरकार की गठबंधन सहयोगी सोशल डेमोक्रेट्स अपने नेता पद के चुनाव के नतीजों की घोषणा करने के लिए तैयार है।

एंजेला मर्केल सरकार चाहती है कि वित्त मंत्री ओलफ स्कोल्स और उप नेता के पद पर लड़ रही क्लारा गेविट्स चुनाव जीतें। ए दोनों मर्केल की दक्षिण की ओर झुकाव रखने वाली क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स के साथ वाम की ओर झुकाव रखने वाली एसपीडी के 2021 तक गठबंधन का हिस्सा बने रहने के पक्ष में हैं। साल 2017 में अनिर्णायक संसदीय चुनावों के बाद पिछले साल यह गठबंधन हुआ था। स्कोल्स और गेविट्स को चुनौती देने वाले सास्किया इस्केन और नोर्बर्ट वाल्टर-बोरजान्स हैं जो गठबंधन के खिलाफ रहे हैं। चुनाव के नतीजों की घोषणा अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शाम पांच बजे की जाएगी। पार्टी के 4,26,630 सदस्य मतदान में भाग ले रहे हैं। नेतृत्व पद का यह चुनाव एसपीडी की पूर्व नेता एंड्रिया नैहल्स के पद छोड़ने के बाद हो रहा है जिन्होंने यूरोपीय संसद चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया।

अल्बानिया में भूकंपः मृतक संख्या 50 पर पहुंची, अभियान बंद

तिराना (अल्बानिया)। अल्बानिया में मंगलवार तड़के आए भूकंप के बाद शुरू किए गए तलाश एवं बचाव अभियान को समाप्त कर दिया गया है। राहत एजेंसियों के अनुसार मलबे में और लोगों के दबे होने की उम्मीद नहीं है। वहीं, विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की तादाद 50 पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री एदी रामा ने कहा कि प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार मंगलवार तड़के आए 6.4 तीव्रता के भूकंप में राजधानी तिराना में।,465 और पडो़सी शहर ड्यूर्स में 900 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार लगभग दो हजार लोग घायल हुए हैं। एक महिला कोमा में है।शुरुआती आकंड़ों के अनुसार कम से कम चार हजार लोग बेघर हुए हैं। क्षतिग्रस्त मकानों में रहने वाले लगभग 2,500 लोग होटलों में शरण लिए हुए हैं।

रेनॉ, निसान, मित्शुबिशी ने चुना संयुक्त उपक्रम का नया प्रमुख

पेरिस (एएफपी)। रेनॉ, निसान और मित्शुबिशी के संयुक्त उपक्रम ने पूर्व प्रमुख कार्लोस घोसन की गिरफ्तारी के करीब एक साल बाद अपना नया मुख्य कार्यकारी चुन लिया है। फ्रांस के अखबार ली फिगारो के अनुसार, लेबनानी मूल के हादी जाबलित (49) को संयुक्त उपक्रम का नया मुख्य कार्यकारी बनाया गया है।

मामले से जुड़े एक सूत्र ने ली फिगारो की खबर की पुष्टि करते हुए एएफपी को शुक्रवार को बताया कि जाबिल्त औद्योगिक तालमेल की परियोजनाओं का कार्य देखेंगे तथा संयुक्त उपक्रम की दक्षता एवं वित्तीय प्रदर्शन को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। जाबिल्त अभी संयुक्त उपक्रम में कारोबारी गतिविधियों के प्रमुख का कार्य देख रहे थे। वह 1994 में उत्पाद प्रबंधक के तौर पर रेनॉ से जुड़े थे।

भारत-चीन को एशियाई सदी को साकार करने के लिए करीबी सहयोग करना चाहिएः थिंकटैंक

भाषा। बीजिंग

भारत और चीन के शीर्ष राजनयिक यहां एक बैठक में इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देशों को क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सहयोग करना चाहिए और एशियाई सदी को साकार करने के लिए बहुआयामी संबंधों को अवश्य कायम रखना चाहिए।

यहां शनिवार को संपन्न हुए चौथे भारत-चीन थिंक टैंक फोरम में दोनों देशों के राजनयिकों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों ने सर्वसम्मति से यह विचार जाहिर किया कि दोनों देशों को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर करीबी सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मई 2015 में चीन यात्रा के दौरान थिंक-टैंक फोरम की स्थापना की गई थी।

इस फोरम का आयोजन इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्डर्स अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) और चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (सीएएसएस) ने संयुक्त रूप से

● भारत-चीन थिंक टैंक फोरम मे दोनो देशो के राजनयिको ने द्विपक्षीय संबंधो को मजबूत करने के लिए कई मुद्दो पर चर्चा की

किया। भारतीय दूतावास ने यहां जारी एक बयान में कहा है एशियाई सदी में भारत-चीन संबंध के तहत इस मंच ने भारत और चीन के बीच करीबी विकास साझेदारी बनाने सहित विभिन्न मुद्दों पर गहराई से चर्चा की। बयान में कहा गया है कि ए चर्चा दोस्ती और खुलेपन की भावना के साथ हुई तथा इसने दोनों देशों के बीच परस्पर समझ बढ़ाने में योगदान दिया।

इसमें कहा गया है, बैठक में भाग लेने वालों ने इसके बारे में सर्वसम्मत विचार प्रकट किया कि पड़ोसी एवं तेजी से विकास करने वाले देश होने के नाते यह जरूरी है कि भारत और चीन, दोनों देश द्विपक्षीय रूप से और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सहयोग करेंगे। भारत-चीन संबंध उभरती एशियाई सदी के लिए एक अहम संबंध है।

बैठक में हिस्सा लेने वाले 15 सदर्सीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक टीसीए राघवन ने किया। राघवन ने कहा कि उपमहाद्वीप की दो बड़ी शक्तियां, भारत और चीन को अवश्य ही बहुआयामी संबंध कायम रखना चाहिए। चीन में नियुक्त भारत के उप राजदूत ए. विमल ने कहा कि यह समझना जरूरी है कि यह सदी बेशक भारत और चीन की है।

उन्होंने कहा, हमें शोध कार्यों के लिए युवा विद्वानों की एक दूसरे देशों के शोध केंद्रों में संक्षिप्त यात्रा या तीन या छह महीनों का इंटर्नशिप कराने पर विचार करना चाहिए।

आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपों को लेकर

सात दिसम्बर को सुनवाई का सामना करेगा हाफिज सईद

भाषा। लाहौर

मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य षड्यंत्रकर्ता एवं प्रतिबंधित संगठन जमात उद दावा प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपों को लेकर अगले महीने यहां आतंकवाद निरोधी अदालत द्वारा अभियोग चलाया जाएगा। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी।

लाहौर में आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने शनिवार को सईद और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर सुनवाई की और मामले में जमात-उद-दावा प्रमुख और अन्य के खिलाफ अभ्यारोपण के लिए सात दिसंबर की तिथि निर्धारित की।

अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद कहा, एटीसी न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्टा ने अभियोजन और बचाव पक्ष के

वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सईद और अन्य के खिलाफ अभ्यारोपण के लिए सात दिसंबर की तारीख तय की। उन्होंने कहा कि अभियोजक अब्दुर रऊफ़ भट्टी ने अदालत से मामले की सुनवाई जल्द पूरी करने के लिए दिन प्रतिदिन आधार पर सुनवाई करने का अनुरोध किया जिसका सईद के वकील द्वारा विरोध किया गया।

अधिकारी ने कहा, न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें सबूतों और गुणदोष को लेकर सुनवाई पूरी करनी है। उन्होंने बताया कि अदालत ने मामले की सुनवाई सात दिसम्बर तक के लिए स्थगित कर दी। सईद को कड़ी सुरक्षा के बीच कोट लखपत जेल से एटीसी लाया गया। पंजाब पुलिस द्वारा अपनाए गए सुरक्षा उपायों के कारण पत्रकारों को सुनवाई कवर करने के लिए अदालत में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने सईद और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवाद वित्तपोषण के आरोपों में पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में 23 प्राथमिकी दर्ज की थीं और जमात उद दावा प्रमुख को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया था। वह लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। मामले लाहौर, गुजरांवाला और मुल्तान में अल-अंफाल ट्रस्ट, दावातुल इरशाद ट्रस्ट और मुआज बिन जबाल ट्रस्ट सहित ट्रस्ट या गैर-लाभ संगठनों (एनपीओ) के नाम पर बनाई गई संपत्तिसंपत्तियों के माध्यम से आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन एकत्रित करने के लिए दर्ज किए गए हैं।

पायनियर
रविवार, 1 दिसंबर, 2019

एजेण्डा

जीवन में कुछ भी होता रहे, लोगों के प्रति अच्छे हों। लोगों के प्रति अच्छा होना एक अनोखी विरासत छोड़ जाना है
- टेलर स्विफ्ट

प्रतिकारी विध्वंसक जेंडर नियम

जब हम प्रतिबंध लगाने वाले जेंडर नियमों के खिलाफ संदेश प्रसारित करने को अहमियत नहीं देते हैं , बल्कि एक चुप्पी ओढ़ लेते हैं तो यह चुप्पी इस अवचेतन विचार को जन्म देती है कि बच्चों को जांचने-परखने की अपनी अभिव्यक्ति की आजादी तथा स्वस्थ विकास का तरीका त्याग देना चाहिए। इस जटिल विषय पर विस्तृत जानकारी देती हैं विशेषज्ञ-लेखिका **अरियाना अबादियन- हीफेत्ज**

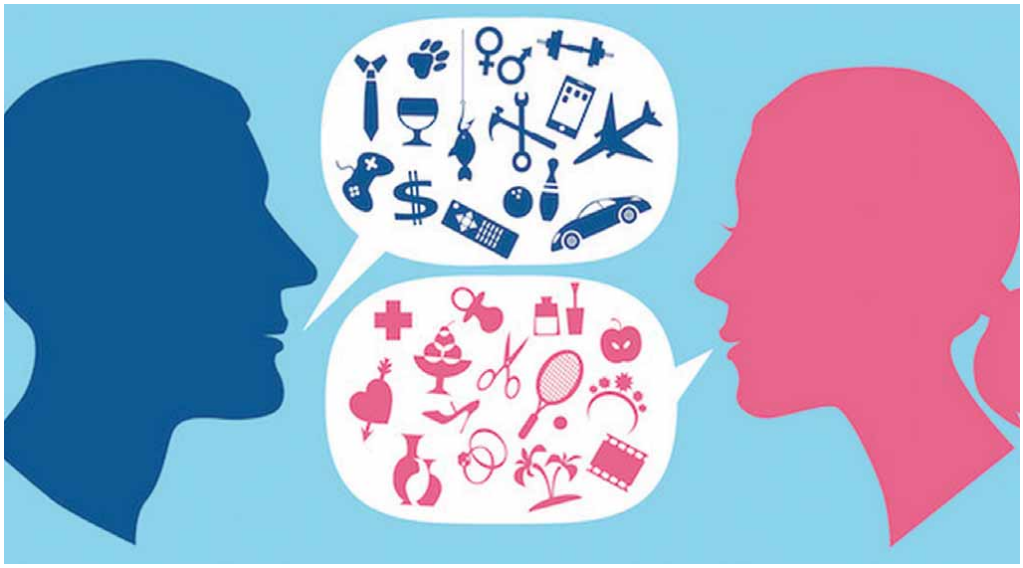

चार साल की उम्र से ही, बच्चे सख्त जेंडर नियमों को एक दूसरे पर थोपना शुरू कर देते हैं, और वो भी यह इंगित करने की मंशा के साथ कि '' तुम यह नहीं पहन सकते, यह लड़की का रंग है,'' या '' तुम इससे नहीं खेल सकती, यह लड़कों का खिलौना है।'' जिस प्रकार सामाजिक लोग वयस्कों पर निर्भर होते हैं, अपने परिवारों में निरंतर समावेशित होने के लिए आवश्यक, अपने अस्तित्व के मद्देनजर , बच्चे सावधानीपूर्वक सामाजिक नियमों को अपनाते व उनके साथ ढलते हैं। यह स्वीकार किए जाने की उनकी इच्छा होती है, जो लड़के को रोने की, अपने विशुद्ध स्वाभाविक मानवी प्रवृत्ति को दबाने का कारण बनती है। और इस प्रवृत्ति को कुछ ऐसे बताया जाता है कि वह इस विचार को मानने वाला बन जाता है कि ये स्वस्थ आचरण अस्वीकार्य हैं और लड़कों व पुरुषों के लिए कमजोरी हैं।

जब हम प्रतिबंधक जेंडर नियमों के विपरीत संदेश प्रदान करने को अहमियत नहीं देते हैं तो उससे उत्पन्न होने वाली खामोशी इस अवचेतन विचार को जन्म देती है कि बच्चों को किसी चीज को जांचने की अपनी अभिव्यक्ति की आजादी तथा स्वस्थ विकास का परित्याग करना चाहिए। घरों व स्कूलों में जेंडर संबंधी निरंतर संवाद व समझदारी की अनुपस्थिति एक ऐसा शून्य है जिसे सौभाग्यवश, भरने के लिए हम एक साथ काम कर सकते हैं।

दोहरे मापदंड पहचानें

चाहे घर में हों या स्कूल में, महत्वपूर्ण पहला कदम यह है कि दोहरे मानकों के प्रति सजग हुआ जाए और उन्हें संयोगवश लागू न किया जाए। अगर अच्छा इंसान बनाने की बात है तो लड़कों और लड़कियों को एक ही पैमाने पर रखा जाए, बजाय इसके कि उन्हें ''अच्छा लड़का'' या ''अच्छी लड़की'' के विभिन्न मूल्यों को सिखाया जाए। उदाहरण के लिए, यह जरूरी है कि सिर्फ लड़कियां नहीं, बल्कि सभी बच्चे सीखें कि खाना बनाने में सहायता करके कैसे जिम्मेदार बना जाए। इसी प्रकार, यह भी जरूरी है कि सभी बच्चे सक्षम महसूस करें, कि सिर्फ लड़के ही नहीं, बल्कि सारे बच्चे निर्माण उपकरणों का उपयोग सीख कर चीजें ठीक कर सकते हैं।

लड़कियों व महिलाओं पर अक्सर टॉमब्वाय या धाकड़ होने का बिल्ला लगा दिया जाता है जब वे शारीरिक रूप से सक्रिय व दावेदार होती हैं। एक ''अच्छी लड़की'' का संकीर्ण पैमाना- जिसमें लड़की से अपनी पैरवी करने की अपेक्षा नहीं की जाती है - लड़की को उन सकारात्मक, प्रमाणित, मेहनतकश गुणों के प्रति निरुत्साहित कर सकता है, जिन्हें हम लड़कों में देखते हैं। यह जरूरी है कि लड़कियों की जिज्ञासा, दृढ़ता, और आत्मविश्वास को भी प्रोत्साहित किया जाए, न कि सिर्फ उनमें दूसरों की सेवा करने व उन्हें खुश करने की योग्यता को ही सराहा जाए। इसके अलावा, और भी महत्वपूर्ण रूप में, लड़के को सिर्फ प्रतिस्पर्धा करने व ध्यानाकर्षण हासिल करने की उसकी योग्यता के बजाय उसकी परानुभूति, समझदारीपूर्वक संवाद करने व साथ काम करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना भी अत्यावश्यक है। जब हम शुरुआती उम्र से कोमल, भावुक तथा सहायता के लिए पुकारने की लड़कों की क्षमता को लेकर उनकी प्रशंसा करते हैं - कि ये क्षमता और हिम्मत के प्रतीक हैं- हम बेहतर इंसान का निर्माण करते हैं, जिनमें भावनात्मक उथलपुथल वाली स्थिति का सामना करने की स्थिति में हिंसा का रास्ता चुनने की संभावना कम होती है और जिनमें अपने पेशेवर व निजी संबंधों में आगे बढ़ने की अधिक संभावना होती है।

विविधतापूर्ण रोल मॉडल्स

वयस्क लोग जिस ढंग से अपने जीवन में दिखते व आचरण करते हैं, उसी ढंग के आप एक सजीव रोल मॉडल होते हैं जो जानबूझकर जेंडर अपेक्षाओं के तयशुदा खांचे से बाहर जाकर कदम उठाने के तरीके तलाश सकता है। ऐसा करके, आप अपने जीवन में बच्चों को इन पाबंदियों से परे ख्वाब देखने और उन्हें उस चीज की खोज करने के लिए प्रेरित करेंगे जो उनकी अपनी प्रामाणिक अभिव्यक्तियां होती हैं। माता पिता के रूप में, इसकी शुरुआत करने की जगह है पारंपरिक जेंडर भूमिका पर आधारित अपनी आत्म अभिव्यक्तियों व जिम्मेदारियों के विभाजन के बारे में अपने जीवनसाथी के साथ संवाद करना, जहां अभिव्यक्ति के नए रूपों के साथ प्रयोग करने तथा जिम्मेदारियों के बंटवारे के अवसर बन सकते हैं।

उदाहरण के लिए, पिता नाश्ता बना सकता है और मां डिनर बना सकती है या मां और पिता दोनों बिस्तर पर जाने से पहले रात के किस्से पढ़ते हैं और आलिंगनबद्ध होते हैं। बतौर पिता, आप अपनी भावनाओं को साझा करने के सचेत प्रयास कर सकते हैं, आप अपने बच्चों को बता सकते हैं कि आप उनसे प्रेम करते हैं, और अपने बच्चों के लिए उसी काम को करना सुरक्षित बना सकते हैं। अपने बच्चों को दिखाएं कि जिम्मेदारियां-चाहे इस घर की देखभाल करना हो या पैसा कमाना हो- मनमाने ढंग से किसी चीज पर आधारित कार्यदेश नहीं हैं , जिस प्रकार कि इंसान के शारीरिक अंग होते हैं, मगर उन सभी के ऊपर अलग अलग कार्यभार होते हैं, उसी प्रकार उनमें समझदारीपूर्ण संवादों व परस्पर समझदारी पर आधारित बंटवारे होने चाहिए।

स्कूल और परिवार भी, बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तारित करने में सहायता हेतु, किताबों व फिल्मों के माध्यम से रोल मॉडल्स प्रदान करने को लेकर अधिक सजग हो सकते हैं कि उनके लिए क्या संभव है। स्कूल और परिवार उन्हें स्वयं को अभिव्यक्त करने के तरीकों की विविधता दिखा सकते हैं। आप लड़कियों को अधिकांश ऐसे महिला रोल मॉडलस प्रदान कर सकते हैं जो तयशुदा पैमाने पर फिट नहीं बैठते हैं, मसलन - विज्ञान, रसायन, दौड़, कूटनीति, पत्रकारिता, दार्शनिक- क्षेत्र में अग्रणी रोल मॉडल्स। लड़कों में ऐसे पुरुष रोल मॉडल्स प्रस्तुत करें जो पारंपरिक पुरुष सोच के साथ फिट नहीं बैठते- यानी ऐसे पुरुष जो शांतिदूत, घरेलू, नर्सों, टीचरों, व नारीवादी सामाजिक कार्यकता के रूप में बात करते हैं।

खुल कर संवाद करें

जब आपके बच्चे म्यूजिक वीडियोज, फिल्में, विज्ञापन और लैंगिकतावादी मीडिया को देखते हैं, तो आप उन विमर्शों में शामिल हो जाएं कि वे क्या देख रहे हैं और जो वे देख रहे हैं वह उन्हें भीतर से कैसा महसूस कराता है। घर पर तथा अपनी क्लासरूम में, लैंगिकवादी आचरण क्या होता है, उसे दिखाएं । और मुक्त भाषण एवं घृणा आधारित भाषण के बीच अंतर करना सिखाएं , वस्तुकरण के बारे में बहसें करें कि हमें किस प्रकार समाज में प्रमुखतया महिलाओं को, बतौर प्रेमियों या माताओं के रूप में तथा पुरुषों को संपत्ति और स्त्रियों को हासिल करने की उनकी क्षमता के लिए महत्व देना सिखाया गया है। काल्पनिक एवं नस्लवादी सौंदर्य मानकों पर, और जिस तरह बाजार अपने उत्पादों को बेचने के माध्यमों के रूप में महिला शरीर का इस्तेमाल करता है - इन तमाम मसलों पर बच्चों के साथ खुलकर संवाद करें, बहस करें। बच्चे आलोचनात्मक चिंतक बनें, वे प्रश्नकर्ता बनें, वे स्वयं के बारे में सुनने के लिए तैयार हों कि कौन सी चीज इन मानसिकताओं को समस्याकारी बनाती है, ऐसा व्यक्तित्व बनने में बच्चों की सहायता करें।

> *चाहे घर में हों या स्कूल में, महत्वपूर्ण पहला कदम यह है कि दोहरे मानकों के प्रति सजग हुआ जाए और उन्हें संयोगवश लागू न किया जाए। अगर अच्छा इंसान बनाने की बात है तो लड़कों और लड़कियों को एक ही पैमाने पर रखा जाए, बजाय इसके कि उन्हें ''अच्छा लड़का'' या ''अच्छी लड़की'' के विभिन्न मूल्यों को सिखाया जाए। उदाहरणार्थ, यह जरूरी है कि सिर्फ लड़कियां नहीं, बल्कि सभी बच्चे सीखें कि खाना बनाने में सहायता करके कैसे जिम्मेदार बना जाए। इसी प्रकार, यह भी जरूरी है कि सभी बच्चे सक्षम महसूस करें, कि सिर्फ लड़के ही नहीं, बल्कि सारे बच्चे निर्माण उपकरणों का उपयोग सीख कर चीजें ठीक कर सकते हैं।*

नन्हें बच्चों के साथ भी, जब आप किसी बच्चे को जेंडर पर आधारित कुछ कहते हुए सुनते हैं, मसलन, ''वे लड़कों वाले चश्मे हैं।'' तो उस अवसर का, आप उस विचार पर सवाल उठाने के शिक्षास्पद अवसर के रूप में इस्तेमाल करें। उनसे पूछें कि कौन सी चीज है जिससे पता चलता है कि यह लड़कों का चश्मा है, और ऐसे वर्गीकरण करने का क्या तुक है? ऐसा क्यों है कि ब्लू किडर एग का सिर्फ लड़कों के लिए उपयोग किया जाता है? क्या इसका कोई अर्थ होता है? फिर उन्हें इन ''नियमों'' के विपरीत उदाहरण दिखाएं।

उन्हें पढ़ाने की प्रतीक्षा न करें

सीमाओं व सहमतियों के बारे में बच्चों को सिखाना शुरू करने के लिए नर्सरी सबसे अच्छा समय है। ऐसा करके, माता पिता और बच्चे, घटना उपरांत महज प्रतिक्रिया करने के बजाय, अनावश्यक आघातों, अपमानों, शारीरिक शर्म, या गुंडई के खिलाफ रोकथाम का उपाय कर सकते हैं।

बच्चों को बताएं कि यह उन्हें चुनाव करना होता है कि कोई उनके शरीर को छू सकता है कि नहीं, कि उन्हें चुनने का अवसर मिलता है कि वे किसी को गले लगाना या चूमना चाहते हैं या नहीं। जब कोई उनके गालों पर चुटकी लेता है या उन्हें असहज महसूस कराता है, तो ''ना'' कहना, यह सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण पहला कदम है कि वे बोलने के लिए आश्वस्त महसूस करें, यदि कोई कुछ अनुचित करता है। बच्चों को सिखाना, कि उनका अपने शरीर पर अधिकार है और उन्हें हमेशा अपने माता पिता को आकर बताना चाहिए यदि उनके साथ कुछ होता है, उन्हें सुरक्षित बनाए रखने तथा भविष्य में उनके सशक्तीकरण करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अपने बच्चों को उनके शारीरिक अंगों के संबंध में बताना, तथा उम्र बढ़ने के साथ, उचित शब्दावली के माध्यम से, शरीर में आने वाले बदलावों से संबंधित जानकारी में निरंतर इजाफा कर उन्हें जानकार बनाए रखना भी समान रूप से महत्वपूर्ण है, जैसे जैसे वे बड़े होते जाते हैं। जब बालिगों को निजी अंगों के वैज्ञानिक रूप से उचित नामों की जानकारी होती है तो बच्चे भी समझने लगते हैं कि फलां शारीरिक अंग- शर्म व गुह्य जानकारी का हिस्सा हैं। जो प्रतिउत्तर में, बच्चे को भरोसेमंद बालिग के साथ जानकारी को साझा करने से रोक सकता है यदि उनके निजी अंगों पर अनुचित ढंग से स्पर्श किया जाता है।

लड़कियां माहवारी को लेकर जिस कलंक, शर्म और दबंगई का अनुभव करती हैं उसे समाप्त करने के लिए खासतौर पर सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे- लड़के व लड़कियां- माहवारी के बारे में जानें। जब बड़े लोग माहवारी को छुपाए रखते हैं, तो बच्चे भी इसे बुरी चीज के रूप में अनुभव करेंगे और महिलाओं के शरीर को गंदा या अशुद्ध मानने लग सकते हैं।

बहुत सारी महिलाएं सोचती हैं कि अपनी पहली माहवारी की शुरुआत पर वे मर रही है, क्योंकि उन्हें पहले से कुछ भी बताया नहीं गया था कि एक दिन उनके शरीर से रक्तस्राव होना आरंभ होगा। समानता पैदा करने के लिए हमारे पास एक तरीका यह है कि

>> पेज 3

मैंने महसूस किया है कि भूत और भविष्य वास्तविक भ्रम हैं कि वे वर्तमान में मौजूद होते हैं, जो जैसा है, सब वैसा है
- एलन विल्सन वाट्स

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

बेहतर कल की कुंजी

इस स्तंभ के एक मूल्यवान पाठक ने मुझसे ऐसे सवाल किए जो समस्त चिंताओं की स्पष्टता के मद्देनजर ध्यानाकर्षण मांगते हैं: ''महोदय, आपके आलेखों से लगता है कि आप पारंपरिक पूजाओं के विरुद्ध हैं। लेकिन आप मंत्रों व प्रतीकों की बात करते रहते हैं। मंत्र कुछ प्रारंभिक प्रक्रियाओं की मांग करते हैं, जो अपने आपमें एक परंपरा है। यहां तक कि यंत्र भी सुव्यवस्थित कार्यशाला की मांग करते हैं। पूर्व युगों में पूजा भी की जाती थीं और उनसे फल मिले थे। पुजारियों द्वारा उच्चारित पवित्र मंत्रों तथा आम लोगों के निरंतर जाप से फल क्यों नहीं मिलते हैं? कहा जाता है कि अगर मंत्रों के उच्चारण में अगर कोई चूक हो जाती है खासतौर पर भगवान हनुमान को समर्पित जाप में, तो उसके बुरे फल मिलते हैं। कृपया समझाएं।''

ऐसा लगता है कि आपने मुझे गलत पढ़ लिया है। मैं अपने आपमें परंपरा विरोधी नहीं हूं। यह सच है, कि पूजा या ध्यान से पहले कुछ प्रारंभिक चरण और कुछ नहीं, बल्कि परंपरा ही है, लेकिन वे आपको समूची प्रक्रिया के लिए स्वयं को तैयार करने में आपकी सहायता करते हैं। हालांकि यह स्वीकार करना कठिन है कि पंडितों से कराई गयी पूजा- खास देवता को मनाने के लिए- व्यक्ति की विशिष्ट मनोकामना पूरी कर सकती है। यह अवधारणा, कि पूर्व युगों में कराई गयी ऐसी इच्छा से प्रेरित पूजाओं के फल मिले थे, एक कल्पना है जिसे ढोंगियों द्वारा अपने निहित हित साधने के लिए योजनाबद्ध ढंग से फैलाया गया है। यदि ऐसी पूजाओं से अपेक्षित परिणाम मिल पाते, तो यह दर्शाता कि कर्म का सिद्धांत अपनी मर्जी से और आसानी से खारिज किया जा सकता है, और इसलिए, यह ज्यादा महत्ता हासिल नहीं करता है।

यदि ऐसा होता और पंडित किसी के लिए पूजा कर देवता को मना लेते, तो किसी को अपने बुरे कर्म के खामियाजे नहीं भुगतने पड़ते, खासतौर पर साधनसंपन्न लोगों को। हालांकि विडंबना यह है कि प्रमुखतया, भय के कारण, अज्ञानी लोग पंडितों की सलाहों का अंधानुकरण करते हैं, मानो उन्हें नकारने का अर्थ दैवी इच्छा को इंकार करना हो। प्राचीन भारतीय दर्शन के संस्थापक स्तंभ, उपनिषदों का कोई प्रत्यक्ष न होने के कारण वे मानने के लिए मजबूर होते हैं कि अगर ऐसी प्रथाएं इतने लंबे समय टिकी हुई हैं तो अवश्य इसका कोई वैध कारण होगा। और अगर यह कारगर नहीं भी होती हैं तो कम से कम इनसे कोई हानि नहीं होती। कुछ इसी वजह से मिथक इतने लंबे तक कायम रहे हैं। जिन लोगों ने उपनिषदों को पढ़ा है, वे जानेंगे कि ऐसे मिथक व्यवहारिक नहीं हैं। उपदेशों के बावजूद, वे असलियत में हमें जागरुकता के मार्ग पर ले जाते

हैं। वे पहले हमें सृष्टि के गतिशास्त्र की समग्र समझदारी के प्रति हमे जागृत करते हैं, फिर ऐसे सूत्र प्रदान करते हैं कि हम किस प्रकार जीवन में आचरण करें। दूसरा, वे हमें अपनी मानसिक सीमाओं से ऊपर उठने के तरीके व संसाधन प्रदान करते हैं और पूर्ण मानव क्षमता को उजागर करते हैं, अधिकांश वे क्षमताएं जो अज्ञानता के कारण दबी रहती हैं। याद रखें, साधारण लोगों की बौद्धिक क्षमताओं पर केवल पांच फीसदी पहुंच बनी है। यदि वे इसका भी अधिकतम उपयोग कर पाएं तो हम जीवन की आम आवश्यकताओं के साथ न्याय करने में सक्षम हो सकते हैं। हालांकि विडंबना यह है कि हमारा मन, मौजूदा दुनिया व अंतर्निहित इच्छाओं के विभिन्न मोहजालो में फंसकर, हमें मौजूदा कार्यभारों पर ध्यानकेन्द्रित नहीं करने देता है। और जब हम समय की दौड़ में पीछे छूट जाते हैं, तो हम ढोंगी बाबाओं के चंगुल में जा फंसते हैं। याद रखें, समूची इंसानी समस्याओं का मूल मुख्यत: मन में होता है। पूर्वजन्म से चले आ रहे कर्म भी, सभी अच्छे व बुरे कर्म, विचार बीजों के रूप में अंकित होते हैं, और जो हमारे मन किसी न किसी रूप में पूर्वाग्रही बनाते हैं। इसलिए, सभी उपचारक उपायों को अपनी चिंतन प्रक्रिया को सुधारने पर केन्द्रित करना चाहिए, जिसका दायित्व संबंधित व्यक्ति में निहित होता है। यह स्वीकार करना कठिन है कि पंडित हमारे मानसिक जगत में दखल दे सकते हैं और अपेक्षित कार्य कर सकते हैं। क्या होगा यदि हम अपनी मानसिक शक्ति उसके अधिकतम स्तर पर विस्तारित कर पाएं? फिर हमारी क्षमता अपार हो सकती हैं। ध्यान उस छोर को पाने का तरीका है। यह आंतरिक पड़ताल की मांग करता है, जो आपको अपनी मानसिक सीमाओं को पहचानने और स्वीकारने, उन्हें दूर करने और फिर मानसिक शक्ति को उसके सर्वोत्तम स्तर पर उभरने का अवसर देता है। भीतर की ओर मुड़ने की एकाग्रता से, प्रक्रिया संबंधित छवि पर ध्यान देने से एक विशिष्ट मंत्र के उच्चारण की मांग करती है। मंत्र चेतना की ठोस काया है जो आपको विशिष्ट प्रतीकवाद के साथ लयबद्ध होने का अवसर देती है, जो अपने विशिष्ट शैक्षणिक आयात के जरिए चिंतन प्रक्रिया को सही मोड़ देने में सहायता करती है। प्रक्रिया, नियमित अनुपालन के जरिए, धीरे धीरे आपको एक समय के बाद असीम जागरुकता की ओर ले जा सकती है, जहां आप सहजतापूर्वक स्वयं को बेहतर कल की ओर ले जा सकते हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया का ज्ञानी गुरू के मार्गदर्शन में अनुपालन करने की आवश्यकता होती जो मंत्र और संबंधित छवि का पता लगा सके व उसके बारे में बता सके जो वैयक्तिक आवश्यकताओं से मेल खाते हैं। वर्ना, गलत चुनाव ऐसी शक्तियों को प्रेरित कर सकता है जो अनुत्पादक साबित होंगी।

गलती हमेशा सिखा कर जाती है

महेन्द्र पाल

दोस्तों, जरा सोचिए, उपरोक्त शब्द 'गलती' की हमारे जीवन में कैसी भूमिका है? उम्र के चाहे किसी पड़ाव पर खड़े होकर सोचें, यह शब्द, 'गलती' हमारे सामने एक यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा होता आया है। बचपन में यह एक अंजानी और खौफनाक दुनिया बनकर हमें डराता है, मसलन, ये मत करो... वो मत करो .... यानी इस शब्द के साथ आदेशों-फरमानों, यहां तक कि धमकियों की खासी फेहरिश्त भी उपस्थित होती है। दूसरे शब्दों में, जीवन की शुरुआत से ही इंसान की जिज्ञासाओं के पर कतरने के लिए इंसान के अपनों द्वारा इस शब्द का जाने अंजाने बहुत सहारा लिया गया है। हालांकि इस पर बाद में आएंगे कि लाख डराने- धमकाने के बावजूद इंसानी जिज्ञासा ने कभी हार नहीं मानी। उसने अलग-अलग तरह से अपनी जिज्ञासाओं को नए पंख दिए। उसी का नतीजा है कि इंसानियत ने आदिम युग से आधुनिक युग की दुरुह और चुनौतीपूर्ण यात्रा तय की है।

खैर.. बात हो रही थी गलतियों की, जो हमेशा डर का लिबास पहनकर हमारे सामने उपस्थित होती रही हैं। वे कभी भी सहज रूप में हमारे सामने प्रस्तुत नहीं की गईं, ताकि हम उन पर हंस सकें, खुद को व अपनी नासमझी को इंसानी गुण के बतौर मानकर दूसरों से साझा कर सकें। दरअसल गलतियों से हमारा दोस्ताना संबंध बनाया ही नहीं गया। अगर बनाया गया होता तो हम कहीं ज्यादा क्रियाशील और अनुभव संपन्न होते, कहीं अधिक तार्किक व सूझबूझ वाले बनते। साथ ही साथ कहीं ज्यादा मानवीय व संवेदनशील भी। बल्कि हुआ उल्टा, हमें गलतियों से दुश्मनाना बर्ताव करना सिखाया गया। उनसे डरना सिखाया गया। उन्हें हमारे सामने ऐसे पेश किया गया, मानो वे कोई बहुत बड़ा अनिष्ट हों, दुर्भाग्य हों। जो इंसान को शर्मिन्दा करती हैं, दूसरों द्वारा अपमानित किए जाने का जरिया बनती हैं। हमें हीनता का शिकार बनाती हैं। इस सच्चाई को पाठक भी चाहें तो अपने बीते जीवन की पड़ताल करके देख-परख सकते हैं कि गलतियों से डरना हमें निष्क्रीयता की तरफ धकेलता आया है।

आखिर गलतियां हैं क्या? दरअसल, गलतियां कार्य का अनपेक्षित परिणाम या मूल्य हैं। ये वो प्रतिफल हैं जो हमारी उम्मीदों व आशाओं के विपरीत होता है। लेकिन इससे यह अर्थ तो नहीं निकाला जा सकता कि यह परिणाम या मूल्य स्वयं में एक नकारात्मक परिणाम या मूल्य है। जैसा कि प्राय: सकारात्मक परिणाम या मूल्य को हमेशा के लिए सकारात्मक और नकारात्मक को हमेशा के लिए नकारात्मक मान लिया जाता है।

वास्तविकता में ऐसा होता भी नहीं है। क्योंकि परिणाम या मूल्य हमेशा समय सापेक्ष होते हैं। अगर समय बदलता है तो परिणामों या मूल्यों में भी बदलाव आता है। इंसानियत के इतिहास को देखें तो पाएंगे कि जो परिणाम या मूल्य एक समय सही और सकारात्मक माने गए, बाद के समय में वही गलत, पुरातनपंथी व रुढ़िग्रस्त माने गए। जबकि उस समय के गलत परिणामों व मूल्यों को बाद के समय में सही व उचित के रूप में स्वीकार किया गया। उदाहरण के लिए इतिहास के किसी दौर में सतीप्रथा जैसी तमाम प्रथाएं, यहां तक कि जातिप्रथा तक सकारात्मक व सम्मानजनक मूल्य या परिणाम का प्रतीक मानी जाती थी लेकिन आज वही प्रथा स्त्रीविरोधी, अपमान का प्रतीक समझी जाती हैं। पुराने जमाने में जाति या तमाम प्रथाओं को तोड़ने वालों को गलत या बुरा व्यक्ति माना जाता था, वहीं आज जाति की पैरवी करने वालों व तमाम रूढ़ियों की पैरवी करने वालों पर सवाल उठाए जाते हैं। ऐसे उदाहरण और भी दिए जा सकते हैं। यानी एक समय की गलती बाद के समय में सकारात्मक मूल्य भी बन सकती है। और यह सच्चाई है कि हर कार्य के बहुस्तरीय परिणाम होते हैं, जो समझ आते हैं और समयानुकूल होते हैं, वे सही ठहराए जाते हैं, लेकिन जो समझ नहीं आते या कहीं ज्यादा सूक्ष्म होते हैं, वे अनुचित या आशंका या जिज्ञासा के बतौर देखे जाते हैं और उन्हीं को समझने की कोशिश में ज्ञान के नए दरवाजे खुलते हैं और खुलते आए हैं। बस जरूरत है यह नजरिया अपनाने की कि गलतियां अनिष्ट या दुर्भाग्य नहीं होतीं, यह हमारी जिज्ञासाओं के द्वार खोलने में मददगार भी हो सकती हैं। जिनसे सीखकर इंसान और समझदार, अनुभवी व उन्नत होता है। इसलिए अगर गलतियों से डरना छोड़ कर, उनकी आंखों में आंखें डालकर उनसे जूझना सीखा जाए तो सफलता के नए अंजान दरवाजे खुल सकते हैं।

हमारे जीवन में घुला है कष्ट

अजित कुमार बिश्नोई

कहते हैं कि कष्ट विदेशी अवधारणा नहीं बल्कि हमारे जीवन का ही हिस्सा है। हमें इस सच्चाई का सामना करने की जरूरत है

हां, यह जीवन की कड़वी सच्चाई है। सृष्टि विधान कम या ज्यादा कष्ट पर आधारित है। व्यवहारिक रूप से, प्रत्येक विशेष चीज दुख से ही आरंभ होती है। हम जन्म को लेते हैं। यह मां के साथ -साथ बच्चे दोनों के लिए कष्टकारी है। हम शिक्षा चरण तक पहुंचते हैं और यह अत्यंत कष्टकारी है। बच्चों को पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पढ़ाई के बाद, अपनी आजीविका कमाना कोई पिकनिक मनाने वाला काम नहीं है। इंसान कल्पना कर सकता है कि खेल खेलना मजेदार है। यह मजेदार तभी हो सकता है जब तक कि आप इसमें अच्छा होने की कामना नहीं करते। एक विदेशी धावक से उस कष्ट के बारे में पूछें जिसको उसे इस ऊंचाई को हासिल करने में सामना करना पड़ा है। और जब आप माता पिता बन जाते हैं तो आप अपने दायित्वों के उचित निर्वाह संबंधी कष्ट को स्वीकारने की एक लंबी यात्रा आरंभ करते हैं। सूची लंबी हो सकती है।

भगवान कृष्ण ने इस दुनिया में कष्ट की वास्तविकता के बारे में हमें चेताया है। वह इसका दुखों की नश्वर स्थान के रूप में वर्णन करते हैं। (गीता 7.15), जहां दुख आता और जाता है। (2.14) तुलनात्मक तौर पर सफल लोगों को भिन्न महसूस हो सकता है जब अच्छा हो रहा होता है, लेकिन भौतिक सफलता प्रत्यक्ष भौतिक लाभ लेकर आती है मगर दुख या शांति से मुक्ति जैसे स्थायी लाभ लेकर नहीं आती। लोग आज नहीं तो कल महसूस करते हैं कि कष्ट विदेशी अवधारणा नहीं बल्कि हमारे जीवन का ही हिस्सा है। इसीलिए अवमानना में नहीं रहते हैं। हमें इस सच्चाई का सामना करना चाहिए।

दुर्भाग्यवश, आधुनिक सभ्यता के अधिक से अधिक भौतिकवादी होते जाने से, हम बिलकुल उल्टा कर रही है, हम अपने रोजमर्रा जीवन में इस बुनियादी सच्चाई से मुंह चुराने का प्रयास करते हैं। सुविधाओं को कभी कभी दुख का निवारण नहीं समझना चाहिए। व्यक्ति सर्वाधिक सुविधाजनक परिवेश में रह सकता है लेकिन फिर भी दुख भोगता रह सकता है। यह कोई आश्चर्य नहीं है कि दवाइयां अत्यंत कष्ठ की स्थिति के लिए होती हैं। अमरीका को प्रभावित करने वाला अफीम संकट क्या है? व्यक्ति को सहिष्णुता विकसित करनी चाहिए- जो बेहतर जीवन का अत्यावश्यक गुण है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि दवाइयों का हमारे जीवन में कोई स्थान नहीं है, मगर उनके अति उपयोग पर नजर रखी जानी चाहिए। वर्ना हम जितना सच्चाई से भागने की कोशिश करते हैं, हम उतना अधिक समस्या को न्यौता देते हैं।

स्वीकार्यता अनेक लाभ प्रदान करती है। उपरोक्त उल्लिखित श्लोक 2.14 में, भगवान सहिष्णुता की सलाह देते हैं क्योंकि वास्तविकता को नकारने हुए जीवन जीना कारगर नहीं होगा। अगले श्लोक में, भगवान कृष्ण स्पष्टता के साथ उनकी बात करते हैं जो कष्टकारी स्थितियों में परेशान नहीं होते, जो समभाव में बने रहते हैं। वह कहते हैं कि वे लोग परम जीवन के हकदार हैं। (2.15) जो लोग सत्य से इंकार करते हैं, उस कष्ट को भोगते हैं जिनका कि पहले उल्लेख किया गया है। ज्ञानी व्यक्ति बड़े कष्ट से बचने के लिए कुछ कष्ट को स्वीकार करते हैं। उदाहरण के लिए, जो लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं उन्होंने अधिक स्वस्थ जीवन के लिए कष्टों को गले लगा लिया है। इसी प्रकार, उन लोगों की, जो जीवन में अनुशासित हैं, जिसमें वे अपने मन को साधते हैं, स्थिति उन लोगों से कहीं बेहतर है जो अनियंत्रित मन में डूबे रहते हैं। भौतिक सृष्टि की अस्तित्वगत वास्तविकता को नकारना अनेक अन्य तरीहों से दुख देता है। मानसिक बीमारियां क्यों फैल रही हैं? क्योंकि कष्ट का भय भारी पड़ता है। इंसान जितना किसी भौतिक कष्ट से बचने की कोशिश करता है, वह उतना ही अधिक मानसिक कष्ट के लिए रास्ते खोलते जाता है। बेचैनियां, भय, अवसाद, घबराहट के दौरे आदि क्या हैं, सिवाय उस सहिष्णुता की अनिच्छा के जिसे कोई नकार नहीं सकता? यह नहीं कहा जा रहा कि इंसान को कष्ट का आलिंगन करना चाहिए लेकिन यदि व्यक्ति शांत होने की चाहत के प्रति गंभीर है, तो उसे स्वीकारना चाहिए कि कष्ट को पूरी तरह नकारना असंभव है। कुछ तरीके हैं जिनके जरिए दुख को न्यूनतम किया जा सकता है। ईश्वर से गहरा जुड़ाव हमें सही मार्गदर्शन व सहायता प्रदान करता है। सभी दायित्व निभाएं। यह सचमुच मददगार है क्योंकि ये छोटे कष्ट हैं जो बड़े कष्टों से बचने में सहायता करते हैं। इंसान को स्वयं को हरसंभव ढंग से मजबूत बनाना चाहिए मसलन मानसिक क्षमता बढ़ाकर, शारीरिक स्वास्थ्य सुधारकर, आत्मबल,भावनात्मक एवं बौद्धिक क्षमता के बल पर। जीवन दुख से ही आरंभ होता है यदि हम ईश्वर के मार्गदर्शन अनुसार जीवन जीते हैं तो जीवन, कुछ कष्टों के बावजूद, अत्यंत सुखद हो सकता है।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अहंकारग्रस्त टकरावों से बचने तथा एक सुरक्षित जगह जाने की सलाह है जहां आप अपनी रचनात्मक एवं आध्यात्मिक पक्ष को विकसित कर सकें। आप काम के प्रति सजग व आशावादी रहेंगे और अपने सभी अधूरे कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे। दिलचस्प अवसर मिलने की संभावना है। घरेलू मोर्चे पर आप किसी समाचार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आप रिश्तों में सामंजस्य कायम रखेंगे।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शनिवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आप अच्छी सेहत में होंगे। हालांकि सलाह है कि अपने रोजमर्रा व्यायाम या योग दिनचर्या का पालन करें। यदि आपने इन्हें अभी शुरू नहीं किया है तो जल्द इसे आरंभ करें। आंतरिक क्षमता व साहस समस्त चुनौतियों से निपटने में आपकी सहायता करेंगे। कार्य स्तर पर, इस सप्ताह, आप बहुत कम समय में बहुत सारे काम पूरे करने में सक्षम होंगे। वित्तीय स्थितियां अच्छी नहीं हैं। फिजूलखर्ची पर बचना चाहिए।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** मैरुन **शुभ दिन:** बुधवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। आप सामान्य की तुलना में मनोवैज्ञानिक व अंतर्बोधात्मक चरण में अधिक होंगे। आपके लिए जरूरी है कि आप अपने सहजबोध पर भरोसा करें व अपने अंतर्मन को मार्गदर्शन करने दें। करियर मोर्चे पर, आपका मन बहुत सक्रिया रहेगा। अपने मन से संवाद करने व अपने सहकर्मियों व हमउम्रों के बीच खुद को अभिव्यक्त करने में संकोच न करें। आप भ्रम का शिकार हो सकते हैं।

शुभ अंक: 25 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

जो लोग स्वास्थ्य समस्याओं स जूझ रहे हैं, उनके जल्द ठीक होने की संभावना है। यह सप्ताह त्वरित चिंतन व अनुपालनकारी संवाद शैली लेकर आता है। अपने इर्दगिर्द लोगों से अपने तर्कों व मूल्यवान सहयोग पर सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की अपेक्षा करें। यह अच्छा समय है कि अपने विचार व्यक्त करें। अकादमिक जनों के लिए अध्ययन करने व परीक्षाएं देने का यह अच्छा समय है। रिश्तों में थोड़ी असहजता आ सकती है।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** बुधवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

इस सप्ताह आपकी भावनात्मक क्षमता आपकी स्वास्थ्य स्थिति का फैसला करेगी। इसीलिए यह जरूरी है कि आप पता लगाएं कि आप चीजों व लोगों के बारे में कैसा महसूस करते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएंगे व आप खुद को बेहतर स्वास्थ्य में पाएंगे। अपने पेशेवर जीवन में, आप बेहतर स्पष्ट हैं कि आपके लक्ष्य क्या हैं और उन्हें हासिल करने के लिए आपको क्या करना है। जीवन साथी के प्रति संवेदनशील हों।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सरसों **शुभ दिन:** मंगलवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

अपने स्वास्थ्य के प्रति आपको कुछ सजग होने की जरूरत है। बीमारियों से जूझते लोगों को बहुत ज्यादा चालाकी करना बंद करना चाहिए, इससे चीजें काफी बेहतर हो जाएंगी। करियर मोर्चे पर, आपके नए विचार आपका दायरा विस्तारित करने व नए लक्ष्य पाने में आपकी सहायता करेंगे। आप वरिष्ठ अधिकारियों से रोमांचकारी समाचार तथा प्रेरणादायी संवादों की अपेक्षा कर सकते हैं। स्वस्थ्य कार्य वातावरण बनाए रखें।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग** रजत **शुभ दिन:** सोमवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा है, पर कसरत करते समय सजग रहें, चोट लगने की संभावना है। करियर मोर्चे पर, आप अपने लेनदेनों में अत्यंत पेशेवर रहेंगे और कंपनी की नीति का पालन करेंगे। बिजनेस प्रतिबद्धताओं के कारण यात्रा की संभावनाएं हैं। इस यात्रा पर, आपको नए मित्र व प्रेरकों से मुलाकात हो सकती है। लक्ष्य के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण है, लेकिन खुद को ज्यादा तनाव देना हानिकारक हो सकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग :** बैंगनी **शुभ दिन:** मंगलवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, आप आराम व मस्ती करने के लिए समय निकालेंगे। बीमारियों से पीड़ित लोगों को सुधार का तरीका मिलने की संभावना है। कार्य मोर्चे पर, आपकी कड़ी मेहनत व कोशिशों की प्रशंसा की जाएगी। अपने प्रयास जारी रखें क्योंकि आप सही मार्ग पर हैं। निवेशों के संदर्भ में, भाग्य आपका साथ देगा। संपत्ति सौदे हल होने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

जो लोग स्वास्थ्य मामलों में बेहतर नहीं रहे हैं, उनके जल्द ठीक होने की संभावनाएं हैं। आप आंतरिक बालसुलभ ऊर्जा को जगाने में सक्षम होंगे व निरंतर सक्रिय रहेंगे। पेशेवर मोर्चे पर चीजें बेहतर दिख रही हैं। भाग्य आपके पक्ष में होगा औव आप दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति में सक्षम होंगे। जहां कहीं भी आप मन लगाते हैं, वहां नतीजे व उपलब्धियां प्राप्त करते हैं। आपके करीबी लोग आपसे ठोस सलाह की मांग करेंगे

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी ध्यान व योग दिनचर्या को बनाए रखें, इससे आप अपने अंतर्मन से जुड़ने व अपने मन को तरोताजा रख सकेंगे। बीमारियों से जूझते लोगों को चीजों को गंभीरता से लेने व उचित उपचार कराने की सलाह है। त्वरित चिंतन की आपकी योग्यता इस सप्ताह आपको करियर मोर्चे पर दूरगामी योजना तैयार करने का पर्याप्त समय प्रदान करेगी। थोड़ा कीमती समय अपने परिवार के साथ बिताएं।

शुभ अंक : 13 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरुवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

अपनी शारीरिक गतिविधियों में सजग रहें। बीमारियों से जूझते लोगों के जल्द ठीक होने के आसार हैं। सकारात्मक सोच बनाए रखें और चीजें आपके लिए आसान हो जाएंगी। पेशेवर जीवन में, आपका स्वभाव बुराइयों से खुद को दूर रखने में आपकी सहायता करेगा और आप सामान्य से अधिक आशावादी महसूस करेंगे। अपने सहज सपनों के प्रति आप आत्मविश्वास हासिल करेंगे। नए अवसर मिलने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य संतोषजनक है। बीमारियों से जूझते लोग बीमारी के मूल कारण की जांच कराएं, यह उपचार के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य की अनदेखी करना गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। दूसरों से अपनी बीमारी की चर्चा करेंगे तो उसके कुछ समाधान मिल सकते हैं। आपके करियर में यह अत्यंत सकारात्मक नयी शुरुआत है। जो लोग हाल में कठिन समय से गुजरे हैं, जान लें कि स्थितियां जल्द ठीक हो जाएंगी।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** मंगलवार

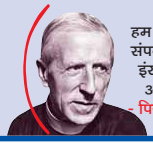

हम आध्यात्मिक अनुभव संपन्न लोग नहीं हैं। हम इंसानी अनुभव संपन्न आध्यात्मिक लोग हैं
- पियरे टीलहाड डे चार्डिन

जीवन के दुखों का उपचार

संत राजिंदर सिंह का कहना है कि ध्यान इस अहसास तक पहुंचने में आपकी सहायता कर सकता है कि आपका जीवन उस प्रत्यक्ष दुनिया से कहीं बड़ा है जिसमें आपका तन व मन कष्ट भोगता है

मीडिया- टेलीविजन, अखबार, पत्रिकाओं, ब्लॉग, इंटरनेट, स्मार्टफोन या अन्य माध्यमों- के जरिए हमें जो खबरें मिलती हैं, वो हमेशा दुनिया के किसी हिस्से में आपदा संबंधी प्रमुख खबरें होती हैं। स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खबरों में हमेशा कठिनाइयों व समस्याएं ध्यानाकर्षण हासिल करती हैं। लोगों द्वारा झेले जा रहे दुख की खबरों के बिना एक दिन भी नहीं बीतता है। अपने खुद के जीवन में भी, हम हमेशा अपने किसी करीबी- मित्र या परिवार की खबर सुन रहे होते हैं जो चुनौतियों का सामना कर रहा है। जैसे ही दुनिया मुड़ती है, हर क्षण दुनिया में कहीं न कहीं किसी न किसी के लिए कुछ दुख लेकर आता है। कुछ लोग अक्सर महसूस करते हैं कि जीवन का हर पल, संक्षिप्त अवकाश के अलावा, जिसमें कि हम खुश होते हैं, दुख से भरा है।

खबरों के आधार पर, ऐसा लगता है कि जीवन कुछ नहीं सिर्फ दुख लेकर आता है। लोग आरोप लगाते हुए इन चुनौतियों का सामना करते हैं कि जीवन केवल दुख लेकर आता है। क्या जीवन और कुछ नहीं है सिवाय निरंतर आपदाओं की बजती श्रंखला के? जीवन के दुखों का क्या कोई उपचार है?

यहां कुछ अच्छी खबरें हैं जो अच्छी हैं- एक जगह अस्तित्वमान है जो सुरक्षित है जहां आप जीवन के दुखों से छुटकारा पा सकते हैं। एक जीवन नौका है जो जीवन के तूफानी समंदरों से सुरक्षित पार कराती है। आप खुशी पाने के लिए, जो कि आपका जन्मसिद्ध अधिकार है, जीवन के दुखों से परे जा सकते हैं। एक स्थान है जहां आप जा सकते हैं और जीवन के दुखों व दुख से कहीं परे सुकून पा सकते हैं। आप अपनी भावनाओं को तरोताजा कर सकते हैं और दुखों से मुक्त उस स्थान के संपर्क में आ सकते हैं।

लेकिन, आप पूछ सकते हैं कि आप दुखों से मुक्त उस स्थान को कहां पा सकते हैं? दुखों से मुक्त वो स्थान आपके भीतर है। यह वो स्थान है जहां आप अपनी आत्मिक शांति से संपर्क साध सकते हैं। आप जीवन के कष्टों से राहत पा सकते हैं और ध्यान में बैठे समय बिता कर समुची शांति पा सकते हैं। ध्यान में, आप एक समयावधि निर्धारित करते हैं जिसके दौरान आप पर दुनिया की दुखभरी खबरों की बमबर्षा नहीं होती है। यह एक एकाग्रचित्त समय है जब आप अपनी आत्मा पर, आंतरिक आत्मिक खजानों पर ध्यान में, आप शांति व कृपा को अनुभव कर सकते हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि आपके भीतर एक ऐसा स्थान हैं जहां कोई दुख या कष्ट नहीं है।

> एक जीवन नौका है जो जीवन के तूफानी समंदरों से सुरक्षित पार कराती है। आप खुशी पाने के लिए, जो कि आपका जन्मसिद्ध अधिकार है, जीवन के दुखों से परे जा सकते हैं। एक स्थान है जहां आप जा सकते हैं और जीवन के दुखों व दुख से कहीं परे सुकून पा सकते हैं। आप अपनी भावनाओं को तरोताजा कर सकते हैं और दुखों से मुक्त उस स्थान के संपर्क में आ सकते हैं।

ध्यान यह अहसास जगाने में आपकी सहायता कर सकता है कि आपका जीवन बाह्य जगत से कहीं बढ़कर है जिसमें आपका तन व मन कष्ट भोगते हैं। आपमें एक आध्यात्मिक पक्ष है जो आपके भीतर की शांति व सुकून से जुड़ा होता है।

जब आप ध्यान के जरिए उभरते हैं तो आप दुनिया को एक भिन्न रोशनी में देखते हैं। आप जानते हैं कि जीवन का बाह्य दुख अस्थायी है। वे बीत जाएंगे। जब आप स्वयं देखते हैं कि आपके भीतर शांति व सुकून की जगह है, तो आप यह जानते हुए कठिन समयों से पार पाने की दृढ़ता से लैस हो जाएंगे कि आपके लिए आंतरिक प्रसन्नता पहुंचयोग्य है।

ध्यान के जरिए आप जीवन के दुखों से राहत पा सकते हैं। हालांकि जीवन का पहिया निरंतर घूमता रहता है, मगर आप ध्यान के समय के दौरान राहत का सुख पाने हेतु पहिए से उतरने के लिए कुछ क्षण निकाल सकते हैं। आप दुनिया के कष्टों की सुर्खियों से मुक्त, कुछ मिनटों, आधा घंटा या एक या दो घंटे का आनंद पा सकते हैं। आप कष्ट व दुख से मुक्त दायरों का सुख पाने के लिए, दुख के दायरे से ऊपर उठने के लिए प्रेरित होंगे। ध्यान में हमें जो आनंद प्राप्त होता है, वो दिन भर हमारे साथ बना रहता है। यह शायद दुनिया के बाह्य कष्ट को न बदले, लेकिन हम, उस आनंद के स्थान में जिसे हम दूसरों तक फैला सकें, रोजाना कुछ समय बिताने में सक्षम हैं। हमारी अपनी आत्माएं उन्नत होती हैं और हम फिर दूसरों को अच्छा महसूस करा सकते हैं। जब हम ईश्वर की ध्वनि व आतंरिक प्रकाश पर ध्यान लगाते हैं, तो हम अपने भीतर ईश्वर के प्रेम से जुड़ जाते हैं, जो हमें आंतरिक शांति, आनंद, कृपा व प्रसन्नता से भर देता है। यह अनुभव हमारे ध्यान को बाहरी दुनिया के तनावों व कष्टों से परे ले जाता है। जैसे ही हम ध्यान में समय बिताते हैं, हम एक शांत स्वर्ग रचते हैं जिसमें हम अपनी मानसिक सक्रियता के लिए शांति व संतुलन की पुनर्स्थापना करते हैं।

शोधकर्ताओं ने दर्ज किया है कि ध्यान करने वाले लोगों में दिमागी गतिविधि गहन सुकून की अवस्था दर्शाती है। उनका मन शांत हो जाता है। ध्यान का शांत असर ध्यान में बिताए समय के बाद तक कायम रहता है। बाद का असर मन की शांति बनाए रखने में हमारी सहायता करता है क्योंकि हम निरंतर दिन भर अपनी गतिविधियां करते हैं।

हम अपनी प्रतिक्रियाओं पर अधिक नियंत्रण पा जाते हैं और टकराव की स्थिति में या उथलपुथल व अराजकता के बीच में संयम बरकरार रखते हैं। यह हमें अपने भीतर परमानंद व शांति की निजी शरण भी प्रदान करता है जिसका हम जब चाहे किसी भी समय आसरा ले सकते हैं। यह शरण दुनिया के कष्टों से अपना ध्यान अलग हटाने में हमारी सहायता करती है और हमें एक अन्य तरीका प्रदान करती है जिसके जरिए हम अपने जीवन में तनाव घटा सकते हैं।

इस तरह, गहन ध्यान में नियमित समय बिताना अपने जीवन में तनाव घटाने तथा शांति, संतुलन की भावना बढ़ाने में सहायता का एक असरकारी माध्यम है, जो हमारे मन व भावनात्मक अवस्था का उपचार करता है ताकि हमें अपनी शारीरिक काया का उपचार करने में सहायता हो सके। जब हमें लगता है कि हमारे भीतर दुखों से मुक्त एक स्थान है, तो हम उस स्थान तक पहुंचने में दूसरों की सहायता कर सकते हैं। हम जीवन को एक अलग नजरिए से देखते हैं, और दूसरों की सेवा व सहायता के लिए प्रेरित होते हैं। हमारा जीवन दूसरों को कष्ट से राहत देने वाली सेवा का गीत बन जाता है। हम वो करने की क्षमता से भरे होते हैं जिससे हम दुनिया को, दुखों से मुक्त, एक बेहतर जगह बनाने में सहायता कर सकें। मुझे आशा है कि आप सभी ध्यान कि लहरए अपने भीतर शांति व सुख की जगह को महसूस करके जीवन के दुखों से उपचार पाते हैं।

- लेखक आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

नेतृत्व की शिक्षा

किसी महान नेता बनता है, इस पर हालांकि बहुत कुछ लिखा व बोला गया है, मगर अभी भी प्रश्न को एक स्वीकार्य उत्तर प्राप्त नहीं होता है। बहुत सारे नजरिए है जिन्होंने नेतृत्व के विचार से संबंधित धुंधलके को दूर करने के बजाय इसे उलझाया ही है। यह इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर है कि निम्न उल्लिखित कहानी काफी महत्व रखती है। हालांकि कहानी में अनेक विविधताएं हो सकती हैं, लेकिन अंतर्निहित शिक्षा कहीं संक्षेप में गृहप्रेरित है। कहानी है कि एक नीजवान एक विवाह उत्सव में अपना प्राइमरी स्कूल शिक्षक मिल जाता है। वह अपना सम्मान प्रदर्शित करने हेतु शिक्षक के पास जाता है और अपना सम्मान अर्पित करता है। उसका पहला प्रश्न है कि क्या शिक्षक को उसके बारे में याद है। लेकिन शिक्षक उसके बारे में याद नहीं कर पाया जैसा कि दशकों बीत चुके हैं जब नीजवान ने स्कूल छोड़ा था। शिक्षा हालांकि छात्र को अपने बारे में बताने के लिए कहता है।

छात्र कहानी सुनाता है कि वह कक्षा पांचवीं में पढ़ रहा था जब शिक्षक द्वारा कक्षा में पढ़ाए जाने के दौरान एक घटना घटी थी। उसी कक्षा का एक लड़का एक सुंदर नयी घड़ी पहनकर आया था। छात्र इतना लालायित हो गया कि उसने उस घड़ी को चुरा लिया जिसे उस लड़के ने लंच पीरियड के दौरान अपने बैग में रखा हुआ था। लंच के बाद घड़ी को गुम पाकर, उस लड़के ने रोना शुरू किया और वो यह बताने के लिए शिक्षक के पास गया कि उसकी घड़ी चोरी हो गयी थी।

टीचर ने फिर सभी छात्रों को दीवार के सामने अपनी आंखें बंद करने के लिए कहा जब वह हर छात्र की जेब की तलाशी लेंगे। यह लड़का, जिसने घड़ी चुराई थी, अब चिंतित हो गया कि कक्षा के सामने उसकी पोल खुल जाएगी और उसका चरित्र हनन हो जाएगा। जैसे ही शिक्षक ने कक्षा के छात्रों की जेबों की तलाशी लेना शुरू किया, उसने लड़के की जेब से उसे पा लिया। फिर भी उन्होंने अंतिम छात्र तक की तलाशी लेना जारी रखा। इसके बाद, शिक्षक ने छात्रों से अपनी आंखें खोलने और अपनी सीट पर बैठने के लिए कह दिया। शिक्षक ने क्लास को घड़ी दिखाई और उसे वापस उस लड़के को लौटा दिया जिसकी वह थी। लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा कि घड़ी किसकी जेब से प्राप्त हुई थी। स्कूल में अपने पूरे अध्यापन काल में किसी भी छात्र व शिक्षक को पता नहीं चला कि किसने घड़ी को चुराया था।

यही वो शिक्षक थे जिन्होंने उसकी गरिमा की रक्षा की थी। मगर शिक्षक ने जो उत्तर दिया वो ज्यादा उल्लेखनीय था। शिक्षक ने कहा कि वो खुद भी नहीं जानते थे कि उस दिन किसने घड़ी को चुराया था क्योंकि जेब की तलाशी लेने के दौरान उन्होंने खुद अपनी आंखें बंद कर ली थीं। बेनकाब करना व निष्कासित करने की तुलना में बचाना और सुधारना कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। सजाएं ईर्ष्या व अहंकार आधारित होती हैं जबकि क्षमादान करुणा आधारित है।

शास्त्रीय मनोवैज्ञानिक भी प्रस्तावित करता है कि खुले में प्रशंसा करो मगर डांट या फटकार अकेले में हो। यही कारगर होता है। अब्राहम लिंकन के शब्दों का उल्लेख करना काफी महत्व रखता है। उन्होंने कहा था: '' मैंने हमेशा पाया है कि सख्त कानून के मुकाबले दया बेहतर फल प्रदान करती है।'' खैर, बहुत से लोग असहमत हो सकते हैं लेकिन मेरा अपना भी अनुभव इसी से मिलता जुलता रहा है। मजबूत नेतृत्व की दृढता संबंधी किस्से बहुप्रचारित हैं, मगर हमें समझने की जरूरत है कि ताकत या सजा के बजाय प्रेम व करुणा से आचरण को प्रभावित करना महत्वपूर्ण है। सजाए अल्पकालिक स्तर पर काम कर सकती हैं लेकिन उनका निवारण मूल्य को कहीं अधिक क्षणिक पाया गया है। सजा डरा सकती है लेकिन यह प्रेम है जो रूपांतरित करता है। संवेदनशील नेतृत्व बेहतर काम करता है।

पेज एक का शेष

स्वयं बनें अपने जीवन के सीईओ

पवन वर्मा कहते हैं कि अपने नेतृत्व में सकारात्मकता लाने के लिए तथा निराशा व तनाव को न्यूनतम करने के लिए अपनी मूल क्षमताओं के इर्दगिर्द अपना नेतृत्व खड़ा करें-

बच्चों को सिखाया जाए, जब वे छोटे हों कि लड़कों व लड़कियों के शरीर में कुछ अंतर तथा अनेक समानताएं होती हैं, और ये सभी समान रूप से उत्सव व गौरव का विषय हैं।

उपलब्ध पुस्तकों का उपयोग करें

अच्छी खबर यह है कि दुनिया भर के जानकार हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित बच्चों के अनुकूल किताबें व पाठ्यक्रम विकसित किए हैं जिनसे शिक्षक व अभिभावक सीख सकते हैं और उनका उपयोग कर सकते हैं। कुछ पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनसे हम अपने स्कूल में प्रेरणा हासिल करते हैं, उसमें हैं, 'लिव रिस्पेक्ट' बाय अ कॉल टू मेन, प्रोमुंडो द्वारा 'वेरी यंग एडोल्सेंस 2.0' रिप्रेजेंटेशन प्रोजेक्ट द्वारा 'द मास्क यू लिव इन' तथा युवा की यौनिकता शिक्षा पाठ्यक्रम की पैरवी। ये संसाधन शिक्षकों व अभिभावकों को संबंधों, जेंडर व यौनिकता पर आयु अनुसार उचित जानकारी प्रदान करते हैं जिसे हमारे सांस्कृतिक संदर्भ हासिल करने के लिए बदला जा सकता है।

- लेखक सोशल-इमोशनल लर्निंग, हेरिटेज एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्कूल की प्रमुख हैं और मेन्टुअल हाइजीन, स्प्रेडिंग योर विंग्स पर इंफो-कामिक की लेखक हैं।

एक बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमाकर्ता, बूपा ग्लोबल द्वारा किया गया शोध बताता है कि 64 फीसदी वरिष्ठ बिजनेस रहनुमाओं ने तनाव, बेचैनी व अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों का सामना किया है। कार्यस्थल इस बीमारी का सामान्य स्रोत हुआ करते हैं- लंबे कार्य घंटे, सुदूर यात्राएं, परिवार से दूर रहना, ये सभी कारण अपना असर डालते हैं। साथ ही, काम के दौरान, रहनुमा एक तनावपूर्ण स्थिति से दूसरी तनावपूर्ण स्थिति में उलझे रहते हैं, और अक्सर अपने द्वारा की गयी पहलकदमियों को लेकर संदेहग्रस्त रहते हैं। बदतर स्थिति तो यह, कि वे इसे दूसरों से साझा नहीं कर सकते, क्योंकि शीर्ष पर यह अकेले होते हैं। इसके अतिरिक्त समस्या यह है कि रहनुमाओं के रूप में वे अपनी टीमों का खयाल रखने को अपना दायित्व समझते हैं। इसीलिए, अपनी परवाह करने के लिए बहुत कम समय होता है।

परफेक्ट दिखने का दबाव

इस समस्या की जड़ें हमारी सोच में भी हैं। परंपरागत रूप में, हमने नेता की एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति के रूप में छवि बनाई होती है जो सख्त, मजबूत तथा सामान्य संकट में हार मानने वाला नहीं होना चाहिए।

रहनुमाओं से यह गलत अपेक्षा, उनके लिए अपनी संदिग्धताओं का सामना करना और मदद मांगना कठिन बनाती है। हालांकि उनका आंतरिक संघर्ष निरंतर चलता रहता है, मगर वे लगातार उसे दुनिया से छिपाते रहते हैं क्योंकि मानसिक स्थितियां व्यक्ति की नेतृत्व करने की अयोग्यता से जुड़ जाती है। इस प्रक्रिया में, वे भीतर ही भीतर जूझते रहते हैं, इसे नकारते हैं, उनका प्रदर्शन गिरता है लेकिन वे दूसरों को दोष देते हैं। और अंत में, एक बिखराव होता है जब वे खुद को और संभाल नहीं पाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों का प्रबंधन

इस निरंतर बढ़ते खतरे से लड़ने के लिए नजरिये व रणनीति में बुनियादी बदलाव की आवश्यकता होती है। स्वस्थ कार्यस्थल निर्मित करने के लिए रहनुमा और उनके संगठन निम्न रणनीतियों का अनुपालन कर बेहतर कार्य करेंगे:

आत्म सजगता सुधारना: अक्सर शांत, एक्जीक्यूटिव्स भावनात्मक लागत के प्रबंधन में, बगैर प्रशिक्षण के नेतृत्वकारी पदों पर पहुंच जाते हैं जिस भूमिका के लिए उन्हें अच्छे वेतन भुगतान की आवश्यकता होगी। इसलिए, उन्हें अपनी आत्म सजगता बढ़ाने तथा सर्वोत्तम, मजबूत व अजेय दिखने के मनोवैज्ञानिक बोझ को हटाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्हें अहसास हो कि उनकी नेतृत्वकारी भूमिकाओं, काम का तनाव व दबाव की ऊंची मांगें उन्हें तुलनात्मक रूप में कठिन मानसिक समस्याओं का अधिक शिकार बनाती हैं, उन्हें जब भी कभी जरूरत पड़े, अपनी आत्मविश्वास को साझा करना चाहिए तथा सहायता मांगनी चाहिए।

उन्नत ईक्यू विकसित करना: संस्थाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है कि नेतृत्वकारी भूमिकाओं में लोग उच्च स्तरीय भावनात्मक बौद्धिकता रखते हैं और यह कि वे इसे अपने नेतृत्व कार्यकालों के दौरान इसे बनाए रखते हैं। भावनात्मक समझदारी मूलत: व्यक्ति की ऐसी योग्यता है जो दूसरों की भावनात्मक अवस्था को समझने व उसपर समुचित प्रतिक्रिया के साथ साथ अपनी खुद की भावनाओं का प्रबंधन करती है। हाई ईक्यू वाले रहनुमा असरकारी ढंग से सुनते हैं, अपने खुद की तथा दूसरों के भावनात्मक आवेगों को समझते हैं और सहानुभूति के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। इस प्रक्रिया में, वे न केवल अपनी खुद के मानसिक स्वास्थ्य के साथ साथ दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य का भी खयाल रखते हैं।

नेतृत्व का बंटवारा: बतौर रहनुमा आपका काम अनुयायियों के बजाय अधिक रहनुमा पैदा करना होना चाहिए, आपको समस्या निवारक नहीं होना चाहिए बल्कि दूसरों को वैसा करने में सक्षम व सशक्त बनाना चाहिए। जैसे ही सांगठनिक वरियताक्रम में नेतृत्व का बंटवारा करते हैं, आपकी भूमिका आरकेस्ट्रा के कंडक्टर की तरह होगी जो विशेषज्ञ संगीतकारों के अपने बैंड का मार्गदर्शन व मदद करता है ताकि उसे अपने दर्शकों तक उत्तम सिंफनी रच सके। साझा नेतृत्व का यह नजरिया आपको अपनी नेतृत्वकारी भूमिका के अधिकांश तनाव व दबाव से परे ले जाएगा।

असरकारी संप्रेषण: नेतृत्वकारी काम को तनावमुक्त करने का एक तरीका है असरकारी संप्रेषण। असरकारी संप्रेषण में गहराई से सुनना, प्रतिक्रिया करना व समझदारी प्रदर्शित करना शामिल होता है। साथ ही, संप्रेषण के दौरान आपको पूर्वाग्रहरहित व सकारात्मक बने रहना चाहिए। बतौर रहनुमा, आपको अपने जीवन का सीईओ बनना चाहिए और वैसा ही नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। आप उस नेतृत्व की प्रशंसा करके अच्छा करेंगे जो आज बदलाव से गुजर रही है जिससे रहनुमा सर्वोत्तम व सर्वज्ञानी होने की छवि से मुक्त हो रहे हैं।

- लेखक एज आफ द इंपरफैक्ट लीडर के लेखक हैं।

मेरे ख्याल से एक कलाकार के सीखने के लिए सबसे बेहतरीन पाठ यह है कि धैर्य एक सदगुण है और दृढ़ता के साथ इसका फल जरूर मिलेगा- यामी गौतम

'मैं हमेशा केवल सकारात्मक लोगों के संपर्क में रहना चाहता हूं'

बॉलीवुड फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता विवेक ओबरॉय ने एक विशेष बातचीत में पायनियर संवाददाता **साक्षी शर्मा** को बताया कि उनकी सीरीज़ 'इनसाइड एज' का पहला सीज़न तो कुछ कुछ सपाट था लेकिन इसके दूसरे सीज़न में दर्शकों को उनके चरित्र में आए रोचक ट्विस्ट का पर्याप्त आनंद मिलने वाला है-

वर्तमान में विवेक ओबरॉय किसी को भी साक्षात्कार देने से बच रहे हैं क्योंकि वो इनसाइड एज2 में अपने चरित्र के जीवित या मृत होने के बारे में कुछ भी लीक नहीं होने देना चाहते, 'हर कोई जानना चाहता है कि विक्रांत धवन जीवित है या मृत, क्योंकि सीरीज़ के पिछले सीज़न में मरने की कगार पर खड़ा था।'

सीरीज़ के चल रहे ट्रेलर के आधे हिस्से में तो वो दिखाई भी नहीं देता लेकिन अंतिम 11 सेकेंड में वो दिखाई देता है। विवेक ने बताया, 'जैसे ही ट्रेलर सामने आया तो मेरी पत्नी ने इसे देखा लेकिन जब पहले हाफ में मैं कहीं दिखाई नहीं दिया तो उसने पूछा, 'तुम ट्रेलर में दिखाई क्यों नहीं देते?' लेकिन अंतिम 11 सेकेंड में आवाज़ सुनाई देती है और विक्रांत सामने आता है, ये देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोगों की प्रतिक्रिया में भी अंतिम 11 सेकेंड की ही बात हो रही है। ये देखकर दर्शकों के प्रति मन कृतज्ञता से भर उठता है। इससे भी अच्छी बात ये होने वाली है कि हम दर्शकों की आशाओं से भी अच्छा प्रदर्शन उन्हें देने वाले हैं।'

विवेक जब हिंदी में जैक यॉन सीरीज़ को डब कर रहे थे उसी समय उन्हें एक और सीरीज़ 'इनसाइड एज' को डब करने का भी काम मिला, जिसे बाद में एमी अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया, जो एक विषेष उपलब्धि थी। सीरीज़ के पहले सीज़न में विक्रांत खेल का किंग था। वो ही पूरे खेल का नियंत्रण कर रहा था। वो लोगों के विरुद्ध हथियार और ड्रग्स का प्रयोग कर रहा था। उन्हें सत्ता में होने और चीज़ों पर नियंत्रण स्थापित करने में आनंद आ रहा था। लेकिन एक ही झटके में सीरीज़ के अंत में वो सबकुछ खो देता है। उसने जिस दुनिया का सृजन किया था वो उसके हाथ से निकल जाती है। उसे सबकुछ प्रारंभ से करना पड़ता है।

लेकिन इस सीज़न में विक्रांत अलग दिखाई देता है। लेकिन इस सीज़न में उसकी आवाज़ और अभिव्यक्ति में दम दिखाई देता है। वो कहते हैं, 'आप उस शेर की कल्पना कीजिये जो पहले से ही घायल हो। वो अपने राज्य वापस आकर उस पर अपना दावा ठोंक देता है। उसके अनुसार, 'ये मेरा राज्य है और मैं कहीं दूसरी जगह नहीं जा रहा। जिस लड़के ने अपने गुरू से सीखा था और उसकी पीठ में खंजर घोंप देता है वो ही अब उसका उस्ताद बनने वाला है। तो क्या विक्रांत अपने साम्राज्य को वापस पाने में सफल होता है? और यदि वो होता है तो वो ये कैसे करने वाला है? हर कोई इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए सीरीज़ देखना चाहेगा।'

सीरीज़ के पहले सीज़न में सबकुछ सपाट सा चल रहा था लेकिन इस सीज़न में उसके चरित्र में कई रोचक मोड़ देखने को मिल सकते हैं। लेकिन इसके लिए वास्तविक काम को अंजाम देना विवेक के लिए कठिन था क्योंकि इसे बिलकुल स्वाभाविक ढंग से किया जाना था। वो बताते हैं, 'पहले सीज़न में विक्रांत सबके ऊपर था जैसा कि कॉमिक बुक्स में भी दिखाई देता है जो थोड़ा अवास्तविक भी लगता है। लेकिन इस सीरीज़ में उसे वास्तविक ही रखा गया है वो बाकी सब जैसा ही है। उनका कहना है, 'चूंकि सीरीज़ थोड़ी जटिल थी अत: चुनौती भी कठिन थी, 'एक दिन हमें नौवें एपिसोड का एक दृष्य शूट करना था तो शाम को इसके दूसरे एपिसोड को करना था जिसमें मैं ग्राफ में कोई और ही नजर आता हूं। ऐसा करना हमेशा कठिन होता है।'

लेकिन कहना होगा कि विवेक के लिए ये मानसिक स्तर पर काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि उन्हें इस सीरीज़ में दुर्बलता, डर, असुरक्षा, बदला, लालच और भी कई भावों को सामने लाना था। उनके लिए ये सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण रोल साबित होने वाला था।

आजकल डिजिटल स्पेस का महत्व सभी को पता है ऐसे में विवेक जो बॉलिवुड के एक लोकप्रिय स्टार रह चुके हैं, उनकी आलोचना भी होनी ही थी। लोगों ने लिखा, 'तुम्हें क्या हो गया है तुम डिजिटल सीरीज़ क्यों कर रहे हो, ये छोटी सी चीज़ है और इसमें गुणवत्ता भी नहीं है।' लेकिन विवेक ने कहा कि वो हमेशा से ऐसे ही अवरोधों के बीच आगे बढ़े हैं, 'मेरा पदार्पण तब हुआ था जब हर स्टारपुत्र के डेब्यू के लिए ऐसी फिल्में बनाई जाती थीं जिनमें उन्हें घुड़सवारी और ऐक्शन, डांस और रोमांस करते हुए दिखाया जाता था। डिजाइनर ड्रेस भी उन्हें पहनने को मिलती थीं। वे उनमें बहुत सुंदर दिखाई देते थे। लेकिन मैं अपनी डेब्यू फिल्म में बिलकुल अलग ढंग से आया। मेरी फिल्म 2002 में आई 'कंपनी' थी। मुझे मेरे पिता की फिल्म से भी बाहर जाना पड़ा था। फिर मैंने डेढ़ साल तक साधारण व्यक्ति की तरह संघर्ष किया। ऑडिषन के लिए लाइन में लगा। मेरे नाम के आगे का सरनेम भी एक साल तक नहीं लगा। लेकिन कंपनी के ऑडिषन के बाद मुझे उसमें चुन लिया गया। सभी ने मेरे डैड को कहा कि मैं ऐसा करके गलत कर रहा हूं, 'उसमें कोई स्टाइल नहीं है फिल्म में उसने जरा भी डांस और रोमांस नहीं किया है। वो बस सिगरेट मुंह में लगाए घूमता रहा है।' जब फिल्म हिट हो गई तो लोगों ने कहा कि तुम ऐसी ही फिल्में करो। लेकिन मैंने एक रोमांटिक फिल्म साथिया की और वो हिट हो गई तो लोगों ने फिर कहा कि मुझे ऐसी ही फिल्में करनी चाहिये। इसके बाद मैंने 2013 में 'मस्ती' की जो अपनी तरह की एकमात्र फिल्म थी। ये जबर्दस्त कॉमेडी थी। मैं बिलकुल अलग तरह की फिल्में करता रहा। फिर 2013 में ही कृष 3 आई तो मैंने उसे भी किया क्योंकि मैं हमेशा से अपनी सीमाओं को विस्तार देकर स्वयं और मानकों को चुनौती देते रहना चाहता हूं।' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पूरी तरह से लोकतांत्रिक और स्वतंत्र हो चला है क्योंकि आप इसमें अपनी इच्छानुसार रोल कर सकते हैं। यदि विक्रांत किसी फिल्म का चरित्र होता तो संभवत: वो इसके साथ पूरा न्याय नहीं कर पाते। सीरीज़ में आपको चरित्र के हर पक्ष को पूरी तरह से जीने की छूट देती है।

नरेंद्र मोदी की बायोपिक में काम करने के लिए उन्हें वीभत्स ट्रोल्स का षिकार बनाया गया। उनका कहना है कि उनके भीतर नकारात्मकता को फिल्टर करने के लिए एक विषेष फिल्टर लगा है, 'मैं जहां भी किसी प्रकार की नकारात्मक चीज़ देखता हूं मैं खुद को उससे अलग कर लेता हूं क्योंकि सकारात्मक बने रहना तो आपकी ही दैनिक च्वाइस होती है। आप यदि आज्ञा देंगे तभी लोग आपको हर्ट कर सकते हैं। आप कल्पना कीजिये कि आपका घर स्वच्छ है और कोई बाहर से आकर उसमें कचरा डालकर उसे गंदा करना चाहता है तो क्या आप उस व्यक्ति को ऐसा करने की आज्ञा देंगे? उसके लिए गेट खोलेंगे। नहीं, और मैं भी ऐसा ही करता हूं। मैं भी केवल सकारात्मक लोगों से ही संपर्क करता हूं। मैं ईश्वर का धन्यवाद देता हूं कि मुझे ऐसा रोल मिला। कई समीक्षकों और दर्षकों ने इसे सराहा है। आपका विवेक ऐसा ही है। वो ऐसे प्रतिभावान अभिनेता हैं जो हमेषा ही कुछ चुनौतीपूर्ण करने की खोज करते रहते हैं।

'आप इसे अवष्य देखिये क्योंकि ये वीरेंद्र सहवाग की पारी जैसी ही धमाकेदार होने वाली है', कहते हुए वो हमसे विदा लेते हैं।

(ये सीरीज़ आप अमेज़न प्राइम पर 6 दिसंबर से देख सकेंगे)

पायल घोष को टाइम्स लीडिंग आइकन्स अवार्ड

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री पायल घोष को इस साल बॉलीवुड की सबसे अधिक स्टाइलिश अभिनेत्री होने के लिए टाइम्स लीडिंग आइकन्स अवार्ड 2019 से सम्मानित किया जाएगा। पायल ने कहा, 'इस अवार्ड के लिए चुना जाना वाकई सम्मानजनक है। मैं इस पहचान के लिए टाइम्स का शुक्रिया अदा करती हूं। यह किसी को कड़ी मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित करता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं मनोरंजन और कड़ी मेहनत करते रहने का वादा करती हूं। आखिर में मैं दर्शकों से यही आग्रह करना चाहूंगी कि वे मुझे अपना प्यार भेजते रहें, क्योंकि बस यही मायने रखता है।' अभिनेत्री और मॉडल पायल घोष ने फिल्म 'पटेल की पंजाबी शादी' के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें उनके साथ वीर दास भी थे।

अभिनय कभी मेरे बस का नहीं रहा: अंशुला कपूर

नई दिल्ली। परिवार में बॉलीवुड के कई नामचीन सितारों के होने बावजूद बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर का कहना है कि अभिनय कभी भी उनके बस का नहीं रहा है। एक खास बातचीत में 26 वर्षीय अंशुला ने कहा, 'मेरे परिवार की हमेशा इंडस्ट्री और जिस पेशे में वे हैं, उनमें उनकी गहरी रुचि रही है। बचपन में मुझे पता ही नहीं था कि मैं क्या चाहती हूं। अभिनय में मेरी रुचि कभी नहीं रही है।' अंशुला ने आगे कहा, 'जब मैंने स्कूल में एक्टिंग की, तो मुझे खुद से बाहर निकलने में परेशानी होती थी। मैं मंच पर परफॉर्म करने से डरती थी। अगर एक कमरे में 20 लोग होते थे, तो मैं बात तक नहीं कर सकती थी। मेरी मां थिएटर के लिए मुझे प्रोत्साहित करती थी। यह चुने जाने का एक बेहतरीन विषय था।'

यद्यपि अंशुला स्कूल में रहते हुए थिएटर कर चुकी हैं, लेकिन उनका कहना है कि वह बस उतने तक ही सीमित रहना चाहती थीं, उससे आगे जाने की उनकी ख्वाहिश नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मुझे कैमरे के सामने झिझक महसूस होती थी। मैं पढ़ाई में हमेशा अव्वल रही हूं, खाली वक्त में मैं किताबें पढ़ती थी। आज भी मुझे किसी और चीज की अपेक्षा किताबें पढ़ना पसंद है।' इस साल अगस्त में, अंशुला ने फैनकाइंड नामक एक सामाजिक पहल की शुरुआत की। यह धन एकत्रित करने संबंधी एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो फैंस और सेलेब्रिटीज को आपस में जोड़ता है और इसी के साथ यह महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों के लिए पैसे भी जुटाता है। इस अभियान में वरुण धवन, आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा, यूट्यूब सनसनी प्रजाक्ता कोली और करण जौहर जैसी बॉलीवुड हस्तियां अपना योगदान दे चुकी हैं।

अंशुला के लिए, मनोरंजन का व्यवसायिक पक्ष हमेशा से अधिक दिलचस्प रहा है और उनका कहना है कि फैनकाइंड के जरिए वह मनोरंजन की दुनिया से थोड़ी-बहुत जुड़ी हैं, जहां से उनके परिवार के सदस्य ताल्लुक रखते हैं। तो क्या अभिनय करने की उनकी कोई योजना है?

इस पर अंशुला कहती हैं, 'यह कुछ ऐसा नहीं है, जिसे मैं सक्रियता से करना चाहूंगी। मैं फैनकाइंड से जुड़ी हूं और पेशेवर स्तर पर एक्टिंग मुझसे नहीं होगा।'

महिलाएं क्यों नहीं ले सकतीं यौन संबंध का आनंद: मुदस्सर अजीज

मुंबई। निर्देशक मुदस्सर अजीज की आगामी कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो' फिर से अपने एक संवाद को लेकर विवाद में घिर गई है और इस बारे में यह संवाद अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का है। फिल्म के एक दृश्य में अपने किरदार को निभाते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर

कहती हैं कि उन्हें सेक्स पसंद है। कुछ दिनों पहले फिल्म के ट्रेलर को रिलीज किया गया जिसमें शादी के लिए भूमि द्वारा निभाए जा रहे किरदार की मौलाकात फिल्म के हीरो कार्तिक आर्यन से होती है और तभी वह कहती हैं, 'जी हमें सेक्स बहुत पसंद है।' रिपोर्ट के मुताबिक, जहां कुछ लोगों ने इस पर ठहाके लगाए हैं, वहीं कुछ लोगों ने यह कहते हुए आपत्ति भी जताया है कि यह वयस्क हास्य है और परिवार के साथ बैठकर देखने लायक नहीं है।

फिल्म का प्रचार करते हुए अजीज ने मीडिया को बताया, 'आपको इतनी दिक्कत क्यों है जब कोई महिला कहती है कि उसे सेक्स पसंद है? यह वयस्क हास्य क्यों है? जब एक पुरुष कहता है कि उसे सेक्स पसंद है तो इसमें कोई परेशानी नहीं है, लेकिन यही

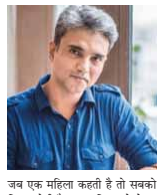

जब एक महिला कहती है तो सबको दिक्कत होती है। एक महिला को सेक्स क्यों नहीं पसंद हो सकता है? क्या यह उसे चरित्रहीन बनाता है? सेक्स पुरुषों की ही तरह महिलाओं के लिए भी आनंददायक है।' 'पति पत्नी और वो' में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे हैं। यह साल 1978 में इसी नाम से आई बी.आर.चोपड़ा की हिट फिल्म की रीमेक है।

मैं कोई आइकॉन नहीं हूं: नाओमी कैंपबेल

लंदन। सुपरमॉडल नाओमी कैंपबेल खुद को एक फैशन आइकॉन के तौर पर नहीं देखती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2 दिसंबर को ब्रिटिश फैशन काउंसिल में 49 वर्षीय इस मॉडल को फैशन आईकान के अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

इस पर नाओमी ने कहा, 'ऐसा कहे जाने पर मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं, हालांकि मैं खुद को एक आइकॉन नहीं मानती, लेकिन मैं इसका सम्मान करती हूं, इसे प्राप्त कर मैं सम्मानित हूं और धन्य हूं कि उन्होंने मुझे ऐसा समझा। इस सुपरमॉडल और अभिनेत्री का कहना है कि वह जो करती हैं, उन्हें वह पसंद है। नाओमी ने कहा, मेरी कोशिश किसी के साथ प्रतिस्पर्धा करने की नहीं है। जो मैं करती हूं, मुझे वह पसंद है और मैं हर रोज एक ही तरह की चीज नहीं करती हूं, तो यह सबका एक मिश्रण है और मुझे यह इसी अंदाज में पसंद है।

हम प्रसिद्ध जीत के बारे में जानने में अधिक रुचि रखते हैं: अर्जुन

नई दिल्ली (भाषा)। अभिनेता अर्जुन कपूर का मानना है कि भारत में लोग प्रसिद्ध ऐतिहासिक विजय की कहानियों को कहना-सुनना ज्यादा पसंद करते हैं और शायद इसीलिए पानीपत की तीसरी लड़ाई की कहानी को बड़े पर्दे पर कभी नहीं दिखाया गया। आशुतोष गोवरिकर की भव्य पीरियड ड्रामा फिल्म पानीपत में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका में हैं।

पानीपत की तीसरी लड़ाई 1761 में सदाशिवराव भाऊके नेतृत्व में मराठों और अहमद शाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के बीच लड़ी गई थी। फिल्म में अहमद शाह अब्दाली का किरदार संजय दत्त ने निभाया है। फिल्म में कृति सेनन भी हैं।

अर्जुन का कहना है कि लोग हमेशा किसी युद्ध के अंतिम परिणाम में रुचि रखते हैं न कि इसके कारण या बाद के हालात में। उन्होंने कहा, हमारे देश में, हम युद्ध के अंतिम परिणाम को जानने के बारे में अधिक रुचि रखते हैं। हम यात्रा में ज्यादा रुचि नहीं रखते हैं या घटना के बाद क्या बदलाव आए, इसके बारे में जानने की उत्सुकता नहीं रहती है। कभी-कभी कारण ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं।

अभिनेता ने एक साक्षात्कार में बताया, ऐसी कई परिस्थितियां रही हैं, जहां चीजें योजना के अनुसार बिल्कुल नहीं चली, लेकिन फिर भी उस घटना की वजह से सकारात्मक चीजें निकलकर सामने आई हैं। कपूर का मानना है कि किसी ने भी इस कहानी को केवल इसलिए नहीं बताया क्योंकि मराठा युद्ध हार गए थे। पानीपत 6 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है।

मैं दीपिका पादुकोण का सौतन: कपूर

अभिनेता अर्जुन कपूर ने खुलासा किया है कि वह किस तरह अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को कहते रहते हैं कि वह उनकी सौतन हैं। इसके साथ ही अर्जुन ने कहा कि वह किस तरह 'गुंडे' फिल्म के अपने सह-कलाकार और दोस्त रणवीर सिंह के करीब हैं। अर्जुन ने कहा, 'वह अभी भी मेरे डबिंग को देखते हैं, मेरे गाने को देखने के बाद लंबे वॉयस मैसेज भेजते हैं, मेरे गालों को चूमते हैं। हमारे संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ा है। मैं दीपिका से कहता हूं कि मैं उनका सौतन हूं। हमारे रिश्ते में अभी भी गर्माहट बरकरार है। काम की बात करें तो अर्जुन अपनी फिल्म 'पानीपत' के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

संगीत जगत में लैंगिक पूर्वाग्रह से चार्ली खफा

पॉप स्टार चार्ली एक्ससीएक्स का कहना है कि वह संगीत जगत में महिलाओं और पुरुषों के बीच की जाने वाली भिन्नता की बात से थक गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, द 'बूम क्लैप' हिटमेकर ने उन लोगों को संबोधित करते हुए कुछ ट्वीट किए हैं जो उन्हें गंभीरता से नहीं लेते हैं।

उन्होंने लिखा, 'मैं एक कलाकार हूं, एक गीतकार, जो अपने व अन्य कलाकारों के लिए कुछ बेहतरीन हिट गाने लिखे हैं, एक वीडियो निर्देशक, और इसके साथ ही नेटफ्लिक्स के एक शो की कार्यकारी निर्माता भी हूं और मैं एक म्यूजिक लेबल भी चलाती हूं, दो कलाकारों की सह-प्रबंधक हूं। अगर मैं पुरुष होती तो मेरा अभिवादन एक प्रकार से संगीत जगत के भगवान के रूप में किया जाता, लेकिन चूंकि मैं एक महिला हूं तो मुझ पर यकीन ही नहीं है। 27 वर्षीय इस गायिका ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'हालांकि, मुझे किसी के सहानुभूति की जरूरत नहीं है, मैं बस इस स्थिति को बयां कर रही हूं। इस इंडस्ट्री में महिलाओं की योग्यता पर हमेशा सवाल खड़ा किया जाता है कि 'क्या वाकई में उन्होंने ऐसा लिखा है?','क्या वह वाकई में प्रोड्यूस कर सकती हैं? ', 'क्या उन्हें वाकई में पता है कि वह क्या कर रही हैं?' मैंने ऐसा होते अकसर देखा है। चार्ली ने लोगों से महिला कलाकारों को अस्म्मानित करने से रोकने का आग्रह किया है।

मैं कला प्रदर्शन में भी बहुत कुछ नया करने की कोशिश करना चाहती थी, इसलिए मैंने स्टैंड-अप कॉमेडी करने की कोशिश की।